शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

https://epaper.shubhamsandesh.net

रांची, रविवार 07 सितंबर 2025 ● भाद्रपद पूर्णिमा, संवत 2082 ● रांची एवं पटना से प्रकाशित ● वर्ष : 3, अंक : 151 ● मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	32.8	22.6
डालटनगंज	34.4	25.1
धनबाद	32.4	25.5

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

ब्रीफ न्यूज

पावागढ़ शक्तिपीठ में रोपवे टूटा, 6 की मौत

गांधीनगर। गुजरात के पंचमहाल जिले में स्थित प्रसिद्ध शक्तिपीठ पावागढ़ में शनिवार को रोपवे टूटने से छह लोगों की मौत हो गई. मृतकों में दो लिफ्टमैन, दो मजदूर और दो अन्य शामिल हैं. सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई. राहत और बचाव कार्य तुरंत शुरू कर दिया गया. पावागढ़ शक्तिपीठ प्रसिद्ध धार्मिक स्थल है, जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु रोजाना दर्शन के लिए पहुंचते हैं. हादसे के बाद मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में शोक और दहशत का माहौल है.

पीएम मोदी व फ्रांसीसी राष्ट्रपति की हुई बात

नयी दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से बात की. उन्होंने ट्वीट कर इस बारे में बताया. पीएम मोदी ने अपने पोस्ट में लिखा कि राष्ट्रपति मैक्रों के साथ बहुत अच्छी बातचीत हुई. हमने विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग की प्रगति की समीक्षा और सकारात्मक मूल्यांकन किया. यूक्रेन में संघर्ष को शीघ्र समाप्त करने के प्रयासों सहित अंतर्राष्ट्रीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया. भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी वैश्विक शांति और स्थिरता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रहेगी. इससे पहले पिछले पिछले महीने 21 अगस्त को दोनों नेताओं के बीच बातचीत हुई थी.

बीड़ी विवाद पर कांग्रेस ने लिया बड़ा एक्शन

नयी दिल्ली। केरल कांग्रेस ने शनिवार को स्वीकार किया कि सोशल मीडिया पर बिहार को बीड़ी से जोड़ने वाली विवादित पोस्ट उनके लिए बड़ी भूल थी. इस पोस्ट के चलते राजनीति में तहलका मच गया. पार्टी ने पोस्ट को हटा दिया और सार्वजनिक माफी भी मांगी. इस विवाद के बीच केरल कांग्रेस के सोशल मीडिया हेड वीटी बालराम ने इस्तीफा दे दिया है. केरल प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष सनी जोसेफ ने स्वीकार किया कि पोस्ट करने में गलती और लापरवाही हुई. उन्होंने कहा, कांग्रेस इसका समर्थन नहीं करती.

भूपेश बघेल के बेटे की न्यायिक हिरासत बढ़ी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के शराब घोटाले और मनी लॉन्ड्रिंग के

मामले में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल की न्यायिक हिरासत बढ़ा दी गई है. ईडी की विशेष अदालत में शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए चैतन्य की पेशी हुई, जिसके बाद उन्हें अब 15 सितंबर तक के लिए न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है. बताया गया कि ईडी 15 सितंबर को चैतन्य बघेल के खिलाफ चालान पेश कर सकती है, इसके पहले चैतन्य बघेल को 23 अगस्त को अदालत में पेश किया गया था, जहां से उन्हें 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया था.

क्विक कॉमर्स : नई अर्थव्यवस्था श्रमिक को केवल ऐप पर मौजूद आईडी में बदल रही

गिग वर्कर्स यानी पतंग-सी जिंदगी, अस्थिर-असुरक्षित

सुधीर पाल

क्विक कॉमर्स का वादा है- मिनटों में डिलीवरी. जब तक आपके गैस स्टोव

पर पानी गरम होगा दाल-चावल-चाय जो चाहिए आपके पास हाजिर हो जाएगा. बिल्कुल अलादीन के चिराग की तरह बिग बास्केट, बिलिंकिट जैसे क्विक कॉमर्स ग्राहकों की सेवा में उपलब्ध है. ग्राहक को लगता है कि तकनीक ने जीवन आसान कर दिया. लेकिन उस आसान जीवन के पीछे लाखों गिग वर्कर्स का कठिन जीवन छिपा है. शहर के फुटपाथ पर खड़े गिग वर्कर को देखिए. पीठ पर बैग है, मोबाइल हाथ में, और आंखें स्क्रीन पर टिकी हैं—कब ऑर्डर अलर्ट बजेगा. कभी-कभी पूरा दिन खड़ा रह जाता है, ऑर्डर नहीं आता. सोचिए-बारिश में भीगते हुए, तपती धूप में काली सड़क पर भागते हुए, रात 11 बजे तक डिलीवरी करते युवक की स्थिति क्या है? उसे हर ऑर्डर पर केवल कुछ रुपये मिलते हैं. कभी दिनभर खड़ा रहता है, पर ऑर्डर नहीं आता. कभी कंपनी बिना सूचना दिए उसकी आईडी बंद कर देती है. इस मॉडल ने मजदूर से उसकी सामाजिक सुरक्षा छीन ली है. अब वह न कर्मचारी है, न व्यवसायी. वह बस डिजिटल स्क्रीन पर एक अस्थायी आईडी है-जिसे कभी भी बंद किया जा सकता है.

गिग वर्कर वे लोग हैं जो किसी कंपनी के स्थायी कर्मचारी नहीं होते. न उनका कॉन्ट्रैक्ट लम्बा होता है, न उन्हें मजदूर मानकर कानूनों का लाभ दिया जाता है. वे केवल डिजिटल श्रम करते हैं, और उनकी मजदूरी हर ऑर्डर, हर राइड, हर डिलीवरी पर निर्भर करती है. देखने में यह काम लचीला लगता है. जब चाहो काम करो जैसी बात सुनकर युवक खुश होता है. पर हकीकत बेहद कठोर है-काम का कोई तय समय नहीं, छुट्टी का अधिकार नहीं, और भविष्य की कोई सुरक्षित ज़मीन नहीं.

गिग इकोनॉमी का जन्म और फैलाव

21वीं सदी में इंटरनेट और स्मार्टफोन ने एक नई अर्थव्यवस्था खड़ी की. उबर, ओला, स्विगी, जोमैटो और अमेज़न जैसी कंपनियों ने लचीले काम का सपना बेचा. भारत में इसका तेज़ी से विस्तार हुआ. नीति आयोग की 2023 की रिपोर्ट कहती है कि 2020 में हमारे यहां 77 लाख गिग वर्कर्स थे, जो 2023 में बढ़कर 1.5 करोड़ हो गए. केवल झारखंड में ही करीब 12 लाख युवा इस श्रम-तंत्र में खींचे चले आए. यानी यह अब केवल शहर की कहानी नहीं रही, बल्कि गांव से सीधे प्लेटफॉर्म तक पहुंच गया. मजदूर की पहचान बदल गई-पहले वह खदान या फैक्ट्री में दिखता था, अब वह मोबाइल एप पर 'आईडी' बनकर दर्ज है. हालांकि यह रोजगार के नए अवसर प्रदान करता है, किंतु गिग कार्य से जुड़ी असुरक्षाएं श्रमिकों के जीवन को कठिन बना रही हैं. गिग श्रमिकों को न्यूनतम वेतन, कार्य के घंटों की सीमा, या किसी भी प्रकार की सामाजिक सुरक्षा का लाभ नहीं मिलता. इसके अलावा, श्रमिकों को अनुबंध आधारित कार्य करने के कारण वे किसी स्थायी नौकरी या पेंशन के लिए भी पात्र नहीं होते. गिग श्रमिकों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए सीआईटीयू से सम्बद्ध ऑल इंडिया गिग वर्कर्स यूनियन ने लगातार आवाज उठाई है और आंदोलन के जरिए कई राज्यों मे सामाजिक सुरक्षा के अधिकार हासिल किए हैं. इनका मानना है कि गिग श्रमिकों को भी स्थायी श्रमिकों की तरह अधिकार मिलना चाहिए, जैसे कि न्यूनतम वेतन, सुरक्षा लाभ, स्वास्थ्य सुविधाएं, और पेंशन योजनाएं.

गिग वर्कर्स के लिए झारखंड सरकार की पहल : गिग वर्कर्स की हालात की बेहतरी तथा कल्याण के लिए झारखंड सरकार ने महत्वपूर्ण पहल की है. राजस्थान के बाद यह दूसरा राज्य है जहां गिग वर्कर्स के लिए कानून बनाए गये हैं. गिग वर्कर्स के लिए बने इस विशेष कानून झारखंड प्लेटफ़ॉर्म आधारित गिग वर्कर्स (पंजीकरण एवं कल्याण) अधिनियम, 2025 में कंपनियों के पंजीकरण को अनिवार्य बनाया गया है. इस कानून के तहत अस्थायी काम करने वाले श्रमिकों जैसे डिलीवरी बॉय, कैब ड्राइवर और ऐप-आधारित सेवाओं में काम करने वालों को अब सामाजिक सुरक्षा मिलेगी. इसमें दुर्घटना बीमा कवर, पेंशन और अन्य कल्याणकारी योजनाओं का प्रावधान है. -शेष पेज 7 पर...

ट्रंप का डैमेज कंट्रोल,बोले- मोदी मेरे दोस्त और महान प्रधानमंत्री

मोदी ने भी दिया जवाब कहा-ट्रंप की भावनाओं की कद्र करता हूं

शुभम संदेश डेस्क

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ करते हुए उन्हें अपना दोस्त और एक महान प्रधानमंत्री कहा. ट्रंप के इस बयान पर पीएम मोदी ने पहली बार प्रतिक्रिया दी है. प्रधानमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट करते हुए कहा कि वे राष्ट्रपति ट्रंप की भावनाओं और संबंधों के सकारात्मक आकलन की गहराई से सराहना करते हैं और पूरी तरह उसका प्रत्युत्तर देते हैं. उन्होंने लिखा कि भारत और अमेरिका के बीच एक सकारात्मक और भविष्य उन्मुख व्यापक और वैश्विक रणनीतिक साझेदारी है.

भारत ने अमेरिका के साथ जारी विवाद के दौरान बेहद संतुलित और परिपक्व रुख अपनाया. ट्रंप के विवादित और कभी-कभी कठोर बयानों पर भारत ने तीखी प्रतिक्रिया नहीं दी, बल्कि मौन और तर्क के आधार पर अपनी स्थिति स्पष्ट की. पीएम मोदी ने भी संवेदनशीलता और संयम दिखाते हुए बयान दिए, जो तथ्यात्मक और शांतिपूर्ण रहे.

भारत का रुख यह रहा कि अमेरिका के साथ उसकी रणनीतिक साझेदारी अहम है, लेकिन अपनी स्वतंत्र विदेश नीति और रणनीतिक स्वायत्तता को बनाए रखना भी उतना ही जरूरी है. मर्यादा की लकीर बनाए रखना भारत की नीति रही है, यानी रिश्ते गहरे हों लेकिन सीमाओं और आपसी सम्मान का ध्यान भी रखा जाए.

चीन-अमेरिका संतुलन और भारत की स्थिति : वैश्विक परिदृश्य में भारत चीन और अमेरिका दोनों के बीच संतुलन बनाए रखने की कोशिश कर रहा है. चीन चाहता है कि भारत उसके साथ जुड़कर क्षेत्रीय प्रभाव बढ़ाए, जबकि अमेरिका भारत को मजबूत साझेदार के रूप में देखता है. भारत ने अमेरिका के दबावों को मानने के बावजूद अपने कृषि, डेयरी और मत्स्य पालन क्षेत्रों में कोई समझौता नहीं किया, ताकि किसानों के हितों की रक्षा हो सके.

रिश्तों को मजबूत बनाने की पहल : हाल ही में अमेरिकी विदेश मंत्री और अमेरिकी दूतावास ने सितंबर महीने को भारत-अमेरिका संबंधों को प्रगाढ़ बनाने का माह घोषित किया और लोगों से इस पहल में समर्थन का आह्वान किया. यह कदम दोनों देशों के बीच संपर्क बढ़ाने और सकारात्मक माहौल बनाने की कोशिश के रूप में देखा गया. ट्रंप के बयानों में अक्सर उतार-चढ़ाव देखने को मिले हैं. कभी उन्होंने भारत की तारीफ की, तो कभी आलोचना की, जिससे रिश्तों में तनाव पैदा हुआ, लेकिन भारत ने इन उतार-चढ़ावों से प्रभावित होने के बजाय अपनी रणनीति में स्थिरता बनाए रखी.

ट्रंप और पीएम मोदी के बीच रहे हैं अच्छे संबंध

बता दें कि पीएम मोदी और डोनाल्ड ट्रंप के बीच अच्छे व्यक्तिगत संबंध रहे हैं. दोनों नेता कई बार एक-दूसरे की तारीफ कर चुके हैं. ह्यूस्टन का 'हाउडी मोडी' कार्यक्रम और अहमदाबाद का 'नमस्ते ट्रंप' कार्यक्रम भारत-अमेरिका संबंधों की मजबूती के प्रतीक बने. जयशंकर के बयान से यह संकेत मिलता है कि भारत न सिर्फ ट्रंप बल्कि अमेरिकी नेतृत्व के साथ भी संबंध बनाए रखने के पक्ष में है. भारत और अमेरिका के बीच व्यापार और टैरिफ जैसे मुद्दों पर मतभेद रहे हैं. इसके अलावा वीजा नीतियों और डिफेंस डील्स में भी कई बार चुनौतियां सामने आती रही हैं. बावजूद इसके, दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी की अहमियत कम नहीं हुई है. विदेश मंत्री ने साफ किया कि भारत की विदेश नीति में अमेरिका के साथ रिश्ते को शीर्ष प्राथमिकता दी जाती है.

विदेश मंत्री एस जयशंकर का भी आया रिएक्शन

भारत और अमेरिका के रिश्ते को लेकर विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने एक अहम

बयान दिया है. उन्होंने कहा कि पीएम मोदी हमेशा से भारत-अमेरिका साझेदारी को गंभीरता और महत्व के साथ देखते आए हैं. जयशंकर का यह बयान उस समय आया है जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत-अमेरिका संबंधों पर सकारात्मक बयान दिया है. जयशंकर ने कहा कि पीएम मोदी और ट्रंप के बीच व्यक्तिगत संबंध हमेशा बेहतर रहे हैं. उन्होंने कहा, पीएम मोदी हमारे रिश्तों को लेकर बेहद गंभीर हैं और अमेरिका के साथ मजबूत साझेदारी बनाना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है. राष्ट्रपति ट्रंप के साथ प्रधानमंत्री का व्यक्तिगत समीकरण हमेशा अच्छा रहा है.

इधर, ट्रंप को एक और बड़ा मैसेज?

मोदी नहीं जाएंगे अमेरिका, यूएन की बड़ी मीटिंग से किया किनारा

पीएम नरेंद्र मोदी इस साल के अंत में होने जा रही संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) की बैठक में हिस्सा नहीं लेंगे. उनकी जगह विदेश मंत्री एस. जयशंकर अमेरिका जाएंगे. बैठक के वक्ताओं की संशोधित सूची जारी होने के बाद यह जानकारी सामने आई है. इस फैसले से भारत ने राष्ट्रपति ट्रंप को एक और बड़ा मैसेज देने की कोशिश की है. पीएम मोदी ने महासभा की सालाना बैठक से किनारा कर लिया है. संयुक्त राष्ट्र महासभा का 80वां सत्र नौ सितंबर से शुरू होगा. इसके बाद उच्चस्तरीय बैठक 23 से 29 सितंबर तक चलेगी. इस बैठक में पहला वक्ता ब्राजील होगा जबकि इसके बाद अमेरिका महासभा को संबोधित करेगा. अमेरिकी राष्ट्रपति 23 सितंबर को यूएनजीए पोडियम से वैश्विक नेताओं को संबोधित करेंगे. राष्ट्रपति के तौर पर उनके दूसरे कार्यकाल में वह पहली बार संयुक्त राष्ट्र सत्र को संबोधित करेंगे. भारत की ओर से विदेश मंत्री जयशंकर 27 सितंबर को सत्र को संबोधित करेंगे. लेकिन इससे पहले जुलाई में जारी की गई वक्ताओं की सूची में पीएम मोदी का नाम शामिल था. उस लिस्ट के मुताबिक पीएम मोदी 26 सितंबर को यूएनजीए को संबोधित करने वाले थे. हालांकि, वक्ताओं की इस सूची में आगे भी संशोधन हो सकता है.

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पत्नी कल्पना सोरेन के शनिवार को कोलकाता से रांची आगमन के क्रम में बहरागोड़ा पहुंचने पर पूर्वी सिंहभूम जिला प्रशासन की ओर से स्वागत एवं गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया. इस अवसर पर स्थानीय ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री का पारंपरिक तरीके से भी स्वागत किया. मुख्यमंत्री देर शाम रांची पहुंचे. हालांकि अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि मुख्यमंत्री पत्नी संग कोलकाता क्यों गए. वहां डीजीपी राजीव कुमार और कोलकाता के मेयर से किस मुद्दे पर बातचीत की.

एसआईआर पूरे देश में होगा, 10 को बैठक

एजेंसियां। नयी दिल्ली

एसआईआर को लेकर बड़ी खबर आयी है. चुनाव आयोग ने जानकारी दी है कि पूरे देश में एक साथ मतदाता सूची का गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) लागू किया जाएगा. इस संबंध में 10 सितंबर

- सभी राज्यों के मुख्य चुनाव अधिकारी शामिल होंगे

को चुनाव आयोग की मुख्य चुनाव अधिकारियों के साथ दिल्ली में बैठक करने जा रहा है. सूत्रों के अनुसार फिलहाल चुनाव आयोग ने आधिकारिक तौर तारीख तय नहीं की है कि इसे देशभर में कब से लागू किया जायेगा. इस पर अंतिम फैसला 10 सितंबर की बैठक में होगा. बता दें कि 24 जून को बिहार में एसआईआर कराने का आदेश जारी करते समय चुनाव आयोग ने इसे पूरे देश में लागू करने की बात रही थी. चुनाव आयोग ने बिहार के संदर्भ में जारी आदेश में कहा था कि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 (आरपीए 1950) की धारा 21 तथा अन्य प्रासंगिक प्रावधानों के अंतर्गत, आयोग को यह अधिकार मिला हुआ है कि वह निर्वाचक नामावलियों का विशेष गहन पुनरीक्षण कराने का निर्देश दे सके, कहा था कि इसमें मतदाता सूचियों की नयी तैयारी भी शामिल है. आयोग ने फैसला किया है कि पूरे देश में एसआईआर शुरू किया जाएगा. जहां तक बिहार की बात है तो इस राज्य में अभी एसआईआर की प्रक्रिया जारी है. यह 30 सितंबर को पूरी होगी.

अब जीतन राम मांझी ने चिराग पर बोला हमला

हम 2020 से जानते हैं उनका चाल और चरित्र

- मांझी बोले 9 सितंबर को होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव के बाद बिहार में सीट बंटवारे के मुद्दे पर एनडीए की दिल्ली में बड़ी बैठक होगी.

शुभम संदेश डेस्क

बिहार में एनडीए के सहयोगियों के बीच सीट बंटवारे को लेकर बयानबाजी तेज हो गई है. केंद्रीय मंत्री और हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) के प्रमुख जीतन राम मांझी ने लोजपा-आर के अध्यक्ष चिराग पासवान पर शनिवार को सीधा हमला बोला है. एनडीए में सीट बंटवारे की चर्चाओं के बीच जीतन राम मांझी ने चिराग पासवान को लेकर कहा, उनका चाल और चरित्र हम 2020 से जानते हैं, इसलिए मैं उनके बारे में ज्यादा नहीं कहूंगा. लेकिन आज बिहार और भारत को मजबूत करने के लिए सबको मिलकर एनडीए को मजबूत करना चाहिए. बता दें कि चिराग पासवान ने अपनी पार्टी के लिए कम से कम 43 सीटों की मांग की थी.

मांझी ने बताया कि 9 सितंबर को होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव के बाद बिहार में सीट बंटवारे के मुद्दे पर एनडीए की दिल्ली में बड़ी बैठक होगी. उन्होंने कहा, एनडीए में कोई झमेला नहीं है, जो आदेश हेडक्वार्टर से मिलेगा वही मान्य होगा. दिल्ली में कुछ दिन पहले मांझी ने कहा था कि जरूरत पड़ी तो उनकी पार्टी बिहार की सभी सीटों पर चुनाव लड़ेगी. इस बारे में पूछे जाने पर हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा प्रमुख ने अपने बयान पर सफाई दी. मांझी ने कहा, कभी-कभी कार्यकर्ताओं को संदेश देने के लिए ऐसा कहा जाता है. हम लोग गठबंधन में सभी सीटों पर चुनाव लड़ते हैं. पिछली बार भी आपने देखा होगा, हम कितनी भी सीटों पर चुनाव लड़े हों, लेकिन 62 से ज्यादा सीटों पर प्रचार के लिए गए थे. गठबंधन में होते हैं तो सभी सीटों पर सभी दल चुनाव लड़ते हैं.

जीएसटी रिफॉर्म्स पर जीतन राम मांझी ने केंद्र सरकार की तारीफ की और कहा कि इतना बड़ा तोहफा पहले किसी सरकार से उम्मीद नहीं की जा सकती थी. उन्होंने कहा, मैं 46 साल से राजनीति में हूं, इतना बड़ा तोहफा भारत के लोगों को किसी सरकार ने नहीं दिया. मोदी सरकार सिर्फ गरीबों के लिए काम करती है.

बड़ी पहल: भारत ने ब्रिटिश एजेंसी को दिया सिक्योरिटी का भरोसा

माल्या-नीरव जैसे भगोड़ा को रखने के लिए 'तिहाड़' तैयार

एजेंसियां। नयी दिल्ली

भारत से भागे आर्थिक अपराधियों और फरारों को वापस लाने की कोशिशों को तेज करते हुए ब्रिटेन की क्राउन प्रॉसिक्यूशन सर्विस (सीपीएस) की टीम ने हाल ही में तिहाड़ जेल का दौरा किया. जानकारी के मुताबिक, यह दौरा जुलाई में हुआ था, जिसमें ब्रिटेन से आए पांच मेंबर्स शामिल थे. इस दौरे का मकसद ब्रिटेन की अदालतों को यह दिखाना था कि भारत में प्रत्यर्पित किए गए आरोपियों को तिहाड़ जेल में सुरक्षित और बेहतर माहौल मिलेगा.

दरअसल, हाल ही में ब्रिटेन की अदालतों ने तिहाड़ की स्थिति को लेकर कई मामलों में भारत की प्रत्यर्पण याचिकाएं खारिज कर दी थीं. इसी वजह से भारत सरकार ने ब्रिटेन को आश्वासन दिया कि किसी भी आरोपी के साथ जेल में न तो मारपीट होगी और न ही गैरकानूनी पूछताछ की जाएगी.

प्रत्यर्पण मामलों में अहम कदम : भारत के अभी तक 178 प्रत्यर्पण अनुरोध विदेशों में लंबित हैं, जिनमें से करीब 20 अकेले ब्रिटेन में फंसे हैं. इनमें विजय माल्या, नीरव मोदी, हथियार कारोबारी संजय भंडारी और कई खालिस्तानी नेताओं के नाम शामिल हैं. भारत सरकार इन मामलों को लेकर लगातार ब्रिटेन के साथ कोऑर्डिनेशन में है.

भारत ने दिलाया भरोसा : इस पूरे प्रोसेस का मुख्य उद्देश्य ब्रिटेन की अदालतों को यह विश्वास दिलाना है कि भारत प्रत्यर्पित आरोपियों को मानवाधिकारों के अनुरूप सुविधाएं देगा. सरकार ने साफ कहा है कि जेल में कैदियों के साथ किसी तरह का गैरकानूनी व्यवहार नहीं किया जाएगा.

जेल में हुआ निरीक्षण

सीपीएस की टीम ने तिहाड़ की हाई-सिक्योरिटी वार्ड का निरीक्षण किया और वहां मौजूद कैदियों से बातचीत भी की. अधिकारियों ने टीम को भरोसा दिलाया कि अगर जरूरत पड़ी तो जेल परिसर में एक खास एन्क्लेव बनाया जाएगा, जहां विजय माल्या, नीरव मोदी जैसे हाई-प्रोफाइल आरोपी सुरक्षित रह सकें.

विजय माल्या और नीरव मोदी पर क्या हैं आरोप

विजय माल्या और नीरव मोदी पर भारत में धोखाधड़ी, मनी लॉन्ड्रिंग और आपराधिक साजिश के आरोप हैं. दोनों बैंक लोन डिफॉल्ट मामलों से जुड़े हैं और आरोप सामने आने से पहले ही ब्रिटेन भाग गए. भारतीय अदालतों ने इन्हें फ्यूजिटिव इकोनॉमिक ऑफेंडर्स घोषित किया. विजय माल्या का मामला किंगफिशर एयरलाइंस के पतन से जुड़ा है, जिसने भारतीय बैंकों से लिए लगभग 9,000 करोड़ रुपये का लोन नहीं चुकाया. जांच में आरोप लगे कि उन्होंने लोन की रकम दूसरी जगह खर्च की और वसूले गए सर्विस टैक्स का भी भुगतान नहीं किया. 2020 में ब्रिटेन की अदालत ने उनके प्रत्यर्पण को मंजूरी दी थी, लेकिन वह अब तक एक गोपनीय कानूनी प्रक्रिया के चलते भारत नहीं लाए जा सके हैं.

साल का आखिरी पूर्ण चंद्रग्रहण आज, रात में आप भी देखिए

दोपहर से ही शुरू हो जाएगा सूतक काल

शुभम संदेश डेस्क

रविवार को चंद्र ग्रहण लगने वाला है. यह साल 2025 का दूसरा और आखिरी चंद्र ग्रहण है, भारत में भी दृश्यमान होगा. इसलिए इसमें सूतक के सारे नियम लागू होंगे. यह चंद्र ग्रहण कुंभ राशि और पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र में लगेगा. चंद्र ग्रहण भारत के अलावा एशिया, यूरोप, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, अमेरिका, फिजी और अंटार्कटिका के कुछ हिस्सों में नजर आने वाला है.

चंद्र ग्रहण कितने बजे शुरू होगा : भारतीय समयानुसार, चंद्र ग्रहण 7 सितंबर की रात 10 बजकर 58 मिनट पर शुरू होगा और देर रात 01 बजकर 26 मिनट पर समाप्त होगा. इस प्रकार चंद्र ग्रहण की कुल अवधि 3 घंटे 28 मिनट की रहेगी. इसमें भी चंद्र ग्रहण का सर्वाधिक प्रभाव रात 11.01 बजे से रात 12.22 बजे के बीच रहेगा और ग्रहण का पीक टाइम रात 11.42 होगा. यही वो समय होगा, जब पूर्ण चंद्र ग्रहण का दृश्य आप देख सकेंगे.

सूतक काल कितने बजे शुरू होगा

चंद्र ग्रहण का सूतक काल ग्रहण लगने से 9 घंटे पहले शुरू हो जाता है. ऐसे में इस चंद्र ग्रहण का सूतक 7 सितंबर को दोपहर 12.57 बजे शुरू होगा.

इस काल में खाना पकाना या भोजन करना वर्जित है. इस दौरान मंदिरों के कपाट भी बंद रहते हैं, क्योंकि सूतक काल में भगवान की मूर्तियों को स्पर्श नहीं किया जाता है. गर्भवती महिलाओं को इस समय नकारात्मक चिंतन से बचना चाहिए. सूतक से पहले ही पके हुए भोजन और जल में तुलसी दल डालकर रख दें. सूतक के नियम बीमार, वृद्ध और बच्चों पर लागू नहीं होते हैं.

चंद्र ग्रहण का दुनिया पर क्या प्रभाव पड़ेगा

ज्योतिषविदों के अनुसार, इस चंद्र ग्रहण के कारण पश्चिमी देशों और मिडिल ईस्ट के देशों में समस्याएं बढ़ सकती हैं. पाकिस्तान में भी थोड़ी अशांति रह सकती है. प्राकृतिक आपदाओं की संभावना रहेगी. वायुयान दुर्घटना और अग्नि से आपदा हो सकती है.

भारत के लिए कैसा रहेगा चंद्रग्रहण

चंद्र ग्रहण के मद्देनजर भारत में उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और पंजाब की स्थिति बिगड़ सकती है. भारत-पाक सीमा पर तनाव बढ़ सकता है. पर्वतीय क्षेत्रों में विशेष समस्याएं हो सकती हैं. प्राकृतिक आपदाओं और राजनीतिक परिवर्तन के योग दिख रहे हैं.

जेएलकेएम सिर्फ कुड़मियों की पार्टी, कुतुबमीनार से भी कूद जाएं तो नहीं बनेंगे आदिवासी

जेएलकेएम से निकाले जाने पर निशा भगत ने जयराम महतो को दे दी चुनौती

शुभम संदेश। रांची

जेएलकेएम सिर्फ कुड़मियों की पार्टी है. कुड़मियों को खुश करने के लिए एक आदिवासी बेटी को अपमानित किया गया. उसे सोशल मीडिया पर ट्रोल किया जा रहा है. गंदे-गंदे कमेंट किये जा रहे हैं. यह आरोप लगाया है जेएलकेएम की ही नेत्री निशा भगत ने. दरअसल शनिवार को जयराम महतो ने निशा भगत को जेएलकेएम से निकाल दिया है. कुर्मी समाज के विरोध में बयान देने के कारण उनपर जेएलकेएम की ओर से अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है. जेएलकेएम के केंद्रीय अध्यक्ष जयराम महतो ने पत्र जारी कर कहा कि निशा भगत ने हाल के दिनों कई मीडिया और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कुर्मी समाज पर भ्रामक और अनुचित बयान दिया है. निशा का यह आचरण पार्टी के नीति, सिद्धांत और अनुशासन के खिलाफ है. इसलिए उन्हें 6 साल के लिए पार्टी से निकाला जाता है. वहीं इस कार्रवाई के बाद निशा भगत ने भी जयराम महतो और जेएलकेएम पर कई गंभीर आरोप लगाये हैं.

कुड़मियों को खुश करने के लिए आदिवासी बेटी को निकाल दिया

बवाल न्यूज से बातचीत में निशा भगत ने कहा कि झारखंड के लोग सोचते हैं कि जेएलकेएम सभी धर्म के लोगों की पार्टी है, लेकिन जयराम महतो ने इसे गलत साबित कर दिया है. कुड़मियों को खुश करने के लिए उन्होंने आदिवासी बेटी को पार्टी से निकाला है. इससे इनकी मानसिकता का पता चलता है कि ये लोग किसी को खुद से बड़ा नहीं मानते हैं. उन्होंने कहा कि कुड़मियों को आदिवासी का दर्जा मिल गया तो ये लोग रूढ़ीवादी परंपरा को मानने वाले बचे-खुचे आदिवासियों को मटियामेट कर देंगे.

निशा भगत को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखाया

रांची। जेएलकेएम ने गुमला से अपनी पूर्व प्रत्याशी निशा भगत को पार्टी से तत्काल प्रभाव से निष्कासित कर दिया है. यह कार्रवाई उनके द्वारा कुड़मी (कुठमी) समुदाय के संबंध में दिए गए असत्य, भ्रामक और अनुचित बयानों के चलते की गई है. पार्टी की ओर से जारी आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि निशा भगत के वक्तव्य पार्टी की नीतियों, सिद्धांतों और अनुशासन के प्रतिकूल हैं तथा इससे पार्टी की छवि को गंभीर क्षति पहुंची है. बयान के अनुसार, उनका यह आचरण समाज में विभाजनकारी वातावरण उत्पन्न करता है, जिसे किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता. अनुशासन समिति की संस्तुति पर, पार्टी ने उन्हें न केवल सभी पदों और जिम्मेदारियों से मुक्त किया है, बल्कि आगामी छह वर्षों तक किसी भी पार्टी गतिविधि, पद या दायित्व में भागीदारी पर पूर्ण प्रतिबंध भी लगाया गया है. गौरतलब है कि निशा भगत गुमला विधानसभा सीट से जेएलकेएम की उम्मीदवार रह चुकी हैं और पार्टी में एक सक्रिय चेहरा मानी जाती थीं. हालांकि, हाल ही में दिए गए उनके बयानों पर सोशल मीडिया और समुदायों में विरोध देखने को मिला था.

आदिवासी पैदा होते हैं, आदिवासी बना नहीं जाता

निशा भगत ने कहा कि आदिवासी पैदा होते हैं. आदिवासी बना नहीं जाता. कुड़मी जाति के लोग कुछ भी कर लें. रेल रोक लें. बस रोक लें या कुतुब मीनार से कूद जाएं ये किसी कीमत पर आदिवासी नहीं बन सकते. जेएलकेएम महिला और आदिवासी विरोधी पार्टी है. निशा ने यह भी कह दिया कि चरित्र हनन करने वालों से डरती नहीं हैं. झारखंड किसी के बाप का नहीं है.

आईएएस आकांक्षा रंजन केंद्रीय प्रतिनियुक्ति के लिए विरमित की गईं

रांची। आईएएस अधिकारी आकांक्षा रंजन को राज्य सरकार ने केंद्रीय प्रतिनियुक्ति के लिए विरमित कर दिया. सोमवार को राज्य सरकार द्वारा एनओसी दिए जाने के बाद उन्हें मंगलवार को कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग ने केंद्रीय प्रतिनियुक्ति के लिए विरमित करने का आदेश जारी कर दिया. मालूम हो कि झारखंड कैडर की 2013 बैच की आईएएस अधिकारी झारखंड में निदेशक हथकरघा, रेशम और हस्तशिल्प के पद पर कार्यरत थी. डीओपीटी ने उन्हें 14 अगस्त को केंद्र सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग में उप सचिव के पद पर पदस्थापित करने संबंधी आदेश जारी कर दिया था. आदेश जारी होने के बाद राज्य सरकार द्वारा एनओसी दिए जाने के साथ ही उन्हें केंद्रीय प्रतिनियुक्ति के लिए विरमित कर दिया गया.

माकपा का दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू

रांची। राजधानी रांची के मेन रोड के विश्वकर्मा लेन स्थित माकपा के राज्य कार्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं का दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शनिवार को शुरू हुआ. प्रशिक्षण शिविर में पहला सत्र मार्क्सवादी दर्शन था. इस मौके पर पार्टी के राज्य सचिव प्रकाश विप्लव ने कहा कि क्रांतिकारी विचारधारा के बिना कोई क्रांतिकारी परिवर्तन नहीं हो सकता है. इसलिए पार्टी के जनाधार को वैचारिक रूप से सशक्त करना एक जरूरी है.

झारखंड में पहली बार होगा धरती आबा जनजातीय फिल्म महोत्सव

आदिवासी संस्कृति को मिलेगा राष्ट्रीय मंच

राज्य सरकार कर रही है आयोजन

शुभम संदेश। रांची

झारखंड में आदिवासी संस्कृति और जीवनशैली को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के उद्देश्य से राज्य सरकार पहली बार "धरती आबा जनजातीय फिल्म महोत्सव" का आयोजन कर रही है. यह ऐतिहासिक महोत्सव अक्टूबर महीने में आयोजित होगा, जिसमें देशभर से आदिवासी विषयों पर आधारित फिल्मों को आमंत्रित किया गया है. आयोजन का उद्देश्य आदिवासी समुदाय की अनसुनी कहानियों, परंपराओं, दर्शन और जीवनशैली को रचनात्मक रूप से बड़े मंच पर प्रस्तुत करना है.महोत्सव का आयोजन डॉ. राम दयाल मुंडा जनजातीय कल्याण अनुसंधान संस्थान द्वारा केंद्र सरकार की 'जनजातीय गौरव वर्ष' पहल के अंतर्गत किया जा रहा है. यह कार्यक्रम भगवान बिरसा मुंडा को समर्पित होगा, जिन्हें 'धरती आबा' के नाम से सम्मानित किया जाता है. फिल्म महोत्सव में दिखने वाली कहानियां आदिवासी समुदाय के ज्ञान, संघर्ष, बदलाव और सशक्तीकरण की दास्तां बयां करेंगी.

शिक्षकों, शोधकर्ताओं और छात्रों को भी मौका : खास बात यह है कि इस मंच से न केवल फिल्म निर्माताओं को बल्कि शिक्षकों, शोधकर्ताओं और छात्रों को भी आदिवासी विषयों पर आधारित अपनी रचनात्मक प्रस्तुतियां देने का मौका मिलेगा. विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के शिक्षकों, पीएचडी व एमफिल शोधार्थियों और स्नातकोत्तर छात्रों को अकादमिक मार्गदर्शकों के सहयोग से फिल्में प्रस्तुत करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है. महोत्सव के माध्यम से आदिवासी समुदाय की आवाज़ को नए मंच और पहचान मिलने की उम्मीद है, जो लंबे समय से हाशिए पर रही कहानियों को सामने लाने में सहायक सिद्ध होगा.

रजिस्ट्रेशन शुरू, अंतिम तिथि 10 सितंबर

महोत्सव में भाग लेने के लिए रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और इसकी अंतिम तिथि 10 सितंबर है. प्रतियोगिता में वही फिल्में शामिल की जाएंगी जो 31 दिसंबर 2020 के बाद बनी हों. राज्य सहित देश के अन्य आदिवासी बहुल इलाकों के फिल्म निर्माता भी इस आयोजन में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं.

फिल्मों के लिए छह कैटेगरी निर्धारित की गईं

फिल्मों के लिए छह कैटेगरी निर्धारित की गई हैं-फीचर फिल्म, डॉक्यूमेंट्री, शॉर्ट फिक्शन, शॉर्ट डॉक्यूमेंट्री, एनिमेशन और न्यू मीडिया/मोबाइल. वहीं विषयों को सात अलग-अलग थीम में वर्गीकृत किया गया है-पहचान और प्रतिरोध, आदिवासी दर्शन, स्वदेशी ज्ञान प्रणाली, सामुदायिक परिवर्तन, सशक्तिकरण की कहानियां, बायोपिक और ट्राइबल लाइफ की झलकियां.

घाटशिला उपचुनाव : सोरेन बनाम सोरेन की सीधी लड़ाई, सहानुभूति बनाम रणनीति की जंग

शुभम संदेश। रांची

झारखंड की राजनीति में इस समय सबसे ज्यादा चर्चा जिस विषय पर हो रही है, वह है घाटशिला विधानसभा उपचुनाव. दिवंगत मंत्री रामदास सोरेन के निधन से खाली हुई यह सीट न केवल कोल्हान क्षेत्र, बल्कि पूरे राज्य की सियासत में केंद्र बिंदु बन गई है. जैसे-जैसे उपचुनाव की तारीखें नजदीक आ रही हैं, राजनीतिक हलचल तेज होती जा रही है. इस बार मुकाबला खास इसलिए है क्योंकि मैदान में आमने-सामने खड़े हैं दो सोरेन—एक ओर झामुमो के उम्मीदवार सोमेश सोरेन और दूसरी ओर भाजपा खेमे से उभरते हुए चेहरा बाबूलाल सोरेन. यह चुनाव केवल दो प्रत्याशियों की जंग नहीं, बल्कि इसे परंपरा बनाम बदलाव और सहानुभूति बनाम संगठन की रणनीति की लड़ाई माना जा रहा है. झामुमो ने दिवंगत मंत्री रामदास सोरेन के बेटे सोमेश को उम्मीदवार बनाकर सहानुभूति फैक्टर को पूरी तरह साधने की कोशिश की है. वहीं भाजपा ने पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के बेटे बाबूलाल पर दांव लगाने की तैयारी की है. दिलचस्प बात यह है कि चंपाई सोरेन हाल ही में झामुमो से भाजपा में शामिल हुए हैं और अपनी नई राजनीतिक पारी को साबित करने के लिए पूरी ताकत झोंक रहे हैं.

झामुमो का परंपरागत गढ़ : घाटशिला सीट का चुनावी इतिहास झामुमो के पक्ष में रहा है. 2009 से लेकर 2024 तक रामदास सोरेन ने लगातार तीन बार जीत दर्ज की. केवल 2014 में, जब पूरे देश में मोदी लहर थी, भाजपा ने यहां से विजय हासिल की थी. 2024 विधानसभा चुनाव में भी रामदास सोरेन ने भाजपा उम्मीदवार को 22,446 वोटों से हराकर यह साबित किया था कि घाटशिला झामुमो का मजबूत गढ़ है. चुनावी विश्लेषकों का मानना है कि यहां करीब 75% मतदाता झामुमो के कोर वोटर हैं, जिनका झुकाव ग्रामीण पृष्ठभूमि से आता है. शेष 25% वोटर शहरी क्षेत्रों से जुड़े हैं, जहां भाजपा की पकड़ अपेक्षाकृत मजबूत है.

भाजपा की चुनौती और चंपाई फैक्टर: पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन का भाजपा में शामिल होना इस चुनाव को और दिलचस्प बना देता है. वे पहले भी अपने बेटे बाबूलाल को जिताने के लिए मैदान में उतर चुके हैं, लेकिन हार का सामना करना पड़ा. इस बार चंपाई ने अभी से ही घाटशिला में डेरा डाल लिया है. वे लगातार जनता से मिल रहे हैं, सोशल मीडिया पर जोहार घाटशिला लिखकर मतदाताओं से संवाद साध रहे हैं और भाजपा संगठन को सक्रिय करने में लगे हैं. भाजपा चाहती है कि इस बार ऐसा उम्मीदवार उतारा जाए जो झामुमो के परंपरागत वोट बैंक में सेंध लगा सके और शहरी मतदाताओं के साथ-साथ ग्रामीण इलाकों में भी पैठ बना सके.

सोमेश के पक्ष में सहानुभूति की लहर : झामुमो ने दिवंगत नेता की विरासत को आगे बढ़ाने का फैसला लिया है. सोमेश सोरेन के मैदान में उतरने से सहानुभूति की लहर उनके साथ जुड़ने की पूरी संभावना है. भारतीय राजनीति में यह अक्सर देखा गया है कि जब किसी लोकप्रिय नेता का निधन होता है, तो उनके परिजन को जनता श्रद्धांजलि स्वरूप वोट देती है. डुमरी उपचुनाव इसका ताजा उदाहरण है, जहां दिवंगत नेता की पत्नी ने भारी बहुमत से जीत हासिल की थी. ऐसे में सोमेश के सामने संगठन की मजबूती के साथ-साथ सहानुभूति का अतिरिक्त लाभ भी मौजूद है.

विरासत बनाम महत्वाकांक्षा : घाटशिला की गलियां इन दिनों राजनीतिक चर्चाओं से गूंज रही हैं. मतदाता भी उत्साहित हैं क्योंकि उन्हें इस बार दो अलग-अलग संदेश मिल रहे हैं—एक ओर पारिवारिक विरासत और दिवंगत नेता की स्मृति से जुड़ी भावनाएं हैं, तो दूसरी ओर भाजपा में नए तेवर और महत्वाकांक्षा के साथ उतरे बाबूलाल की चुनौती है. नतीजा चाहे जो भी हो, घाटशिला उपचुनाव झारखंड की राजनीति में नए अध्याय की शुरुआत जरूर करेगा.

बाबूलाल के सामने दोहरी चुनौती

बाबूलाल सोरेन के लिए यह चुनाव आसान नहीं होने वाला. 2024 में उनका मुकाबला सीधे रामदास सोरेन से था, लेकिन अब हालात बदले हुए हैं. सोमेश न केवल अपने पिता के वोट बैंक को संभाल रहे हैं, बल्कि सहानुभूति वोट भी उनके खाते में जा सकता है. भाजपा संगठन पूरी रणनीति के साथ मैदान में उतरा है, परंतु पारंपरिक समीकरणों को बदलना चुनौतीपूर्ण होगा. बाबूलाल को शहरी मतदाताओं के अलावा युवाओं और पहली बार वोट करने वाले मतदाताओं को भी साधना होगा.

रणनीति और समीकरणों की कसौटी

भाजपा का पूरा फोकस इस बात पर है कि सहानुभूति की लहर को कैसे कमजोर किया जाए और संगठन की ताकत के बल पर चुनाव को कांटे का बनाया जाए. वहीं झामुमो इस विश्वास में है कि परंपरागत वोट बैंक और सहानुभूति दोनों मिलकर सोमेश को जीत दिला देंगे. राजनीतिक समीकरणों की बात करें तो झामुमो के पास ग्रामीण इलाकों का मजबूत आधार है, जबकि भाजपा शहरी वोटरों और संगठनात्मक क्षमता पर भरोसा जता रही है.

झारखंड की राजनीति के लिए महत्वपूर्ण संदेश

यह उपचुनाव केवल एक सीट की लड़ाई नहीं है, बल्कि इसका असर पूरे राज्य की राजनीति पर पड़ेगा. अगर भाजपा इस सीट को जीत लेती है तो यह झामुमो के लिए बड़ा झटका होगा और भाजपा के लिए राज्य में विस्तार की नई राह खोलेगा. दूसरी ओर, अगर झामुमो अपनी सीट बचाने में सफल रहता है तो यह संदेश जाएगा कि पार्टी का जनाधार अडिग है और सहानुभूति की लहर ने उनकी पकड़ और मजबूत कर दी है

कुड़मियों को एसटी में शामिल नहीं किया तो होगी आर्थिक नाकेबंदी: शीतल ओहदार

शुभम संदेश। रांची/नयी दिल्ली

टोटेमिक कुड़मी/कुरमी (महतो) समाज के बैनर तले दिल्ली के जंतर-मंतर में झारखंड, बंगाल व ओडिशा के कुड़मियों ने शनिवार को धरना-प्रदर्शन किया. इसकी अध्यक्षता समाज के अगुआ शीतल ओहदार ने की. इसमें बंगाल के केंद्रीय अध्यक्ष राजेश महतो व ओडिशा आदिवासी कुड़मी सेना के केंद्रीय अध्यक्ष दिव्य सिंह महंता समेत हजारों महिला-पुरुष शामिल हुए.

धरना-प्रदर्शन में कुड़मी जनजाति को एसटी की सूची में शामिल करने और कुड़माली भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में मान्यता देने की मांग उठाई गई. शीतल ओहदार ने कहा, कुड़मियों के साथ पिछले 75 साल से अन्याय हो रहा है. 6 सितंबर 1950 को कॉरपोरेट घरानों के दबाव में हमें जनजातीय अधिकार से वंचित कर पिछड़ी जाति की श्रेणी में डाल दिया गया. जबकि 1901 और 1911 की जनगणना में कुड़मी एबोरिजिनल ट्राइब, 1921 में एनीमिस्ट ट्राइब और 1931 में प्रिमिटिव ट्राइब की श्रेणी में थे. आजादी के बाद हमें सूची से बाहर कर दिया गया क्योंकि हमारे इलाकों की ज़मीन खनिज संपदा से भरपूर है और उस पर पूंजीपतियों की नज़र रही. उन्होंने चेतावनी दी कि यदि केंद्र सरकार ने कुड़मियों को एसटी में शामिल करने की प्रक्रिया तुरंत शुरू नहीं की, तो झारखंड में व्यापक चक्का जाम कर खनिज अयस्कों की आपूर्ति रोक दी जाएगी.

ओडिशा के दिव्य सिंह महंता ने कहा कि सरकार का आदेश एसआरओ 510 (6 सितंबर 1950) व आदेश नं. 2-38-50 पब्लिक (5 अक्टूबर 1950) यह स्पष्ट करता है कि 1931 की जनगणना में प्रिमिटिव ट्राइब में शामिल समुदायों को ही राष्ट्रपति अनुच्छेद 342 के तहत एसटी घोषित कर सकते हैं. इसके बावजूद कुड़मियोंको अब तक अधिकार नहीं दिया गया.

बंगाल आदिवासी कुड़मी समाज के अध्यक्ष राजेश महतो ने अपील की कि सभी कुड़मी अधिकार के प्रति सजग हों और उसी दल को वोट दें जो उनका समर्थन करे. कार्यक्रम में पारंपरिक संस्कृति का प्रदर्शन भी हुआ. महिला-पुरुष अपने पारंपरिक परिधानों में छऊ, झुमर और पैका नृत्य करते नजर आए. धरना को संबोधित करने वालों में अमित महतो, अशोक महतो, सखीचंद महतो, थानेश्वर महतो, राजेंद्र महतो, संजय लाल महतो, राजू महतो, सुषमा महतो, सोमा महतो, सचिया महतो और रामचंद्र महतो शामिल थे.

आईएएस विनय चौबे से जुड़े हजारीबाग मामले में एसीबी ने जमा की केस डायरी

शुभम संदेश। रांची/हजारीबाग

हजारीबाग में उपायुक्त रहते हुए सेवायत भूमि घोटाला करने के आरोपी निलंबित आईएएस विनय चौबे की जमानत याचिका पर हजारीबाग एसीबी कोर्ट में सुनवाई हुई. शनिवार की सुनवाई के दौरान एसीबी की ओर से केस डायरी जमा कर दी, जिसके बाद एसीबी की ओर से पक्ष रख रहे विशेष लोक अभियोजक ने बहस के लिए समय देने का आग्रह किया. जिसे स्वीकार करते हुए कोर्ट ने अगली सुनवाई के लिए 10 सितंबर की तारीख निर्धारित की है. विनय चौबे की ओर से अधिवक्ता शंकर बनर्जी ने बहस की. विनय चौबे ने जिस मामले में हजारीबाग एसीबी कोर्ट से बेल मांगी है, उस मामले में अगस्त महीने में प्राथमिकी दर्ज की गई थी. एसीबी ने इस संबंध में कांड संख्या 9/2025 दर्ज की है. इससे पहले विनय चौबे झारखंड शराब घोटाला मामले में भी आरोपी बनाए गए थे, लेकिन तय समय के अंदर चार्जशीट दाखिल नहीं होने के कारण उन्हें लाभ मिला और उन्हें शराब घोटाला केस में बेल मिल गई.

सीबीएसई ने छात्रों की जानकारी में गलती रोकने के लिए उठाए सख्त कदम

अभिभावक व स्कूल दोनों से प्रमाणित कराए जाएंगे विवरण

शुभम संदेश डेस्क

सीबीएसई बोर्ड ने कक्षा 10वीं और 12वीं के छात्रों की मार्कशीट व पास सर्टिफिकेट में गलतियों को रोकने के लिए सख्त दिशानिर्देश जारी किए हैं. बोर्ड ने स्कूलों को निर्देश दिया है कि छात्रों का नाम, जन्मतिथि और अन्य व्यक्तिगत विवरण हर स्तर पर सही तरीके से दर्ज और सत्यापित किए जाएं. छात्रों की जानकारी को स्कूल के रिकॉर्ड जैसे प्रवेश पत्र, छात्र रजिस्टर और प्रवेश-निकासी रजिस्टर में सही होना अनिवार्य किया गया है. साथ ही ट्रांसफर सर्टिफिकेट में भी जानकारी का सटीक दर्ज होना जरूरी होगा. कक्षा 9 में पंजीकरण के समय से ही छात्र की जानकारी अभिभावकों और स्कूल दोनों से प्रमाणित कराई जाएगी.

कक्षा 9 में पंजीकरण के समय से ही छात्र की जानकारी

सुधार की सुविधा और प्रक्रिया : सीबीएसई ने पंजीकरण के बाद और एलओसी (कैंडिडेट्स की सूची) जमा करने से पहले भी सुधार की सुविधा दी है. इस दौरान स्कूल पंजीकरण कार्ड डाउनलोड कर छात्रों को देंगे ताकि वे अपनी जानकारी जांच सकें. अभिभावकों से भी विवरण की पुष्टि कराई जाएगी. एलओसी जमा होने के बाद भी एक सुधार विंडो खोली जाती है, ताकि कोई गलती हो तो उसे ठीक किया जा सके.

आवेदन में होने वाली आम गलतियां

बोर्ड ने यह भी बताया कि स्कूलों द्वारा सुधार के लिए भेजे गए अनुरोध अक्सर अधूरे या गलत होते हैं. कई बार जरूरी दस्तावेज नहीं लगाए जाते या बदले हुए दस्तावेज भेजे जाते हैं. बोर्ड की ओर से मांगी गई जानकारी का जवाब भी नहीं दिया जाता, जिससे सुधार प्रक्रिया में देरी होती है.

एडमिट कार्ड और प्रमाण पत्र में डबल चेकिंग अनिवार्य

परीक्षा से पहले छात्रों को एडमिट कार्ड जारी किए जाएंगे, जिसमें छात्रों, अभिभावकों और स्कूल प्रमुख तीनों से जानकारी की पुष्टि कराई जाएगी. परिणाम जारी होने के बाद भी प्रमाण पत्र देने से पहले जानकारी की दोबारा पुष्टि की जाएगी. बावजूद इसके, कई स्कूल परीक्षा परिणाम से पहले ही सुधार के लिए बोर्ड को अनुरोध भेजते हैं ताकि छात्रों को किसी भी तरह की परेशानी न हो.

जयराम महतो की तबीयत बिगड़ी, 5 दिन तक सभी कार्यक्रम स्थगित किए

रांची। डुमरी विधायक जयराम महतो की तबीयत अचानक बिगड़ गई है. लगातार दौरे और व्यस्त कार्यक्रमों के चलते उनकी सेहत पर असर पड़ा, जिसके बाद डॉक्टरों ने उन्हें पांच दिन तक पूर्ण आराम की सलाह दी है. विधायक ने स्वयं सोशल मीडिया पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि शुक्रवार शाम अचानक तबीयत खराब हो गई, जिसके चलते वे अगले चार से पांच दिन किसी भी सार्वजनिक कार्यक्रम में भाग नहीं ले पाएंगे.उन्होंने लिखा, "डॉक्टर ने मुझे आराम की सलाह दी है. फिलहाल आपके प्यार और आशीर्वाद से बेहतर महसूस कर रहा हूं, लेकिन आगामी सभी कार्यक्रम स्थगित रहेंगे. किसी भी समस्या के लिए पार्टी के जिलाध्यक्ष या प्रत्याशी से संपर्क करें. असुविधा के लिए खेद है. संघर्ष जारी है."

जीएसटी दरों में कटौती से आम जनता को लाभ : रघुवर

शुभम संदेश। रांची/जमशेदपुर

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता रघुवर दास ने कहा कि भाजपा सकारात्मक और जिम्मेदार विपक्ष की भूमिका निभा रही है तथा जनता के मुद्दों को मजबूती से उठा रही है. उन्होंने लोगों से भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज बुलंद करने और जरूरत पड़ने पर सड़क पर उतरने का आह्वान किया. दास ने विश्वास जताया कि घाटशिला की जनता सब देख रही है और आने वाले विधानसभा चुनाव में इसका करारा जवाब देगी. वे शनिवार को जमशेदपुर में मीडिया से बात कर रहे थे.

पूर्व सीएम दास ने केंद्र सरकार की जीएसटी दरों में कटौती के फैसले का स्वागत किया और कहा कि इससे आम जनता और व्यापारियों दोनों को बड़ी राहत मिलेगी. दास के अनुसार, इससे महंगाई कम होगी, बाजार में मांग बढ़ेगी और उत्पादन और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे.

उन्होंने राज्य की हेमंत सोरेन सरकार पर जमकर निशाना साधा. कहा कि सरकार पूरी तरह से कमीशनखोरी में लिप्त है. दास ने आरोप लगाया कि शराब, कोयला, बालू और पत्थर खनन जैसे विभिन्न सिंडीकेट सरकारी संरक्षण में खुलेआम फल-फूल रहे हैं और भ्रष्टाचार को सरकार खुद बढ़ावा दे रही है.

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, रविवार 07 सितंबर 2025 I भाद्रपद पूर्णिमा, संवत 2082 I रांची एवं पटना से प्रकाशित I वर्ष : 3, अंक : 151 I मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

हजारीबाग : हाथी के हमले से एक की मौत, मिला मुआवजा

हजारीबाग। जिले के भुरकुंडा टोला निवासी 62 वर्षीय बाबूराम मांझी का शव बुधवार, 3 सितंबर को जंगल में खुखड़ी चुनने के दौरान लापता हो गए थे. शुक्रवार को स्थानीय ग्रामीण जब मवेशी चराने जंगल पहुंचे, तो उन्होंने बाबूराम मांझी का शव क्षत-विक्षत अवस्था में देखा. इसके बाद तुरंत वन विभाग को सूचित किया गया. सूचना मिलने के बाद मांडू वन प्रक्षेत्र की टीम मौके पर पहुंची और शव की स्थिति का जायजा लिया. वन विभाग ने पुष्टि की कि बुधवार को ही हाथियों के एक झुंड ने बाबूराम मांझी पर हमला कर उनकी जान ले ली थी. इसके बाद, वन विभाग ने उसी रात हाथियों के झुंड को झुमरा पहाड़ की ओर खदेड़ दिया था. इस घटना के बाद, वन विभाग ने मृतक के परिजनों को तत्काल 10,000 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की. इसके अलावा, शेष 3,90,000 रुपये की राशि कागजी प्रक्रिया पूरी होने के बाद उन्हें दी जाएगी.

हेमंत सोरेन बंगाल गए, कोलकाता के मेयर व डीजीपी से मुलाकात कर लौटे

रांची। सीएम हेमंत सोरेन पश्चिम बंगाल के दौरे पर हैं. उन्होंने शनिवार को कोलकाता में पश्चिम बंगाल सरकार में मंत्री एवं कोलकाता के महापौर (मेयर) फिरहाद हकीम ने मुलाकात की. इसके बाद सीएम ने कोलकाता में ही पश्चिम बंगाल के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कुमार ने की मुलाकात. सीएमओ ने इन दोनों मुलाकातों को शिष्टाचार भेंटवार्ता बताया है.

ब्रीफ न्यूज

पत्नी को मारा, फिर सास-ससुर को चाकू घोंपा, खुद दे दी जान

गोड्डा। जिले के पोड़ैयाहाट थाना क्षेत्र के लाठीबाड़ी गांव में शुक्रवार की देर शाम 32 वर्षीय राजेंद्र पंडित नामक एक युवक ने अपनी पत्नी ललिता देवी की गला रेत कर हत्या कर दी, फिर सास-ससुर को चाकू मारकर घायल कर दिया. बाद में अपने घर से कुछ दूर एक पेड़ पर फंदे से झूलकर राजेंद्र पंडित ने खुद को भी समाप्त कर लिया. पारिवारिक विवाद की इस वीभत्स घटना में दो मासूम अनाथ हो गए. ललिता देवी का दुधमुंहा बच्चा सदर अस्पताल में घायल नानी की गोद में सिसक रहा है. घटना के संबंध में बताया जाता है कि राजेंद्र पंडित दूसरे प्रदेश में रहकर दिहाड़ी मजदूरी करता था. उसकी शादी लाठीबाड़ी गांव में ही रामदेव पंडित की पुत्री ललिता देवी के साथ सात- आठ साल पूर्व हुई थी. दोनों को दो बच्चा भी है. एक बच्चा तो मात्र एक माह का है. पति और पत्नी में विवाद बीते दो साल से चल रहा था. कुछ दिन पहले राजेंद्र पंडित अपने घर आया था. वह लाठीबाड़ी स्थित अपने ससुराल गया जहां उनकी पत्नी ललिता अपने माता-पिता के साथ रह रही थी. ससुराल पहुंच कर राजेंद्र पंडित ने किसी बात पर गुस्से में आकर अपनी पत्नी की गला रेत दी. बचाव को आए ससुर रामदेव पंडित और सास बिजली देवी को भी राजेंद्र ने चाकू से वार कर बुरी तरह घायल कर दिया.

रामकनाली हादसे में आधा दर्जन शव बरामद

- आउट सोर्सिंग कंपनी की सर्विस वैन गहरे खदान में गिरी थी
- आधा दर्जन कर्मी वैन में थे सवार, सभी की हो गई मौत
- एनडीआरएफ ने चलाया रेस्क्यू अभियान, सभी शव बरामद हुए
- आउटसोर्सिंग कंपनी प्रबंधन, बीसीसीएल, यूनियन नेताओं और मृतक के आश्रितों के बीच वार्ता

शुभम संदेश। कतरास (धनबाद)

रामकनाली के बीसीसीएल एरिया 4 अंतर्गत एकेडब्ल्यूएमसी के कांटा पहाड़ी में संचालित मां अंब आउटसोर्सिंग में शुक्रवार को वैन समेत आधा दर्जन कर्मियों के गहरे पानी में गिरने की घटना के बाद एनडीआरएफ ने शनिवार सुबह युद्धस्तर पर रेस्क्यू आपरेशन चलाया. आपरेशन के दौरान सुबह 11:50 बजे एनडीआरएफ को पहली सफलता मिली, जब उन्होंने गहरे पानी से वैन के ड्राइवर ग्यासुर दास का शव बरामद कर लिया. इसके बाद तीन शव बरामद कर लिए गए.

मालूम हो कि आउटसोर्सिंग परियोजना की सर्विस वैन खदान के गहरे पानी में जा गिरी थी. वैन में सवार छह लोगों की गहरे पानी में डूबकर मौत हो गई थी. शुक्रवार को तीन शवों को बरामद किया गया था, जबकि शनिवार को तीन अन्य शव भी मिले. हादसे के बाद आउट सोर्सिंग प्रबंधन के अधिकारी प्रोजेक्ट एरिया से गायब हो गए. इससे यूनियन नेताओं में आक्रोश देखा गया. हालांकि बाद में प्रबंधन के लोग पुलिस के दबाव में पहुंचे. एरिया आफिस में देर रात तक दोनों पक्षों में वार्ता चली, वार्ता में प्रबंधन के साथ मृतकों के आश्रित भी शामिल थे. यूनियन नेताओं ने मजदूरों की बायोमैट्रिक हाजिरी नहीं होने पर नाराजगी जताई. नेताओं का कहना है कि प्रबंधन मरने वालों से पल्ला झाड़ना चाह रही है. शनिवार को 9 बजे रांची से पहुंची एनडीआरएफ ने रेस्क्यू अभियान की कमान संभाली. टीम का नेतृत्व कौशल कुमार कर रहे हैं, जबकि एनडीआरएफ कमांडेंट सुनील सिंह खुद मॉनिटरिंग कर रहे. कमांडेंट सुनील सिंह ने बताया कि पानी में गाड़ी का एक हिस्सा दिखाई दे रहा है. साथ ही कुछ ऑब्जेक्ट भी नजर आए हैं, जिन्हें टीम ने संभावित शव मानकर रेस्क्यू करना शुरू कर दिया. इस टीम में 30 लोग शामिल हैं. टीम के डीप डाइवर खदान के पानी में उतरकर तलाशी अभियान चलाने लगे. साथ ही बीसीसीएल की धनसार माइंस रेस्क्यू टीम भी मौके पर पहुंची, लेकिन पानी में उतरने की तकनीकी क्षमता नहीं होने के कारण वे आपरेशन में सहयोगी भूमिका निभाने लगी. कमांडेंट सुनील सिंह ने बताया कि खदान 300 फीट गहरी है, जिसमें उतर कर बेहतर रेस्क्यू को अंजाम देने के लिए एनडीआरएफ पारंगत है. इस हादसे के बाद पुलिस ने पहले ही तीन शवों को बरामद करने का दावा किया. अंगारपथरा ओपी प्रभारी के अनुसार, जिन शवों की पहचान हुई, उनमें अमन, स्वरूप गोप और अमित शामिल थे. इन सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया. हादसे वाली सर्विस वैन को मुनीडीह से आए गोताखोरों की मदद से बाहर निकाल लिया गया था. शनिवार को चालक ग्यासुर का शव बरामद किया गया.

इनकी हुई मौत : रुपक महथा (मैकेनिक), राहुल रवानी (फिटर), स्वरूप गोप (हेल्पर), अमन कुमार सिंह (फिटर), अमित बगल (फिटर), ग्यासुर दास (चालक).

लाशों को छिपा रहा है कंपनी प्रबंधन : भौमिक महतो

धनबाद। धनबाद कोलियरी कर्मचारी संघ (बीएमएस) के संयुक्त महामंत्री सह सेफ्टी बोर्ड मेंबर एरिया 4 भौमिक महतो ने कहा है कि इस हादसे में सात लोगों की मौत हुई है. इनमें अधिकांश मृतक स्थानीय नहीं है. आउट सोर्सिंग प्रबंधन इसी बात का फायदा उठा रहा है. प्रबंधन ने नियम के खिलाफ स्थानीय लोगों के बजाय बाहर के लोगों को नौकरी पर रखा और अब उनकी मौत होने के बाद भी बेईमानी कर रहा है. ताकि कंपनी को मुआवजा देना नहीं पड़े. उन्होंने कहा कि प्रबंधन को सेफ्टी और सिक्यूरिटी देना है, लेकिन मां अंबे आउट सोर्सिंग इन दोनों मुद्दों पर पूरी तरह फेल है. ऐसी कंपनियों के खिलाफ विधि सम्मत कार्रवाई होनी चाहिए और मृतकों को उचित मुआवजा भी मिलना चाहिए.

अमन के परिजन धरने पर बैठे, 20 लाख मुआवजा तय

मुड़ना निवासी अमन सिंह का पोस्टमार्टम होने के बाद परिजन शव को लेकर आउटसोर्सिंग कंपनी के गेट के मुख्य द्वार के समीप रखकर नियोजन व मुआवजे की मांग को लेकर धरने पर बैठ गए. फिलहाल आउटसोर्सिंग कंपनी के किसी भी अधिकारी मौजूद नहीं थे. परिजनों की मांग है कि नियोजन व उचित मुआवजा दे अन्यथा हमलोग कंपनी गेट के पास ही धरना पर बैठे रहेंगे. परिजनों ने आरोप लगाते हुए कहा कि आउटसोर्सिंग के घोर लापरवाही के कारण ही मजदूरों की मौत हुई है और घटना के बावजूद भी कंपनी प्रबंधक मौन है. कंपनी के अधिकारियों पर हत्या का मुकदमा दर्ज होना चाहिए. इधर शाम चार बजे के आसपास जनप्रतिनिधियों व यूनियन प्रतिनिधियों के पहल पर मृतक के परिजनों को क्षेत्र कार्यालय वार्ता के लिए बुलाया गया. जहां पुलिस के मौजूदगी में मृतक के परिजन आउटसोर्सिंग व बीसीसीएल प्रबंधक के बीच वार्ता में बीस लाख रुपये मुआवजा देने पर सहमति बनी, साथ ही तत्काल दस हजार रुपये भी दिए जाएंगे.

गढ़वा: सड़क पर युवक-युवती के शव मिले, मौके से पिस्टल-चाकू भी बरामद

शुभम संदेश। गढ़वा

जिले के शाहपुर मार्ग पर परसाहा मोड़ के पास शनिवार को युवक और युवती के शव मिले हैं. मौके से एक पिस्टल और चाकू भी बरामद किए गए हैं. शव मिलने की खबर से इलाके में सनसनी फैल गई है.

थाने आकर परिजनों ने की दोनों की पहचान : इधर सूचना पाकर पुलिस ने मौके पर पहुंची और दोनों शवों की शिनाख्त करने की कोशिश की. लेकिन आसपास के लोग उन्हें पहचान नहीं पाए. इसके बाद पुलिस दोनों शवों को गढ़वा थाने ले आई. हालांकि कुछ घंटों बाद युवती के परिवार वालों ने थाने पहुंचकर उनकी पहचान की. मृतक युवक की पहचान पलामू जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र के सेमरटांड गांव निवासी सुमित कुमार के रूप में हुई है. जबकि युवती की पहचान पांकी थाना क्षेत्र के सगालिम गांव की कृति कुमारी के रूप में की गई है. युवती के परिवार वालों ने बताया कि कृति ने खुद उन्हें फोन कर जानकारी दी थी कि सुमित ने उसे चाकू मार दिया है और खुद को गोली मार ली है. इस जानकारी के बाद परिवार वाले दोनों की तलाश में निकले थे. इस घटना की वजह प्रेम प्रसंग को बताया जा रहा है, हालांकि पुलिस मामले की जांच कर रही है.

रांची समेत पूरे झारखंड में भारी बारिश का अलर्ट!

रांची। मौसम विज्ञान केंद्र, रांची के अनुसार, झारखंड के विभिन्न जिलों में अगले पांच दिनों तक मौसम बदला-बदला रहेगा. राज्य के कई हिस्सों में गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई गई है. खासकर रांची, बोकारो, हजारीबाग, धनबाद, रामगढ़ और लोहरदगा में बादल छाए रहने और बारिश की संभावना बनी हुई है.

बारिश के आसार और तेज हवाओं की चेतावनी : मौसम विभाग ने 6 सितंबर को राज्य के कई हिस्सों में गरज-चमक के साथ तेज हवाएं चलने की चेतावनी दी है. हवाओं की गति 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है. नागरिकों को खुले स्थानों और पेड़ों के नीचे खड़े होने से बचने की सलाह दी गई है.

तापमान में हल्का बदलाव संभव : पिछले 24 घंटे में रांची का अधिकतम तापमान 28.1 डिग्री और न्यूनतम तापमान 24.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले दो दिनों में अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री तक की वृद्धि हो सकती है. रांची, रामगढ़, हजारीबाग, बोकारो और खूंटी में अधिकतम तापमान 29 से 33 डिग्री, जबकि न्यूनतम तापमान 22 से 24 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है.

गुमला में दर्दनाक सड़क हादसा

पिकअप वैन की टक्कर से छात्र की मौत, दूसरा घायल

शुभम संदेश। गुमला

जिले से एक बेहद दुखद हादसे की खबर सामने आई है. शनिवार सुबह गुमला-रांची एनएच-23 पर नवाटोली नहर के पास एक तेज़ रफ्तार पिकअप वैन ने दो छात्रों को टक्कर मार दी. इस हादसे में एक छात्र की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया.

मदरसे से भागकर गांव लौट रहे थे छात्र : जानकारी के मुताबिक, दोनों छात्र गुमला के हटू स्थित मदरसे में पढ़ते थे और शनिवार सुबह अपने गांव सुपा लौट रहे थे. करीब सुबह 7:30 बजे, नवाटोली नहर के पास हाईवे पार करते वक्त वे तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आ गए.

एक की मौके पर मौत, दूसरा गंभीर हादसे में एक छात्र फरहान मिर्दाहा की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा छात्र मुरसिल गंभीर रूप से घायल हो गया. घायल मुरसिल को प्राथमिक इलाज के बाद रांची के जसलोक अस्पताल रेफर किया गया है.

ग्रामीणों का विरोध मुआवजे की मांग

घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय ग्रामीण मौके पर जमा हो गए और भरनो चौक पर एनएच-23 को जाम कर दिया. लोगों ने मृतक के परिवार को उचित मुआवजा देने की मांग की. मामले में भरनो थाना प्रभारी कंचन प्रजापति ने बताया कि पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर लोगों को समझाया और जांच प्रक्रिया शुरू कर दी है. पुलिस वाहन की पहचान और ड्राइवर की तलाश कर रही है.

सेवा पखवाड़ा को लेकर भाजपा की जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित

शुभम संदेश। चाईबासा

पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा) जिला में शनिवार को भारतीय जनता पार्टी द्वारा कार्यालय में "सेवा पखवाड़ा" को लेकर एक जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया. इस कार्यशाला की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष संजु पांडेय ने की. कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश महामंत्री सह राज्यसभा सांसद आदित्य साहू, पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा, पूर्व सांसद गीता कोड़ा, प्रदेश उपाध्यक्ष बड़कुंवर गागराई, प्रदेश मंत्री मनोज कुमार महतो, नन्द जी प्रसाद, वरिष्ठ नेता जे.बी. तुबीद, शैलेन्द्र सिंह, अशोक सारंगी सहित कई वरिष्ठ नेता एवं पदाधिकारी शामिल हुए.

इस कार्यशाला में "सेवा पखवाड़ा" अभियान (17 सितंबर – 2 अक्टूबर 2025) के दौरान आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की गई, जिनमें प्रमुख रूप से स्वच्छता अभियान, स्वास्थ्य शिविर, रक्तदान, पौधारोपण, जनजागरूकता अभियान और जरूरतमंदों की सहायता जैसे कार्यक्रम शामिल हैं.

प्रदेश महामंत्री आदित्य साहू ने कहा, ₹सेवा ही संगठन का मूल मंत्र है. यह अभियान समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का एक मजबूत माध्यम बनेगा.₹

पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा ने कहा, जनसेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं होता. यह अभियान भाजपा की संवेदनशीलता और कार्यशैली को जनता के सामने प्रस्तुत करेगा. पूर्व सांसद गीता कोड़ा ने कहा, सेवा पखवाड़ा केवल कार्यक्रम नहीं, समाज के प्रति एक गंभीर संकल्प है. विशेषकर महिलाओं और गरीब वर्ग तक पहुँच बनाना हमारी जिम्मेदारी है. प्रदेश उपाध्यक्ष बड़कुंवर गागराई ने कहा कि भाजपा सेवा और समर्पण की राजनीति करती है, और इस अभियान से संगठन और अधिक मजबूत होगा. इसके अलावा जिलाध्यक्ष संजु पांडेय सहित अन्य ने कार्यशाला को संबोधित किया. इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष सतीश पुरी, मनीष राम, दुर्गावती वोयपाई, बबलू शर्मा, तीरथ जामुदा, पवन शर्मा, हेमंत केसरी, रामानुज शर्मा, मालती गिलुवा, नीला नाग, मनोज लियांगी, रंजन प्रसाद, मुकेश कुमार, जूली खत्री, सनी पासवान समेत सैकड़ों कार्यकर्ता व पदाधिकारी उपस्थित रहे.

शराबी पति से परेशान पत्नी ने की हत्या, घर में ही गाड़ा शव, सनसनी

शुभम संदेश। धनबाद

जिले के टुंडी थाना क्षेत्र के बरवाटांड़ पंचायत के तिलैयटांड़ गांव में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है. गांव की एक महिला ने शराबखोरी और रोजाना होने वाले झगड़े से तंग आकर अपने पति की हत्या कर उसके शव को घर में ही दफना दिया. पुलिस ने महिला को गिरफ्तार कर लिया है और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है.

कैसे हुआ मामले का खुलासा : गांव के 45 वर्षीय सुरेश हांसदा की चाची का 15 दिन पहले निधन हुआ था. आठ दिन पहले उनका दशकर्म (श्राद्ध) हुआ, लेकिन सुरेश इसमें शामिल नहीं हुआ. वह कई दिनों से गांव में दिखाई भी नहीं दे रहा था. इससे ग्रामीणों को संदेह हुआ. जब पत्नी सुरजी मंझियाइन से पूछताछ की गई तो उसने कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया. उधर, घर से तेज दुर्गंध आने लगी. ग्रामीणों ने साहस दिखाते हुए घर के अंदर झांका तो संदेह और गहरा गया. उन्होंने तुरंत टुंडी पुलिस को सूचना दी.

पुलिस जांच और कबूलनामा : सूचना पर थानेदार उमाशंकर महिला-पुरुष बल के साथ मौके पर पहुंचे. तलाशी में पाया गया कि सुरेश हांसदा का शव घर के अंदर मिट्टी में दबाया गया है. पूछताछ में पत्नी ने स्वीकार किया कि उसने करीब 10 दिन पहले कुल्हाड़ी से वार कर पति की हत्या कर शव को घर में गाड़ दिया था.

हत्या का कारण : पुलिस को दिए बयान में महिला ने बताया कि उसका पति रोजाना शराब पीकर गाली-गलौज और मारपीट करता था. इससे तंग आकर उसने हत्या कर दी. गांव में यह भी चर्चा है कि महिला को पति पर अवैध संबंध का शक था, जिसके कारण दंपती के बीच लगातार विवाद होता था.

पुलिस की कार्रवाई: पुलिस ने शव को बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और महिला को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है. गांव में घटना से सनसनी फैल गई है.

चतरा : शिक्षकों के समर्पण और ग्रामीणों के सहयोग से गांव का विद्यालय सुधरा

प्राइवेट स्कूल की तरह शिक्षा व्यवस्था हो गई हाईटेक

शुभम संदेश। चतरा

आमतौर पर सरकारी विद्यालयों का नाम सुनते ही बदहाली और कुव्यवस्था की छवि सामने आती है. लेकिन चतरा जिले के टंडवा प्रखंड के नक्सल प्रभावित क्षेत्र में स्थित उत्क्रमित उच्च विद्यालय हेसातू ने इस धारणा को पूरी तरह बदल दिया है. विद्यालय को न सिर्फ खास पहचान मिली है, बल्कि इसे जिले में मॉडल स्कूल के तौर पर भी जाना जाता है. विद्यालय के रखरखाव और देखरेख को मॉडल स्कूल की तरह किया जाता है, वहीं शिक्षा व्यवस्था भी पूरी तरह हाईटेक है. जिले में सैकड़ों विद्यालय संचालित हैं, लेकिन हेसातू विद्यालय की पहचान अलग है. यहां गार्डेन,

स्मार्ट क्लासेस, कंप्यूटर क्लास और स्वच्छता जैसी व्यवस्थाएं किसी बड़े प्राइवेट स्कूल की याद दिलाती हैं. विद्यालय की इस नई तस्वीर के पीछे शिक्षक विनेश्वर कुमार का बड़ा योगदान है. जब वर्ष 2002 में उनकी पोस्टिंग इस विद्यालय में हुई थी, तब यह एक साल से बंद पड़ा था. जंगलों और पहाड़ों के बीच बसे इस गांव में न सड़क थी, न ही शिक्षकों की रुचि. इलाके में नक्सलियों की गतिविधियों के चलते कोई भी शिक्षक यहां आना नहीं चाहता था.

शिक्षक विनेश्वर कुमार ने ग्रामीणों के साथ मिलकर शिक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने का काम शुरू किया. ग्रामीणों ने भी उनका पूरा सहयोग किया. धीरे-धीरे विद्यालय की शिक्षा व्यवस्था और आधारभूत ढांचा सुधरता गया. आज परिणाम यह है कि विद्यालय में पहली से दसवीं कक्षा तक 600 से अधिक छात्र नामांकित हैं. बच्चों को हाईटेक तरीके से पढ़ाया जाता है. विद्यालय के बच्चे बताते हैं कि उन्हें ऐसा महसूस होता है जैसे वे किसी बड़े प्राइवेट विद्यालय में पढ़ रहे हों. स्मार्ट बोर्ड और कंप्यूटर क्लासेस के माध्यम से विषयों को आसानी से समझाया जाता है. हालांकि, विद्यालय में दो विषयों के शिक्षकों की कमी है, जिसे लेकर बच्चे सरकार और जिला प्रशासन से मांग कर रहे हैं.

विद्यालय के प्रधानाध्यापक दासो राणा बताते हैं कि इस स्कूल को इस मुकाम तक पहुंचाने में कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ा है. वर्ष 2022 में राज्य के शिक्षा सचिव ने शिक्षक विनेश्वर कुमार को उनके योगदान के लिए सम्मानित करते हुए एक लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि दी थी. इस राशि से विद्यालय में खेल मैदान का निर्माण कराया जा रहा है. बहरहाल, शिक्षक के समर्पण और ग्रामीणों के सहयोग से नक्सल प्रभावित क्षेत्र का यह विद्यालय आज मॉडल स्कूल बन चुका है. अब जरूरत है कि सरकार भी इस प्रयास को सराहते हुए विद्यालय के रखरखाव और विकास में सहयोग करे, ताकि सरकारी विद्यालयों को लेकर लोगों की सोच बदली जा सके और बच्चों को बेहतर शिक्षा मिल सके.

केंद्र का झारखंड के साथ सौतेला व्यवहार, कृषि मंत्री शिल्पी बोलीं

यूरिया संकट के लिए केंद्र जिम्मेवार

शुभम संदेश। धनबाद

झारखंड की कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने शुक्रवार देर शाम धनबाद परिसदन में आयोजित एक प्रेस वार्ता में केंद्र सरकार पर झारखंड के प्रति सौतेला व्यवहार करने का आरोप लगाया. वह धनबाद में संगठन सृजन अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने पहुंची थीं. मंत्री तिर्की ने कहा कि किसी भी मामले में केंद्र सरकार से अपेक्षित सहयोग नहीं मिल रहा है. उन्होंने बताया कि हाल ही में हुई जीएसटी परिषद की बैठक में झारखंड की समस्याएं उठाई गईं, लेकिन कोई ठोस समाधान नहीं मिला.

यूरिया संकट के लिए केंद्र जिम्मेदार : राज्य में चल रहे यूरिया संकट को लेकर कृषि मंत्री ने केंद्र को जिम्मेदार ठहराया. उन्होंने कहा कि इस वर्ष झारखंड में अच्छी बारिश हुई

है और खेती का रकबा भी बढ़ा है. लेकिन किसानों को अपेक्षित मात्रा में यूरिया नहीं मिल रहा है. उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य को जितनी यूरिया मिलनी चाहिए थी, उससे कम मात्रा में यूरिया आवंटित किया है, जिससे किसानों को खासी परेशानी हो रही है.

भारत-पाकिस्तान-चीन संबंधों का पड़ रहा है असर : शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि यूरिया का आयात पाकिस्तान और चीन से होता है और इन देशों के साथ भारत के तनावपूर्ण रिश्तों का असर देश की खाद आपूर्ति पर पड़ रहा है. उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी की कही हर बात सही साबित हो रही है. लेकिन केंद्र सरकार झारखंड के साथ सहयोग करने से पीछे हट रही है.

विस्थापन आयोग का गठन राज्य सरकार की उपलब्धि

प्रेस वार्ता में मंत्री ने हाल ही में हुई राज्य कैबिनेट बैठक के एक अहम निर्णय का भी उल्लेख किया. उन्होंने बताया कि झारखंड सरकार ने विस्थापन आयोग गठन का निर्णय लिया है, जो वर्षों से लंबित विस्थापित परिवारों की मांग को पूरा करने की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है. उन्होंने कहा कि आयोग जल्द काम शुरू करेगा और विस्थापितों को न्याय दिलाने की दिशा में यह एक ठोस कदम साबित होगा.

रांची नगर निगम का बड़ा फैसला

बड़े बकायेदारों के बैंक खाते होंगे फ्रीज, जारी होंगे बॉडी वारंट

शुभम संदेश।रांची

रांची नगर निगम ने शहर के बड़े कर बकायेदारों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है. शनिवार को अपर प्रशासक संजय कुमार की अध्यक्षता में हुई महत्वपूर्ण बैठक में साफ कहा गया कि अब राजस्व वसूली में किसी भी तरह की ढिलाई बर्दाश्त नहीं होगी. अपर प्रशासक ने निर्देश दिया कि निगम की वित्तीय मजबूती और बेहतर नागरिक सुविधाओं के लिए कर वसूली सर्वोच्च प्राथमिकता है. उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट कर दिया कि अगर बकायेदारों ने जल्द भुगतान नहीं किया तो उनके बैंक खाते फ्रीज किये जायेंगे और बॉडी वारंट जारी कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी.

बैठक में लिये गये बड़े फैसले

झारखंड नगरपालिका अधिनियम 2011 की धारा 184 के तहत बड़े बकाएदारों पर कठोर कार्रवाई होगी.

बार-बार नोटिस के बाद भी भुगतान न करने वालों को 48 घंटे

के भीतर अंतिम नोटिस दिया जाएगा. बीआईटी लालपुर, कुमार गर्ल्स हॉस्टल, मदन सेन, अंबिका एंड कंपनी, त्रिवेणी राम, निशा शर्मा, शांति देवी, सोनामति देवी, डीएसए प्रोजेक्ट राजेश कुमार वाल्मीकि समेत अन्य बकाएदारों को विशेष नोटिस भेजकर उनके खाते फ्रीज करने की तैयारी. निगम की सेवाएं जैसे जलापूर्ति, कूड़ा उठाव, प्रकाश व्यवस्था बकाया राशि जमा होने तक बंद कर दी जाएगी. सभी कर संग्रहकर्ताओं को एक सप्ताह के भीतर अपना लक्ष्य पूरा करना होगा. वसूली प्रक्रिया में ऑनलाइन भुगतान और डिजिटल मॉनिटरिंग को प्राथमिकता दी जाएगी., प्रतिदिन की वसूली रिपोर्ट अपर प्रशासक को सौंपी जाएगी.

एक नजर

नाव की थीम पर बनेगा हटिया स्टेशन दुर्गा पूजा समिति का पंडाल, तैयारियां शुरू

रांची। राजधानी रांची स्थित हटिया स्टेशन दुर्गा पूजा समिति के सदस्यों ने शनिवार को वैदिक मंत्रोच्चार और पूजा-अर्चना के बीच भूमि पूजन करके पंडाल निर्माण कार्य शुरू किया। यह समिति की ओर से आयोजित 61वीं दुर्गा पूजा है. इस मौके पर मुख्य रूप से समिति के सचिव इंदरजीत सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष अरुण बाउरी और रजनीश सिंह, कोषाध्यक्ष सोमनाथ बाउरी सहित कई पदाधिकारी और स्थानीय श्रद्धालु मौजूद थे. समिति की ओर से बताया गया इस बार पूजा पंडाल का स्वरूप पूरी तरह से नाव की थीम पर आधारित होगा, जो श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा. इसी दौरान, पूजा समिति का पुनर्गठन किया गया. समिति के नवनिर्वाचित अध्यक्ष नंदन यादव ने कहा कि हटिया स्टेशन दुर्गा पूजा राजधानी रांची का एक ऐतिहासिक पर्व है, जिसे हर साल सामाजिक एकता और भव्यता के साथ मनाया जाता है.

रांची के सदर अस्पताल कैंपस से 40वें नेत्रदान पखवाड़ा के तहत जागरूकता रैली निकली

रांची। रांची के सदर अस्पताल से 40वें राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा (25 अगस्त से 8 सितंबर 2025) के अवसर पर शनिवार को जागरूकता रैली निकाली गई. इस रैली का मुख्य उद्देश्य लोगों को नेत्रदान के महत्व के बारे में जागरूक करना और उन्हें नेत्रदान के लिए प्रेरित करना था. जागरूकता रैली में सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार, डीपीएम प्रवीण सिंह, अन्य चिकित्सक, अस्पताल प्रबंधक, अंधापन निवारण समिति के सदस्य, एएनएम स्कूल की छात्राएं, स्वास्थ्यकर्मी और अन्य अस्पताल कर्मी शामिल हुए. सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार ने इस मौके पर कहा कि आंखें हमारे शरीर का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं. जो लोग अपनी आंखों की रोशनी खो देते हैं उनके लिए नेत्रदान किसी वरदान से कम नहीं है. उन्होंने लोगों से अपील की कि सभी को इस नेक कार्य में आगे आना चाहिए. उन्होंने कहा कि मृत्यु के छह घंटे के भीतर कोई भी व्यक्ति नेत्रदान कर सकता है. उम्र या लिंग की कोई बाधा नहीं है और कोई भी व्यक्ति अपनी आंखें प्रत्यारोपण के लिए दान कर सकता है. नेत्रदान पखवाड़ा के अंतर्गत सिविल सर्जन कार्यालय सभागार में कार्यशाला का भी आयोजन किया गया, जिसमें शामिल वक्ताओं ने बताया कि नेत्रदान अंधापन से पीड़ित लोगों को दृष्टि वापस दिलाता है और उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाता है.

विधायक सुरेश कुमार बैठा ने दिलाया भरोसा: रिम्स से हटाए गए फुटपाथ दुकानदारों को मिलेगा न्याय

रांची। रिम्स फुटपाथ दुकानदार संघ के प्रतिनिधिमंडल ने रांची महानगर कांग्रेस कमेटी अनुसूचित जाति विभाग के चेयरमैन राजू राम के नेतृत्व में कांके विधायक सुरेश कुमार बैठा से उनके आवास पर मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा.ज्ञापन के माध्यम से दुकानदारों ने पुनः दुकान लगाने की अनुमति देने की मांग रखी. इस पर विधायक बैठा ने आश्वस्त किया कि किसी का भी रोजगार नहीं छीना जाएगा और सभी को फिर से दुकान लगाने का अवसर मिलेगा. उन्होंने बताया कि इस मुद्दे पर उन्होंने रिम्स निदेशक, नगर आयुक्त और बरियातू थाना के वरिष्ठ अधिकारियों से बातचीत की है और आने वाली जीबी मीटिंग में इसे प्रमुखता से उठाया जाएगा.इस दौरान फुटपाथ दुकानदार संघ के प्रमुख सदस्य जिम्मी कुमार यादव, गोपाल प्रसाद सिन्हा, बेबी तिर्की, विनोद मिंज, कैलाश गुप्ता, सुधीर झा, ईश्वर साहू, लक्ष्मी देवी, रूपा खलखो, राजू महतो, राहुल गुप्ता, संजय गुप्ता, प्रमोद गुप्ता, रोशन कुमार मोदा, ऊषा देवी, मिथलेश मेहता, श्यामल घोष समेत कई दुकानदार मौजूद थे.

एचईसी क्षेत्र में गरीबों के आशियानों पर बुलडोजर चलाना अमानवीय : विजय शंकर नायक

रांची। आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष विजय शंकर नायक ने एचईसी क्षेत्र में गरीबों के आशियानों पर चल रहे बुलडोजर को अमानवीय करार देते हुए आक्रोश जताया है. उन्होंने इसे सुप्रीम कोर्ट और उच्च न्यायालय के आदेशों की खुली अवमानना बताया, जो पुनर्वास के बिना अतिक्रमण हटाने को अवैध मानते हैं. नायक ने कहा कि बरसों से बसे गरीब मजदूरों को बिना वैकल्पिक व्यवस्था के उजाड़ना संविधान के अनुच्छेद 21 का घोर उल्लंघन है. यह सरकार की संवेदनहीनता और सत्ता के दुरुपयोग का प्रतीक है. उन्होंने चेतावनी दी कि यदि यह बर्बरता नहीं रुकी, तो सड़क से लेकर कोर्ट तक संघर्ष होगा.उन्होंने ओल्गा टेलिस बनाम बीएमसी (1985), चमेली सिंह बनाम यूपी सरकार (1995), सुदामा सिंह बनाम दिल्ली सरकार (2010) और हल्द्वानी मामला (2023–2024) जैसे सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि पुनर्वास के बिना बेदखली गैरकानूनी और अमानवीय है.

जीएसटी से हो रहे नुकसान की भरपाई करे केंद्र सरकार : वित्त मंत्री

शुभम संदेश।रांची/जमशेदपुर

झारखंड के वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने केंद्र सरकार से जीएसटी से होनेवाले नुकसान की भरपाई करने की मांग की है. शनिवार को जमशेदपुर के परिषदन भवन में संवाददाताओं से बातचीत के दौरान उन्होंने जीएसटी के मौजूदा ढांचे को झारखंड के लिए नुकसानदायक बताया. उन्होंने कहा कि जीएसटी काउंसिल की ओर से हाल ही में लिए गए फैसलों का स्वागत है, लेकिन इसका लाभ झारखंड के गरीबों तक नहीं पहुंच रहा है. राज्य को मौजूदा जीएसटी व्यवस्था से हर साल करीब 2000 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है, जिसकी भरपाई के लिए केंद्र सरकार को विशेष राहत पैकेज देना चाहिए.

वित्त मंत्री ने कहा कि झारखंड में स्टील और कोयले का भारी उत्पादन होता है, लेकिन इसकी खपत अन्य राज्यों में होती है. इससे उन राज्यों को फायदा मिलता है, जबकि झारखंड को नुकसान उठाना पड़ता है. उन्होंने इस व्यवस्था को असंतुलित बताते हुए इसमें सुधार की मांग की.

राधा कृष्ण किशोर ने दूध, पनीर और पराठा पर जीएसटी समाप्त किए जाने का स्वागत किया, लेकिन कहा कि झारखंड के गरीब तो मडुआ और मकई पर अपना जीवन यापन करते हैं, जिन पर कोई राहत नहीं दी गई है. उन्होंने दोहराया कि झारखंड सरकार की प्राथमिकता है कि सभी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे. साथ ही उन्होंने केंद्र सरकार से अपील किया कि जीएसटी परिषद के ताजा फैसले से राज्य को होने वाले लगभग 2000 करोड़ रुपये के नुकसान की भरपाई के लिए विशेष वित्तीय पैकेज की घोषणा हो.

चैंबर चुनाव की नामांकन प्रक्रिया आज व कल, शुल्क 5000 रुपए+18% जीएसटी

समस्त नामांकनों की स्क्रूटनी 8 सितंबर को शाम 4.15 बजे से की जाएगी

शुभम संदेश ।रांची

फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की कार्यकारिणी समिति एवं क्षेत्रीय उपाध्यक्ष पदों के चुनाव की नामांकन प्रक्रिया रविवार से शुरू हो रही है. नामांकन रविवार व सोमवार को चैंबर कार्यालय में सुबह 11 बजे से कार्यालय अवधि तक जमा किया जा सकेगा. नामांकन जमा करने की अंतिम तिथि सोमवार शाम 4 बजे तक निर्धारित की गई है. समस्त नामांकनों की स्क्रूटनी 8 सितंबर को शाम 4.15 बजे से होगी. नामांकन शुल्क 5000 रुपए और 18% जीएसटी (अतिरिक्त) के साथ देय होगा.

चुनाव पदाधिकारी सह चैंबर के पूर्व अध्यक्ष बिकास सिंह और पवन शर्मा ने संयुक्त रूप से बताया कि केवल वे डायरेक्ट सदस्य, जिन्होंने चैंबर की सदस्यता लिए न्यूनतम एक वर्ष पूर्ण कर लिया है, चुनाव में उम्मीदवार बन सकते हैं. प्रत्याशी को अपने नामांकन के साथ वैध डायरेक्टर आइडेंटिफिकेशन नंबर (डिन नंबर), डीआईआर-2 तथा डीआईआर-8 फॉर्म संलग्न करना अनिवार्य है. बिना वैध डीन नंबर और सदस्यता शुल्क बकाया रहने की स्थिति में नामांकन स्वतः निरस्त हो जाएगा. प्रत्याशियों के नामांकन प्रपत्र पर प्रपोजर-सेकेंडर भी वही सदस्य करेंगे, जिन्होंने चैंबर की सदस्यता एक वर्ष पूर्ण कर ली हो और उनका सदस्यता शुल्क बकाया न हो. विदित हो कि सत्र 2025-26 के लिए कुल 21 कार्यकारिणी समिति सदस्य और 6 क्षेत्रीय उपाध्यक्ष का चुनाव किया जायेगा.

टीम आदित्य मल्होत्रा के कार्यालय का उद्घाटन, प्रत्याशियों ने की पदयात्रा

झारखंड चैंबर चुनाव को लेकर शनिवार को टीम आदित्य मल्होत्रा का कार्यालय हरमू रोड स्थित मंगल मूर्ति हाइट्स में खुला. इसका उद्घाटन रांची गौशाला न्यास के अध्यक्ष पुनीत पोद्दार ने किया. इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष दीपक मारू, धीरज तनेजा, कुणाल अजमानी, अरुण बुधिया, प्रकाश धेलिया किशोर मंत्री, वरिष्ठ सदस्य नारायण माहेश्वरी, अमर चंद बेगानी, बासुदेव भल्ला, काशी कनोई, प्रकाश ढेलिया, आनंद जालान समेत कई लोग मौजूद थे. वहीं, टीम ने रांची गौशाला न्यास में आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया और वहीं से व्यापारिक पदयात्रा की शुरुआत की. यात्रा हरमू रोड होते हुए विभिन्न व्यापारिक प्रतिष्ठानों तक पहुंची, जहां टीम ने व्यापारियों से मुलाकात कर समर्थन की अपील की.

आदित्य मल्होत्रा ने कहा कि व्यापारियों को आज जिन समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है. चाहे वो टैक्स की जटिलताएं हों, सरकारी तंत्र के साथ संवादहीनता हो या मार्केट की सुरक्षा. इन सभी मुद्दों को हम प्राथमिकता के आधार पर हल करेंगे. पदयात्रा में मुकेश अग्रवाल, प्रवीण लोहिया, नवजोत अलंग, राम बांगड़, रोहित पोद्दार, रोहित अग्रवाल, संजय अखौरी, सुनील सरावगी, अमित अग्रवाल, साहित्य पवन, निधि झुनझुनवाला, मनीष सराफ, समेत अन्य सदस्य और समर्थक शामिल थे.

आरपीएफ ने पॉकेट मारते आरोपित को किया गिरफ्तार

रांची। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने रांची रेलवे स्टेशन प्लेटफॉर्म संख्या एक से एक व्यक्ति को पॉकेट मारते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया. गिरफ्तार आरोपित का नाम फैज़ल अंसारी है और वह लोअर बाजार थाना क्षेत्र कर्बला चौक का रहने वाला है. एएसआई अनिल कुमार ने शनिवार को बताया कि कमांडेंट पवन कुमार के निर्देश पर लगातार रेलवे स्टेशन पर निगरानी रखी जा रही है. उन्होंने बताया कि लातेहार का यात्री सुरेश महतो ने शिकायत दर्ज कराई थी कि ट्रेन में चढ़ते समय उनकी जेब से 350 रुपये चोरी हुए हैं. एएसआई अनिल कुमार ने मौके पर ही 350 रुपये जब्त कर आवश्यक कार्यवाही करते हुए आरोपित को जीआरपी रांची के हवाले कर दिया. इस संबंध में जीआरपी थाना रांची में प्राथमिकी दर्ज की गई है. टीम में कांस्टेबल प्रदीप, कांस्टेबल पी. कुल्लू , हेड कांस्टेबल संजय कुशवाहा, कांस्टेबल सीके सिंह सहित अन्य शामिल थे.

बिरसा चौक बाईपास पर अतिक्रमण हटाओ अभियान

सैकड़ों घर जमींदोज पुलिस बल तैनात

रांची। राजधानी रांची के बिरसा चौक–बाईपास रोड पर शनिवार सुबह से अतिक्रमण हटाओ अभियान तेज़ कर दिया गया है. एचईसी गेट से डीपीएस स्कूल तक सड़क किनारे बने अस्थायी एवं पक्के ढांचों को हटाने के लिए भारी संख्या में पुलिस बल और नगर निगम की टीम तैनात है. अभियान के दौरान सैकड़ों झोपड़ियां और मकान ढहाए जा रहे हैं, जिससे स्थानीय लोगों में आक्रोश और आंसू दोनों देखने को मिल रहे हैं. कई गरीब परिवारों का बसा-बसाया आशियाना टूटने से महिलाएं और बच्चे बिलख पड़े. प्रशासनिक अधिकारियों के मुताबिक यह कार्रवाई सड़क चौड़ीकरण व सुगम यातायात सुनिश्चित करने के लिए की जा रही है.स्थानीय लोगों ने कहा कि पुनर्वास की व्यवस्था किए बिना ही उन्हें उजाड़ा जा रहा है, जो ठीक नहीं.

चलते ऑटो से छात्रा ने लगाई छलांग, 52 साल का ड्राइवर कर रहा था छेड़खानी

शुभम संदेश।रांची

राजधानी रांची के अनगड़ा-हुंडरू फॉल मार्ग पर गुरुवार दोपहर एक नाबालिग छात्रा से छेड़खानी की गंभीर घटना सामने आई है. आरोप है कि ऑटो चालक द्वारा आपत्तिजनक हरकत किए जाने के बाद छात्रा ने चलते ऑटो से कूदकर अपनी जान बचाई, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं. फिलहाल उसका इलाज शालिनी अस्पताल में चल रहा है. घटना दो दिन पहले की है. पीड़िता ने इस संबंध में अब अनगड़ा थाना प्रभारी को लिखित शिकायत सौंपी है.

ऑटो चालक ने नहीं रोका ऑटो, जबरन ले जाने की कोशिश: प्राप्त जानकारी के अनुसार, छात्रा हाहे गांव से ऑटो में सवार हुई थी. अनगड़ा चौक के पास एक अन्य महिला भी ऑटो में बैठी. छात्रा ने जब एक निजी विश्वविद्यालय के गेट के पास ऑटो रुकवाने को कहा, तो चालक ने वाहन नहीं रोका. कुछ देर बाद दूसरी महिला शालिनी अस्पताल के पास उतर गई, लेकिन चालक ने छात्रा को वहां भी नहीं उतरने दिया. इसके बाद आरोपी चालक, जिसकी पहचान महेशपुर निवासी सनवर खान उर्फ गुल्लू के रूप में हुई है, ने कथित तौर पर छात्रा का पैर पकड़ लिया और कहा कि उसे कहीं नहीं उतरने दिया जाएगा और जबरन हुंडरू फॉल चलने को कहा. घबराई छात्रा ने तत्काल चलते ऑटो से छलांग लगा दी.

ग्रामीणों ने पहुंचाया अस्पताल, आरोपी फरार

छलांग लगाने से छात्रा गंभीर रूप से घायल हो गई. स्थानीय ग्रामीणों ने उसे तत्काल पास के शालिनी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज चल रहा है. घटना के बाद आरोपी चालक मौके से फरार हो गया. अनगड़ा थाना प्रभारी हीरालाल साह ने बताया कि पीड़िता के आवेदन के आधार पर पोक्सो एक्ट और अन्य संगत धाराओं के तहत मामला दर्ज किया जा रहा है. आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है.

रांची गौशाला न्यास में स्व. प्रेम कुमार पोद्दार की स्मृति में अन्नपूर्णा सेवा का शुभारंभ

10रु में 6 रोटी, सब्जी और अचार मिलेगा

शुभम संदेश।रांची

हरमू रोड स्थित रांची गौशाला न्यास में श्रद्धेय स्व प्रेम कुमार पोद्दार जी की पुण्य स्मृति में अन्नपूर्णा सेवा का शुभारंभ प्रेमसंस ट्रस्ट द्वारा किया गया. इस सेवा का उद्घाटन पुष्पा देवी पोद्दार ने किया. कार्यक्रम की शुरुआत न्यास अध्यक्ष पुनीत कुमार पोद्दार के स्वागत भाषण से हुई. उन्होंने सभी सामाजिक, धार्मिक संस्थाओं के पदाधिकारियों और सदस्यों का हार्दिक स्वागत किया. कहा कि "नर सेवा ही नारायण सेवा है और इसी भावना के साथ रांची गौशाला न्यास ने अन्नपूर्णा सेवा की शुरुआत की है, जिसमें जरूरतमंदों को मात्र 10 में 6 रोटी, सब्ज़ी और अचार का पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाएगा.

उन्होंने आगे कहा कि गौ सेवा के साथ-साथ मानव सेवा भी न्यास का प्रमुख उद्देश्य है और इस पुनीत कार्य को समाज के सभी वर्गों के सहयोग से निरंतर चलाया जाएगा. कार्यक्रम में उपस्थित सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं के पदाधिकारियों और सदस्यों को अंग वस्त्र व प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया. कार्यक्रम का संचालन मंत्री प्रदीप राजगढ़िया ने किया, जिन्होंने सभा में आश्वस्त किया कि यह सेवा समाज के सहयोग से निरंतर जारी रहेगी.

कार्यक्रम की जानकारी प्रवक्ता मनीष लोधा ने दी. कार्यक्रम को सफल बनाने में न्यासी अध्यक्ष एवं ट्रस्टी रतन जालान, ट्रस्टी शत्रुघ्न लाल गुप्ता, किशोरी लाल चौधरी, उपाध्यक्ष एसएन राजगढ़िया, कोषाध्यक्ष दीपक पोद्दार, प्रदीप राजगढ़िया, काशी कनोई, प्रेम मित्तल, बासुदेव भाला, अमित चौधरी, घनश्याम शर्मा, भरत बगड़िया सहित अनेक सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी निभाई.

हरमू रोड श्री श्याम मंदिर में 169वें भंडारे में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

2500 से अधिक भक्तों ने ग्रहण किया प्रसाद

शुभम संदेश।रांची

हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में शनिवार को श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा श्रद्धा और भक्ति भाव से 169वां भव्य श्री श्याम भंडारा आयोजित किया गया. इस आयोजन में 2500 से अधिक श्रद्धालुओं ने महाप्रसाद ग्रहण किया.कार्यक्रम की शुरुआत मंडल अध्यक्ष गोपाल मुरारका, महामंत्री गौरव अग्रवाल, कोषाध्यक्ष मनोज खेतान, उपाध्यक्ष श्रवण ढांढनिया व अशोक लड़िया, निवर्तमान अध्यक्ष सुरेश सरावगी, निवर्तमान महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया, विकास शर्मा, गीता देवी और श्यामसुंदर शर्मा के संयुक्त भजन गायन और ठाकुर जी को भोग अर्पण से हुई. भक्तों ने "आओ आओ भोग लगाओ बाबा श्याम जी" जैसे मधुर भजनों से ठाकुर जी से प्रसाद स्वीकारने की प्रार्थना की. भोग अर्पण खाटूनरेश, बजरंगबली, शिव परिवार, लड्डू गोपाल, शालिग्राम जी, गरुड़ जी

एवं गुरुजनों को भी किया गया.

विकास शर्मा व उनके परिवार ने सर्वप्रथम मंदिर के आचार्यों को भोग अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया. भंडारे में नमक अजवाइन की पुड़ी, आलू-लौकी-गोभी की सब्जी, केसरिया जलेबी, टॉफी, खीर व पारंपरिक चूरमा का विशेष भोग ठाकुर जी को समर्पित किया गया. भंडारे से पहले मंडल के वरिष्ठ सदस्य रतन शर्मा व अन्य कार्यकर्ता रांची गौशाला पहुंचे और गौमाता को भोजन अर्पित किया.

आयोजन को सफल बनाने में मंडल के अध्यक्ष गोपाल मुरारका, उपाध्यक्ष श्रवण ढांढनिया व अशोक लड़िया, महामंत्री गौरव अग्रवाल, कोषाध्यक्ष मनोज खेतान, पूर्व राज्यसभा सांसद अजय मारू, मंत्री विष्णु चौधरी, उपमंत्री प्रवीण सिंघानिया, राजीव रंजन मित्तल, स्नेह पोद्दार, अनुज मोदी, पवन केडिया, विकास शर्मा, गीता देवी, अशोक गोयल, मंजुला देवी, रविशंकर गोयल, अर्चना गोयल, अंकित गर्ग, कल्पना गर्ग, काजल शर्मा, सार्थक, रिषभ, अयांश, साक्षी, आशीष डालमिया, कमलेश सावा, वेद भूषण जैन, अंकित कुमार, कृष्णा कुमार, संकेत चौधरी, मनोज खेतावत समेत 50 से अधिक कार्यकर्ताओं ने सेवाभाव से भाग लिया. यह जानकारी मंडल के मंत्री गौरव अग्रवाल (मोनू) ने दी.

सीटू और नगर निगम की बैठक में कर्मियों की मांगों पर जताई गई सहमति

शुभम संदेश।रांची

झारखंड नगर निकाय मजदूर यूनियन (सीटू) के छह सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने रांची नगर निगम प्रबंधन के साथ शनिवार को वार्ता की. वार्ता के दौरान मातृत्व अवकाश, राष्ट्रीय अवकाश और अर्जित अवकाश लागू करने के अलावा बोनस और वेतन वृद्धि जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई. बैठक में यह निर्णय लिया गया कि सभी निगमकर्मियों को पहचान पत्र जल्द जारी किए जाएंगे. निकाले गए मजदूरों की पुनः बहाली और मृतक आश्रितों की नियुक्ति पर तुरंत कदम उठाने का आश्वासन दिया गया.

नगर निगम प्रबंधन की ओर से बताया गया कि एरियर भुगतान और एटूजेड मजदूरों का बकाया वेतन पर कार्रवाई शुरू कर दी गई है. 10 वर्ष से

अधिक समय से सेवारत कर्मियों के स्थायीकरण संबंधी मामले को नगर विकास विभाग को भेज दिया गया है और उस पर विभागीय स्तर पर निर्णय लिया जाएगा.

बैठक में मातृत्व अवकाश, राष्ट्रीय अवकाश और अर्जित अवकाश लागू करने के अलावा बोनस, वेतन वृद्धि जैसे मुद्दों पर निगम प्रबंधन ने कहा कि अंतिम निर्णय उच्चस्तरीय बैठक में लिया जाएगा. इसकी लिखित सूचना 8 सितम्बर को निगम की ओर से यूनियन को दे दी जाएगी.

बैठक में संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि मजदूरों की सभी मांगें न्यायसंगत और श्रम कानूनों के अनुरूप हैं. इसलिए निगम प्रबंधन को इन्हें लागू करना ही होगा. यदि ठोस समाधान नहीं निकला तो 10 सितम्बर से प्रस्तावित हड़ताल को टालना संभव नहीं होगा. इस बैठक के बाद पुराना विधानसभा मैदान में निगम कर्मियों की एक बड़ी बैठक हुई, जिसमें हड़ताल की तैयारी जारी रखने का निर्णय लिया गया. हालांकि, इसपर अंतिम फैसला आठ सितंबर को लिया जाएगा.

ब्रीफ न्यूज

नगेशिया किसान फुटबॉल टूर्नामेंट का भव्य समापन

महुआडांड़ (लातेहार)। बेलवार गांव में तीन दिवसीय नगेशिया किसान फुटबॉल टूर्नामेंट का समापन 5 सितंबर को हुआ. यह टूर्नामेंट करमा पर्व के अवसर पर 3 सितंबर से आयोजित था, जिसमें कुल 35 नगेसिया किसान समाज की टीमों ने हिस्सा लिया. फाइनल मैच चीरोपाठ और हुरहुरकर्चा, गारू टीम के बीच खेला गया, जिसमें चीरोपाठ टीम विजेता रही. टूर्नामेंट का उद्घाटन बेलवार गांव के पूर्व सैनिक किशोर नगेसिया ने फीता काटकर किया. उन्होंने कहा कि इस प्रतियोगिता का उद्देश्य नगेसिया किसान समाज को एकजुट करना और खेलों के प्रति जागरूकता फैलाना है ताकि वे हर क्षेत्र में आगे बढ़ सकें. यह आयोजन बेलवार नगेसिया किसान युवा संघ द्वारा किया गया. हालांकि, पुल न होने के कारण टीमों को एक ही नदी को तीन बार पार करना पड़ा, जिससे प्रतियोगिता में भाग लेने में मुश्किलें भी आईं.

11 लाख के डोडा के साथ पांच नशे के सौदागर गिरफ्तार

बालूमाथ (लातेहार)। बारियातू पुलिस ने नशे के कारोबार में बड़ी सफलता हासिल करते हुए 11 लाख 70 हजार रुपये मूल्य का लगभग 78 किलो डोडा बरामद किया है. पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव को मिली गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी की गई. वाहन जांच अभियान के दौरान हिसरी और मुक्की के इंद्रदेव प्रजापति से डोडा खरीद कर चतरा ले जा रहे दो वाहनों को रोका गया. तलाशी में 10 प्लास्टिक बोरे मिले जिनमें भारी मात्रा में डोडा था. मौके पर मोहम्मद अबू तालिब, मोहन कुमार, राहुल कुमार सिंह और उमेश साव समेत पांच नशे के सौदागरों को गिरफ्तार किया गया. छापेमारी टीम में बारियातू थाना प्रभारी रंजन पासवान, निर्मल कुमार मंडल, छोटू पंडा, सुरेश कुमार सिंह, मिथिलेश कुमार सिंह एवं सशस्त्र बल के जवान शामिल थे. पुलिस ने नशा तस्करों के खिलाफ कार्रवाई तेज करने का आश्वासन दिया है.

कांग्रेस के जिला अध्यक्ष चयन को लेकर पलामू में हुई रायशुमारी

हो-हंगामे के बीच बैठक संपन्न,प्रशांत किशोर के नाम की चर्चा तेज

शुभम संदेश। मेदिनीनगर

पलामू जिला कांग्रेस अध्यक्ष के चयन को लेकर कांग्रेस पार्टी के भीतर हलचल तेज हो गई है. शनिवार को पाटन, सतबरवा और चैनपुर प्रखंडों में कांग्रेस पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठकें आयोजित की गईं, जहां कार्यकर्ताओं से रायशुमारी की गई। इन बैठकों में पाटन, सतबरवा, सदर मेदिनीनगर, चैनपुर और रामगढ़ प्रखंड के कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाग लिया.

बैठक में अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी की ओर से नियुक्त पर्यवेक्षक और पूर्व राज्यसभा सांसद डॉ. अमी याग्निक, प्रदेश कांग्रेस कमिटी के पर्यवेक्षक शशि भूषण राय, विनय सिन्हा (दीपू) और केदार पासवान शामिल हुए. इन सभी नेताओं ने कार्यकर्ताओं से विस्तार से फीडबैक लिया और कहा कि पार्टी के अंदरूनी लोकतंत्र और कार्यकर्ताओं की भागीदारी ही कांग्रेस की असली ताकत है.

प्रशांत किशोर बने चर्चा का केंद्र : सतबरवा प्रखंड अध्यक्ष प्रमोद यादव के आवास पर आयोजित बैठक में जब डॉ. अमी याग्निक ने रायशुमारी की तो कई कार्यकर्ताओं ने जिला अध्यक्ष पद के लिए प्रशांत किशोर का समर्थन किया. चर्चा यह भी रही कि एआईसीसी के 11 सदस्यों में से अधिकांश ने प्रशांत किशोर के पक्ष में राय दी है, जिससे उनका नाम सबसे मजबूत दावेदार के रूप में उभरकर सामने आया है.

हंगामा और अफरा-तफरी: बैठक के दौरान व्यवस्था बिगड़ने से थोड़ी देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया. 500 लोगों के बैठने की व्यवस्था की गई थी, जबकि लगभग 2000 कांग्रेस कार्यकर्ता पहुंच गए, जिससे जगह की कमी और अव्यवस्था के कारण हल्का हंगामा हो गया. स्थिति को संजय यादव, लक्ष्मण यादव, शाहनवाज खान, पिंटू असलम और अन्य नेताओं ने समझा-बुझाकर शांत कराया.

पत्रकार से दुर्व्यवहार पर नाराजगी : इस दौरान एक पत्रकार ने आरोप लगाया कि वर्तमान जिला अध्यक्ष बिट्टू पाठक की ओर से उनका मोबाइल छीनकर फोटो डिलीट कर दिया गया. इस घटना से पत्रकारों में गहरा रोष है और इसकी निंदा की जा रही है.

कई नामों ने दाखिल की दावेदारी : बैठक के दौरान दर्जनभर नेताओं ने जिला अध्यक्ष पद के लिए आवेदन सौंपा, जिनमें प्रशांत किशोर, परमदेव सिंह, मिथिलेश सिंह उर्फ डब्लू सिंह, विवेकानंद त्रिपाठी, राजेश चौरसिया और लक्ष्मी नारायण तिवारी के नाम प्रमुख हैं. प्रखंड अध्यक्ष प्रमोद यादव ने कहा कि आज का जनसमूह इस बात का प्रमाण है कि भाजपा सरकार से लोग त्रस्त हो चुके हैं और अब राहुल गांधी की मोहब्बत की दुकान ही जनता की उम्मीद बन रही है.

5000 वर्ग फीट से अधिक क्षेत्रफल वाले भवन निर्माण के लिए नक्शा पास कराना अनिवार्य

जिला परिषद से स्वीकृति होगा आवश्यक: उप विकास आयुक्त

शुभम संदेश। लातेहार

जिला प्रशासन ने झारखंड यूनिफाइड बिल्डिंग बायलॉज 2016 के तहत भवन निर्माण की प्रक्रिया को लेकर बड़ा स्पष्टिकरण जारी किया है. उप विकास आयुक्त सैय्यद रियाज अहमद ने जानकारी देते हुए बताया कि अब राज्य के पंचायत राज संस्थाओं के क्षेत्राधिकार में आने वाले क्षेत्रों में यदि कोई व्यक्ति 5000 वर्ग फीट या उससे अधिक क्षेत्रफल में पक्के आरसीसी छत वाले भवन का निर्माण करता है, तो उसे संबंधित जिला परिषद कार्यालय से भवन का नक्शा स्वीकृत कराना अनिवार्य होगा.

उप विकास आयुक्त ने कहा कि निदेशक, पंचायत राज विभाग, झारखंड, रांची के निर्देशानुसार 10 अक्टूबर 2017 से झारखंड यूनिफाइड बिल्डिंग बायलॉज 2016 को लागू किया गया है. इसके तहत राज्य के सभी जिलों में इन नियमों का अनुपालन आवश्यक है. इस दिशा में जिला परिषद लातेहार की बैठक दिनांक 19 अगस्त 2025 को आयोजित की गई थी, जिसके तहत दिनांक 21 अगस्त 2025 को पारित प्रस्ताव संख्या–94 के माध्यम से निर्णय लिया गया कि बायलॉज का प्रभावी क्रियान्वयन हर हाल में सुनिश्चित किया जाएगा.

जिला प्रशासन ने आम जनता, सरकारी एजेंसियों, ठेकेदारों, प्राइवेट बिल्डरों सहित सभी निर्माण से जुड़े पक्षों से अपील की है कि वे निर्धारित क्षेत्रफल (5000 वर्ग फीट या उससे अधिक) में भवन निर्माण प्रारंभ करने से पहले संबंधित नक्शे की स्वीकृति जिला परिषद कार्यालय से अवश्य प्राप्त करें.

उप विकास आयुक्त ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि कोई व्यक्ति अथवा एजेंसी इस नियम की अवहेलना करते हुए बिना नक्शा स्वीकृति के निर्माण कार्य कराता है, तो झारखंड यूनिफाइड बिल्डिंग बायलॉज 2016 के तहत विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी. इसमें निर्माण पर रोक, जुर्माना, ध्वस्तीकरण जैसे कठोर कदम भी शामिल हो सकते हैं.

उन्होंने यह भी बताया कि यह कदम निर्माण कार्यों में पारदर्शिता, नियोजन और सतत विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उठाया गया है. इससे पंचायत क्षेत्रों में अनियंत्रित व अनधिकृत निर्माणों पर रोक लगेगी तथा नागरिकों को नियमानुसार भवन निर्माण करने में मार्गदर्शन भी मिलेगा.

जिला प्रशासन ने सभी लोगों से अनुरोध किया है कि वे भवन निर्माण से पहले पूरी प्रक्रिया की जानकारी लेकर नियमानुसार कार्य करें, जिससे भविष्य में किसी प्रकार की कानूनी अड़चन से बचा जा सके.

न्यायालय का आदेश

फरार अभियुक्त के घर पर बालूमाथ पुलिस ने इश्तेहार चस्पा किया

बालूमाथ (लातेहार)। बालूमाथ थाना क्षेत्र के फरार अभियुक्त केदार यादव के घर पर न्यायालय के आदेश के तहत पुलिस ने इश्तहार चस्पा किया है. बालूमाथ थाना के सब-इंस्पेक्टर अमित कुमार ने बताया कि कांड संख्या 203/22 के तहत, जिसमें विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज है, केदार यादव पिता राघो यादव, ग्राम महवाटांड़ थाना बारियातू जिला लातेहार के विरुद्ध न्यायालय द्वारा जारी इश्तेहार को बारियातू थाना पुलिस के सहयोग से दो गवाहों की उपस्थिति में उसके घर पर चस्पा किया गया. अभियुक्त के परिजनों को चेतावनी दी गई है कि वे जल्द से जल्द न्यायालय या थाना में आत्मसमर्पण कराएं. अन्यथा उनके विरुद्ध कुर्की और जब्ती की कानूनी कार्रवाई की जाएगी. इस कार्रवाई में सब-इंस्पेक्टर अमित कुमार एवं पुलिस बल के जवान शामिल थे. पुलिस ने इस कदम से अभियुक्त की खोज-खबर लेने और गिरफ्तारी की दिशा में कड़ा रुख अपनाया है.

एक नजर

उत्क्रमित उच्च विद्यालय करकट में शिक्षक दिवस समारोह हर्षोल्लास से मनाया गया

लातेहार। उत्क्रमित उच्च विद्यालय, करकट में शनिवार को शिक्षक दिवस पर भावपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. प्रभारी प्रधानाध्यापक मोहन प्रसाद ने सर्वपल्ली राधाकृष्णन की तस्वीर पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की. अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि शिक्षक समाज के प्रेरक होते हैं और शिक्षक-शिष्य का संबंध सदैव सौहार्दपूर्ण होना चाहिए. कार्यक्रम का संचालन शिक्षक जितेंद्र प्रसाद एवं अतुल कुमार ने संयुक्त रूप से किया. वर्ग पांच की छात्रा सृष्टि सिंह ने अंग्रेजी में भाषण देकर सभी को प्रभावित किया. बच्चों ने नाटक के माध्यम से शिक्षक-शिष्य के मधुर रिश्ते को दर्शाया. सभी शिक्षकों को बच्चों द्वारा उपहार भेंट किए गए और बच्चों को टॉफी खिलाकर मुंह मीठा कराया गया. इस अवसर पर शिक्षक उमा कुमारी, सुचिता मिंज, ज्ञान प्रभा मिंज, मीना देवी, तबस्सुम परवीन, सईदा बीबी, नूरजहां, किरण देवी आदि मौजूद थीं.

श्री वैष्णव दुर्गा मंदिर में दुर्गा पूजा की तैयारियों को लेकर बैठक, दायित्वों का हुआ बंटवारा

लातेहार। श्री वैष्णव दुर्गा मंदिर समिति की बैठक संरक्षक अभिनंदन प्रसाद की अध्यक्षता में आयोजित की गई. बैठक में आगामी शारदीय नवरात्र के दौरान दुर्गा पूजा की तैयारियों की समीक्षा की गई. मंदिर में प्रतिमा निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है. साउंड, लाइट और सजावट सहित अन्य कार्यों का दायित्व बांटा गया. पुजारी त्रिभुवन पांडेय के सान्निध्य में पूजा संपन्न होगी. यजमान के रूप में संतोष प्रसाद (पिंटू), संजय प्रसाद और पंकज प्रसाद सपत्नीक रहेंगे. सप्तमी, अष्टमी और नवमी को महाभोग वितरण का निर्णय लिया गया. अध्यक्ष राजेश गुप्ता ने सभी सदस्यों से दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने की अपील की. संरक्षक विनोद साहू और महेंद्र गुप्ता ने सामूहिक प्रयास पर बल दिया. बैठक में समाजसेवी राजेंद्र प्रसाद सिंह के निधन पर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई.

अनंत चतुर्दशी पर उमड़ा आस्था का सैलाब, हैदरनगर और हुसैनाबाद में धूमधाम से संपन्न हुई पूजा

हुसैनाबाद। भादो मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि पर मनाई जाने वाली अनंत चतुर्दशी पूजा इस वर्ष भी पलामू जिले के हैदरनगर और हुसैनाबाद सहित विभिन्न क्षेत्रों में अत्यंत हर्षोल्लास और गहरे श्रद्धा भाव के साथ संपन्न हुई. दोनों स्थानों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ मंदिरों और पूजा स्थलों पर उमड़ी, जहां उन्होंने भगवान विष्णु के अनंत स्वरूप की आराधना की.हुसैनाबाद स्थित महावीर जी भवन के प्रथम तल पर शनिवार को आयोजित अनंत चतुर्दशी पूजा में भक्तों ने भक्ति भाव से भाग लिया. महावीर मंदिर के पुजारी गोपाल पाठक ने विधिवत पूजा-अर्चना कराई और बताया कि इस दिन भगवान विष्णु के अनंत रूप की विशेष पूजा की परंपरा है. श्रद्धालुओं ने परंपरागत रीति-रिवाजों के अनुसार अनंत सूत्र धारण कर अपनी आस्था प्रकट की. पूरे दिन माहौल भक्तिमय बना रहा. श्रद्धालुओं के घरों में भी विशेष प्रसाद एवं मिठास युक्त व्यंजन बनाए गए, जिससे त्योहार का आनंद दोगुना हो गया.

अभाविप की दो दिवसीय प्रदेश कार्यकारी परिषद की बैठक प्रारंभ

पलामू। जिले के अग्रसेन भवन में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) की दो दिवसीय प्रदेश कार्यकारी परिषद की बैठक शनिवार से शुरू हुई. बैठक का शुभारंभ क्षेत्रीय संगठन मंत्री याज्ञवल्क्य शुक्ल, प्रदेश अध्यक्ष डॉ. मौसमी पॉल, प्रदेश मंत्री मनोज सोरेन और प्रदेश संगठन मंत्री नीलेश कटारे ने संयुक्त रूप से किया. इस दौरान उन्होंने अभाविप के आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों, सदस्यता अभियान की समीक्षा, बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती और संविधान के 75 वर्षों के उपलक्ष्य में आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा करने का संदेश दिया.प्रदेश अध्यक्ष डॉ. मौसमी पॉल ने बताया कि इस बैठक में शैक्षिक क्षेत्र में किए जाने वाले विभिन्न महत्वपूर्ण कार्यक्रमों पर भी विचार-विमर्श होगा.

वज्रपात की चपेट में आकर राजद के पूर्व प्रखंड अध्यक्ष रामनाथ यादव की मौत, पत्नी और एक किशोर घायल

महुआडांड़ (लातेहार)। शनिवार दोपहर करीब 2 बजे हुई वज्रपात की घटना में राजद के पूर्व महुआडांड़ प्रखंड अध्यक्ष व रामपुर निवासी रामनाथ यादव (पिता स्व. लोचन यादव) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनकी पत्नी शोभा देवी और एक 12 वर्षीय किशोर मनोज असूर (पिता गुनी असूर) गंभीर रूप से घायल हो गए. जानकारी के अनुसार, रामनाथ यादव एक मवेशी पालक भी थे और दुग्ध उत्पादन का कार्य करते थे. शनिवार को उनके यहां काम करने वाला मनोज असूर मवेशियों को चराने महादेव आम पेड़ के पास स्थित मैदान में गया था. दोपहर में मौसम अचानक बदलने पर रामनाथ यादव और उनकी पत्नी उसे देखने पहुंचे. बारिश से बचने के लिए तीनों एक सागवान के पेड़ के नीचे खड़े थे, तभी अचानक वज्रपात हुआ और तीनों इसकी चपेट में आ गए. ग्रामीणों ने तत्काल उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉ. अमित खलखो ने रामनाथ यादव को मृत घोषित कर दिया. घायलों का इलाज चल रहा है. डॉक्टर की पुष्टि के बावजूद परिजन संतुष्ट नहीं हुए और शव को गोबर के गड्ढे में घंटों तक गाड़कर रखा. सूचना मिलते ही डीएसपी शिवपूजन बहेलिया, बीडीओ संतोष कुमार बैठा, जिला परिषद सदस्य इस्तेला नगेसिया समेत कई जनप्रतिनिधि व सामाजिक कार्यकर्ता अस्पताल पहुंचे और परिवार को सांत्वना दी.

विधायक प्रकाश राम ने मगध जीएम के साथ की अहम बैठक, मुआवजा और रोजगार पर हुई चर्चा

बालूमाथ (लातेहार)। लातेहार विधायक प्रकाश राम ने शुक्रवार को मगध महाप्रबंधक कार्यालय के सभागार में जीएम नृपेंद्र नाथ के साथ महत्वपूर्ण बैठक की. बैठक में चमातु निवासी विजयपथ की हत्या के बाद अब तक परिजनों को उचित मुआवजा नहीं मिलने पर विधायक ने गहरी नाराजगी जताई और मुआवजा शीघ्र दिलाने की मांग की. बैठक में मगध विस्थापित क्षेत्र में रोजगार और विकास के मुद्दे पर भी गंभीरता से चर्चा हुई. बैठक में तय हुआ कि 15 सितंबर को विस्थापित ग्रामीणों, विधायक प्रकाश राम और सीसीएल प्रबंधन के बीच एक और बैठक की जाएगी, जिसमें रोजगार, मुआवजा और बुनियादी सुविधाओं पर ठोस निर्णय लिए जाएंगे.विधायक ने सीसीएल प्रबंधन से मांग की कि स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता के आधार पर नौकरी और प्रशिक्षण दिया जाए, ताकि क्षेत्र में स्थायी विकास सुनिश्चित किया जा सके. इस बैठक में परियोजना पदाधिकारी सदाला सत्यनारायण, शैलेश सिंह, प्रीतमलाल यादव, उपेंद्र यादव, शिव नारायण प्रसाद, विनोद गंझू, राजेश राम, मिथुन साव, कुलदीप साव समेत सैकड़ों ग्रामीण और प्रतिनिधि उपस्थित थे. बैठक सौहार्दपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुई और सभी ने मिलकर समाधान निकालने पर सहमति जताई.

एनएच-75 पर सड़क हादसा: दो युवक गंभीर रूप से घायल, रिम्स रेफर

स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टरों की अनुपस्थिति पर उठे सवाल

शुभम संदेश । लातेहार

रांची-मेदिनीनगर राष्ट्रीय उच्च पथ (एनएच-75) पर मनिका थाना क्षेत्र के महादेव मोड़ के पास शनिवार को एक भीषण सड़क दुर्घटना हुई, जिसमें दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए. हादसे में घायल युवकों की पहचान सोनू कुमार और भोला कुमार, दोनों निवासी रिंग रोड, रांची के रूप में हुई है.

जानकारी के अनुसार, दोनों युवक बाइक से रांची जा रहे थे, तभी एक हाइड्रा वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी. हादसे में दोनों बुरी तरह घायल हो गए. मौके पर पहुंची मनिका पुलिस और स्थानीय ग्रामीणों की मदद से उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मनिका लाया गया.

हालांकि, उस समय स्वास्थ्य केंद्र में कोई डॉक्टर मौजूद नहीं था. काफी देर बाद ड्रेसर सत्येंद्र कुमार ने प्राथमिक इलाज किया. इस दौरान घायलों की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए रांची स्थित रिम्स रेफर कर दिया गया.

स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टरों की अनुपस्थिति आम बात है. इस संबंध में जब स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी डॉ. दिव्या क्षितिज कुजूर से संपर्क किया गया, तो उन्होंने बताया कि डॉक्टर चाय-पानी के लिए पास ही गए थे और फोन मिलते ही तुरंत अस्पताल लौट आए. फिलहाल दोनों युवकों की हालत नाजुक बनी हुई है और वे रिम्स में इलाजरत हैं.

युवाओं की भागीदारी से बनेगा सशक्त भारत : आशा लकड़ा

शुभम संदेश। बिश्रामपुर (पलामू)

रामचंद्र चंद्रवंशी विश्वविद्यालय के सभागार में शनिवार को राष्ट्रीय जनजाति आयोग व विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया. मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित राष्ट्रीय जनजाति आयोग की सदस्य आशा लकड़ा ने छात्रों से संवाद करते हुए उन्हें समाज और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया.

उन्होंने कहा कि युवा संवाद का उद्देश्य युवाओं को नीति निर्माण प्रक्रियाओं से जोड़ना, उनके विचारों को मंच देना और उन्हें लोकतंत्र की मुख्यधारा में सशक्त रूप से भाग लेने का अवसर देना है. आशा लकड़ा ने प्रधानमंत्री द्वारा बिरसा मुंडा जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने के निर्णय को ऐतिहासिक बताया और कहा कि इससे जनजातीय समाज को नया सम्मान मिला है.

कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. ईश्वर सागर चंद्रवंशी ने की. उन्होंने कहा कि भारत विश्व का सबसे युवा देश है और युवाओं को अपने कर्तव्यों को समझते हुए भारत को विश्वगुरु बनाने में योगदान देना चाहिए. उपकुलपति डॉ. संजय कुमार झा ने धन्यवाद ज्ञापित किया.

इस मौके पर प्राचार्या नूतन रानी, रूपा सिंह, रविंद्र पासवान, ठाकुर महतो, रामचंद्र यादव, बबन राम समेत कई गणमान्य व बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे.

झामुमो नेता सुरेश गंझू पंचतत्व में विलीन, नम आंखों से दी अंतिम विदाई

शुभम संदेश । लातेहार

झामुमो के दिवंगत नेता सुरेश गंझू का अंतिम संस्कार शुक्रवार को उनके पैतृक गांव कैला खाड़ (चंदवा) में संपन्न हुआ. उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए झामुमो के केंद्रीय उपाध्यक्ष व पूर्व मंत्री बैद्यनाथ राम, जिला अध्यक्ष लाल मोतीनाथ शाहदेव सहित बड़ी संख्या में नेता और ग्रामीण उपस्थित रहे.

इस दौरान सभी की आंखें नम थीं और शोक की लहर पूरे क्षेत्र में व्याप्त रही. कार्यक्रम में जिला बीस सूत्री उपाध्यक्ष अरुण दुबे, पूर्व विधायक प्रतिनिधि प्रभात कुमार, महिला मोर्चा अध्यक्ष रीना देवी, जिला प्रवक्ता सुशील यादव, युवा जिलाध्यक्ष रंजीत उरांव, जिला परिषद सदस्य विनोद उरांव, चंदवा प्रखंड अध्यक्ष मनोज चौधरी, बरियातू प्रखंड अध्यक्ष राजेंद्र भोक्ता, बालूमाथ प्रखंड अध्यक्ष प्रदीप गंझू सहित कई नेता व कार्यकर्ता शामिल हुए.

बताते चलें कि बुधवार को जहरीले सांप के काटने से सुरेश गंझू की तबीयत बिगड़ गई थी. पहले उन्हें सदर अस्पताल, लातेहार में भर्ती कराया गया और फिर स्थिति गंभीर होने पर रिम्स, रांची रेफर किया गया, जहां गुरुवार देर रात उनका निधन हो गया. उनके निधन से झामुमो और इलाके में शोक की लहर है.

डीआरएम ने लिया संज्ञान; बरवाडीह रेल क्षेत्र की सड़क की मरम्मत होगी

मयंक विश्वकर्मा । बरवाडीह (लातेहार)

शुभम संदेश
खबर का असर

शुभम संदेश में 5 सितंबर को प्रकाशित बरवाडीह रेल क्षेत्र की जर्जर सड़क से जुड़ी खबर पर 24 घंटे के भीतर धनबाद डीआरएम और सीनियर डीईएन ने संज्ञान लिया है. खबर में बताया गया था कि हालिया भारी वर्षा के कारण रेलवे क्लब की मुख्य सड़क पूरी तरह जर्जर हो चुकी है, जिससे आम लोगों और पूजा के दौरान आनेवाले श्रद्धालुओं को परेशानी होगी. गौरतलब है कि बरवाडीह रेलवे क्लब में धनबाद डिविजन की भव्य दुर्गा पूजा का आयोजन होता है, जहां हजारों की भीड़ उमड़ती है. इस बार भीड़ के बीच सड़क की बदहाली दुर्घटना का कारण बन सकती है. पूजा समिति ने रेल प्रशासन को चेतावनी दी थी कि समय रहते मरम्मती नहीं हुई तो आयोजन प्रभावित होगा. खबर के असर से रेलवे के सीनियर डीईएन ने सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया दी कि, 'आपको हुई असुविधा के लिए खेद है. यह सड़क कॉलोनी और क्लब को जोड़ती है, लेकिन वर्षा में पिचिंग संभव नहीं है. मौसम साफ होते ही सड़क की मरम्मत की जाएगी. तब तक धैर्य बनाए रखें.'

अभियान आंगनबाड़ी सेविकाओं को योजनाओं की दी गई जानकारी

विशेष जागरूकता अभियान की शुरुआत, 12 तक चलेगा

शुभम संदेश। हुसैनाबाद (पलामू)

महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग, झारखंड सरकार द्वारा संचालित 'संकल्प : एचईडब्लू (हेल्थ, एजुकेशन और वेलनेस)' योजना के तहत 2 सितंबर से 12 सितंबर 2025 तक विशेष जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है. इस 10 दिवसीय अभियान का उद्देश्य महिलाओं और किशोरियों को सशक्त बनाना तथा उन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं से जोड़ना है. इस अभियान के तहत 6 सितंबर को बाल विकास परियोजना, हुसैनाबाद के सभागार में आंगनबाड़ी सेविकाओं को केंद्र प्रायोजित योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई.

कार्यक्रम में वरीय महिला पर्यवेक्षिका सीमा झा, प्रेमलता कुजूर और कांति देवी ने आंगनबाड़ी सेविकाओं को एफआरएस (फेस कैप्चर), प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना और अपार आईडी सहित विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया. एफआरएस को परिवार को समग्र सहयोग देने वाला एक महत्वपूर्ण माध्यम बताया गया, जबकि प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के तहत गर्भवती महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है ताकि उनके पोषण एवं स्वास्थ्य की आवश्यकताएं पूरी हो सकें.

सेविकाओं को निर्देश दिया गया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में जाकर इन योजनाओं की जानकारी महिलाओं तक पहुंचाएं और अधिक से अधिक पात्र लाभुकों का नामांकन सुनिश्चित करें. विशेष रूप से अपार आईडी के बारे में प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें 3 से 6 वर्ष तक के बच्चों का अपार आईडी बनाना सिखाया गया. यह आईडी बच्चों को आंगनबाड़ी सेवाओं से जोड़ने, पोषण की निगरानी करने और शिक्षा में प्रगति सुनिश्चित करने में सहायक साबित होगी.

इस अवसर पर आंगनबाड़ी सेविकाओं को यह भी बताया गया कि योजनाओं की सही जानकारी और नामांकन की प्रक्रिया गांव-गांव तक पहुंचाना उनकी अहम जिम्मेदारी है. जिला समाज कल्याण पदाधिकारी नीता चौहान ने पत्र के माध्यम से स्पष्ट किया कि यह विशेष जागरूकता अभियान केवल जानकारी प्रदान करने तक सीमित नहीं है, बल्कि महिलाओं और बच्चों को आत्मनिर्भर, सुरक्षित और स्वस्थ बनाने की दिशा में एक ठोस पहल है. यह अभियान क्षेत्र के महिलाओं और बच्चों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में सहायक सिद्ध होगा.

राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों की भूमिका अहम : डॉ. मेहता

शुभम संदेश । मेदिनीनगर

मेदिनीनगर स्थित ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल में शिक्षक सम्मान समारोह बड़े ही धूमधाम और गरिमा के साथ मनाया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल के प्राचार्य डॉ. ए.के. सिंह ने की, जबकि संचालन का दायित्व प्रताप हालदार और भारत लाल वर्मा ने संयुक्त रूप से निभाया. समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ, जिसमें विद्यालय की निदेशक शाह पाखी, पांकी विधायक डॉ. कुशवाहा शशि भूषण मेहता समेत अन्य गणमान्य अतिथियों ने भाग लिया.

इस अवसर पर विधायक डॉ. मेहता ने कहा कि शिक्षक समाज के हर वर्ग के बच्चों को बिना भेदभाव शिक्षित करके राष्ट्र निर्माण की मजबूत नींव रखते हैं. उन्होंने शिक्षक की तुलना एक कुम्हार से की जो मिट्टी को आकार देकर सुंदर बर्तन बनाता है, वैसे ही शिक्षक छात्रों को गढ़ते हैं. उन्होंने कहा कि शिक्षा से बढ़कर कोई संपत्ति नहीं है, और संस्कारयुक्त शिक्षा बच्चों के भविष्य की दिशा तय करती है.

विधायक ने शिक्षकों को मोबाइल से दूर रहकर पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित करने की अपील की. साथ ही उन्होंने शिक्षक दिवस के अवसर पर विद्यालय शिक्षकों के लिए महंगाई भत्ता 28% से बढ़ाकर 38% करने की घोषणा की, जिससे शिक्षकों में खुशी की लहर दौड़ गई. उन्होंने आश्वासन दिया कि वे शिक्षकों को सम्मानजनक वेतन दिलाने के लिए भी निरंतर प्रयास करेंगे.

प्राचार्य डॉ. सिंह ने भी शिक्षक दिवस की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षक खुद जलकर दूसरों के जीवन में प्रकाश भरते हैं. इस अवसर पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए. पम्मी मजूमदार ने 'सत्यम शिवम सुंदरम' गीत गाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया, वहीं गौरव कुमार ने भी मनमोहक गीत प्रस्तुत किए. छात्रों द्वारा प्रस्तुत नृत्य, कविता और नाटक ने समां बांध दिया. शिक्षक सोनू दास, बबलू प्रजापति, रश्मि सिंह, सोनू कुमार, नवीन गौरव, दिलीप मिश्रा समेत सभी शिक्षकों और स्टाफ को सम्मानित किया गया.

ब्रीफ न्यूज

फुटबॉल टूर्नामेंट का चैंपियन बनी पुरनी पेटो की बी टीम

केरेडारी। पेटो पंचायत के बुढ़िया माता मंदिर प्रांगण के पास शुक्रवार को बुढ़िया माता फुटबॉल टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला खेला गया. मुख्य अतिथि मुखिया कौशल्या देवी की उपस्थिति में पुरनी पेटो बी टीम और चट्टी पेटो टीम के बीच रोमांचक मुकाबला हुआ. दोनों टीमों ने बराबरी का खेल दिखाया और कोई भी गोल नहीं कर पाया. अंततः पेनाल्टी शूटआउट में पुरनी पेटो बी टीम ने 2-0 से जीत दर्ज कर टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया. मुखिया कौशल्या देवी ने कहा कि युवाओं में पढ़ाई के साथ-साथ खेल और स्वास्थ्य भी जरूरी है.

दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर, तीन की दर्दनाक मौत

चतरा। झारखंड के चतरा जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-100 पर शनिवार को दो बाइकों के बीच हुई आमने-सामने की टक्कर में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई. यह दर्दनाक सड़क हादसा सिमरिया थाना क्षेत्र के शीला के पास तलसा स्कूल के समीप हुआ. घटना के बाद शीला पिकेट प्रभारी राहुल दुबे पुलिस दल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को हजारीबाग सदर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया. मृतकों में एक की पहचान वीरेंद्र गंझू उर्फ बिल्ला के रूप में हुई है, जो सिमरिया के गोवा खुर्द गांव का निवासी था और बस में कंडक्टर का काम करता था. अन्य दो मृतकों की पहचान अभी नहीं हो सकी है. दोनों के शवों को हजारीबाग मेडिकल कॉलेज के शीतगृह में सुरक्षित रखा गया है.

छापेमारी में जुआरी गिरफ्तार, 10 बाइक और नकदी जब्त

हंटरगंज (चतरा)। वशिष्ठ नगर थाना पुलिस ने शुक्रवार रात बारा गांव में जुआ खेलते एक युवक को गिरफ्तार किया. मौके से दस बाइक, 9,100 नकद, छह बंडल ताश की गड्डी, एक इलेक्ट्रॉनिक मशीन व दो पासबुक बरामद की गई. पुलिस छापेमारी के दौरान अन्य जुआरी अंधेरे का लाभ उठाकर फरार हो गए. गिरफ्तार युवक सोनू चौधरी (32), पिता उपेंद्र चौधरी, ग्राम बारा निवासी है. कांड संख्या 60/25 के तहत मामला दर्ज कर शनिवार को जेल भेजा गया. यह कार्रवाई डीएसपी अमिता लकड़ा के नेतृत्व में की गई.

आईसेक्ट विवि में शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन, कुलपति ने कहा- शिक्षक समाज की रीढ़

शुभम संदेश। हजारीबाग

आईसेक्ट विश्वविद्यालय, हजारीबाग में शिक्षक दिवस के अवसर पर शनिवार को मुख्य कैंपस के सभागार में शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. इस विशेष आयोजन में विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा सभी प्राध्यापक–प्राध्यापिकाओं एवं कर्मचारियों को उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया. पूरा परिसर उत्साह, गर्व और श्रद्धा से भरा रहा.

समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. पी.के. नायक ने शिक्षकों और कर्मचारियों के योगदान को सराहते हुए कहा कि शिक्षक समाज की रीढ़ होते हैं. उन्होंने कहा कि आईसेक्ट विश्वविद्यालय में शिक्षक केवल पाठ्यक्रम नहीं पढ़ाते, बल्कि छात्रों को जीवन के मूल्य, अनुशासन और उद्देश्य की ओर मार्गदर्शन करते हैं. उन्होंने शिक्षकों को विश्वविद्यालय की प्रगति और विकास का आधार स्तंभ बताया.

कुलसचिव डॉ. मुनीष गोविंद ने अपने संबोधन में कहा कि हमारे प्राध्यापक और कर्मचारी विश्वविद्यालय की धड़कन हैं. उन्हीं की कड़ी मेहनत और निष्ठा के कारण आईसेक्ट विश्वविद्यालय शिक्षा, शोध और नवाचार के क्षेत्र में निरंतर प्रगति कर रहा है. उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय का लक्ष्य शिक्षा की गुणवत्ता में निरंतर सुधार लाना और छात्रों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाना है.

कार्यक्रम का मंच संचालन पीआरओ मो. शमीम अहमद ने सफलतापूर्वक किया. शिक्षक सम्मान समारोह न केवल शिक्षकों के सम्मान का प्रतीक रहा, बल्कि शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का एक प्रेरणादायक प्रयास भी सिद्ध हुआ.

विवेकानंद आइडियल पब्लिक स्कूल में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया शिक्षक दिवस, प्रतिभाओं ने बटोरी तालियां

मरकच्चो (कोडरमा)। रामकृष्ण विवेकानंद एजुकेशनल ट्रस्ट द्वारा संचालित विवेकानंद आइडियल पब्लिक स्कूल, नवादा चौक धरगांव में शिक्षक दिवस बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया. कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की तस्वीर पर माल्यार्पण एवं पुष्पार्पण से हुई. वर्ग दशम की छात्राओं शैला परवीन, सब्बू परवीन और सपना कुमारी ने गुरु महिमा पर भावपूर्ण गीति आलेख प्रस्तुत कर श्रोताओं को भावविभोर कर दिया. शिक्षकों और विद्यार्थियों ने डॉ. राधाकृष्णन की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए पारंपरिक ढंग से चंदन तिलक एवं दीप प्रज्वलन कर उनका जन्मदिन मनाया. इस अवसर पर विद्यालय में सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का भी आयोजन हुआ. इसमें वर्ग अष्टम के आयुष कुमार शर्मा (पिताः अशोक शर्मा) ने 92 अंक लाकर प्रथम स्थान प्राप्त किया. सूरज कुमार (वर्ग अष्टम, 88 अंक) द्वितीय और शिवानी कुमारी (वर्ग नवम) व अरविंद कुमार यादव (वर्ग अष्टम) ने 86 अंक प्राप्त कर संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया.

शिक्षक दिवस पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन, बच्चों ने पेश किए शानदार कार्यक्रम

मरकच्चो (कोडरमा)। शिक्षक दिवस के अवसर पर दशारो खुर्द स्थित जी.वी.एम. हाई स्कूल में शनिवार को भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का शुभारंभ मुखिया प्रतिनिधि सुरेंद्र यादव और सभी शिक्षकों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया. इस दौरान पूर्व राष्ट्रपति और महान दार्शनिक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को श्रद्धापूर्वक याद किया गया. कार्यक्रम का संचालन दसवीं की छात्रा ने किया. बच्चों ने राधा कैसे न जले, घूमर नृत्य, ढोलिया मिक्स नृत्य, चुनरी चुनरी नृत्य समेत कई सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिन्होंने सभी का मन मोह लिया. नृत्य, गीत, नाटक और भाषण के माध्यम से विद्यार्थियों ने शिक्षक दिवस का महत्व बखूबी दर्शाया. प्राचार्य राजेंद्र यादव ने कहा कि शिक्षक समाज की रीढ़ होते हैं और वे विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखते हैं. उन्होंने बच्चों को अनुशासन, मेहनत और संस्कार अपनाने की प्रेरणा दी.

उपायुक्त ने कुंदा प्रखंड के विभिन्न स्थलों का किया औचक निरीक्षण

शुभम संदेश। चतरा

उपायुक्त कीर्तिश्री ने शनिवार को कुंदा प्रखंड के कई महत्वपूर्ण स्थलों का दौरा कर व्यवस्थाओं और परियोजनाओं का निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने महादेव मठ मंदिर परिसर एवं आसपास चल रही परियोजनाओं का बारीकी से जायजा लिया. उन्होंने महादेव मठ को धार्मिक और ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थल बताते हुए इसे पर्यटन के क्षेत्र में विकसित करने की योजना पर जोर दिया. महादेव मठ परिसर में मनरेगा पार्क निर्माण और सीसीटीवी कैमरे लगाने पर सहमति बनी, जिससे सुरक्षा और विकास दोनों में सुधार होगा. इसके बाद उपायुक्त ने ऐतिहासिक राजा किला का भी निरीक्षण किया और अधिकारियों से संरक्षण एवं विकास को लेकर महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं.

उपायुक्त ने उत्क्रमित प्लस टू उच्च विद्यालय का भी निरीक्षण किया, जहां छात्रों के लिए आयोजित ₹प्रोजेक्ट रेल परीक्षा₹ की व्यवस्था का जायजा लिया गया. प्रोजेक्ट रेल परीक्षा के अंतर्गत बच्चों की अध्ययन प्रगति का नियमित मूल्यांकन किया जाता है, जिसका उद्देश्य उनकी शैक्षणिक दक्षता को समझना और कमियों को दूर करना है. निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने विद्यार्थियों से बातचीत कर उनकी पढ़ाई की स्थिति पर चर्चा की और मेहनत करने के लिए प्रोत्साहित किया.

कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय का निरीक्षण करते हुए उपायुक्त को पता चला कि बरसात के दिनों में अधूरे भवन के कारण छात्राओं को पढ़ाई में दिक्कतें आ रही हैं. उन्होंने निर्माण कार्य शीघ्र पूरा करने और बेहतर शैक्षणिक माहौल उपलब्ध कराने के लिए प्रशासनिक सहयोग का आश्वासन दिया.

इस अवसर पर उपायुक्त ने जेएसएलपीएस के सखी मंडल द्वारा संचालित टमाटर की खेती का भी निरीक्षण किया. उन्होंने मंडल की महिलाओं से बातचीत कर उनके आय वृद्धि एवं आत्मनिर्भरता के प्रयासों की सराहना की. साथ ही, सखी मंडल के बीसी संचालन केंद्र का निरीक्षण कर उसकी गतिविधियों की जानकारी भी ली.

निरीक्षण कार्यक्रम में अपर समाहर्ता अरविंद कुमार, एसडीओ चतरा जहूर आलम, प्रखंड विकास अधिकारी कुंदा साकेत कुमार सिन्हा, अंचलाधिकारी दीपक कुमार मिश्रा, प्रखंड प्रमुख कमला देवी, पंचायत प्रतिनिधि, मुखिया, वार्ड सदस्य सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं पदाधिकारी उपस्थित थे. उपायुक्त की यह पहल कुंदा प्रखंड के विकास और जनसुविधाओं में सुधार के लिए अहम मानी जा रही है.

सीओ से खेल मैदान बचाने की लगाई गुहार

मरकच्चो (डोमचांच)। बच्छेडीह पंचायत के बिंडोमोह गांव के ग्रामीणों ने डोमचांच अंचलाधिकारी को आवेदन देकर उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय बिंडोमोह स्थित खेल मैदान को बचाने की मांग की है.

दबंग शिक्षक पर अवैध कब्जे का आरोप

आवेदन में कहा गया है कि लगभग 9 डिसमिल भूमि पर सहायक शिक्षक सुरेश दास और उनके परिवार के सदस्य अवैध कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं. यह भूमि गैरमजरुआ आम किस्म की है और इस पर विद्यालय भवन, बच्चों का खेल मैदान तथा डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा समेत चबूतरा और पेयजल विभाग का चापाकल भी है, जिसका उपयोग गांव के लोग कई वर्षों से करते आ रहे हैं.

ग्रामीणों का कहना है कि दबंग शिक्षक अपने पद का दुरुपयोग करते हुए जमीन पर कब्जा जमाना चाहते हैं, जिससे ग्रामीणों में आक्रोश है. उन्होंने सीओ से इस मामले की गंभीर जांच और शिक्षक के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है.

शिकायत की एक प्रति नवलशाही थाना में भी दी गई है. आवेदन में महेंद्र पासवान, रघु पासवान, उपेंद्र पासवान सहित कई ग्रामीणों के हस्ताक्षर हैं.

एक नजर

ध्वजाधारी धाम में 115 वर्षीय संत अवध बिहारी दास का पावन आगमन, श्रद्धालुओं ने लिया आशीर्वाद

कोडरमा। शनिवार को ध्वजाधारी धाम पर 115 वर्षीय संत अवध बिहारी दास का आगमन हुआ, जिन्होंने नर्मदा तट स्थित अमरकंटक के गणेश जूना (पुराना धूनी) से आकर यहां आध्यात्मिक शांति और आनंद का अनुभव किया. संत ने महामंडलेश्वर श्री सुखदेव दास से भेंट कर गहन आध्यात्मिक विचार-विमर्श किया. उन्होंने बताया कि 15-20 वर्ष पूर्व भी वे धाम आए थे और आज पुनः आने पर उन्हें गहरा आनंद मिला. महाराष्ट्र के अकोला में चौथी कक्षा तक पढ़ाई करने के बाद भी, उन्होंने कठिनाइयों के बावजूद साधना को जीवन पथ बनाया. संत के आगमन की खबर मिलते ही श्रद्धालुओं की भीड़ जुटी, जिन्होंने उनके चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लिया. इस अवसर पर महामंडलेश्वर श्री मदन मोहन दास, श्री श्याम दास (प्रयागराज) एवं श्री लाल दास भी उपस्थित थे, जिन्होंने संत से मिलकर आशीर्वाद प्राप्त किया.

गुरु पर्व की तैयारी पूरी, खालसा यूथ एसोसिएशन में सजेगा दीवान, लंगर का होगा भव्य आयोजन

हजारीबाग। आगामी 8 सितंबर 2025 (सोमवार) को हजारीबाग की समूह साध संगत द्वारा गुरु पर्व को श्रद्धा, उत्साह और भक्ति भाव से मनाने की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं. यह आध्यात्मिक आयोजन खालसा यूथ एसोसिएशन के दीवान हाल में बड़े ही श्रद्धापूर्ण वातावरण में संपन्न होगा. मीडिया प्रभारी रोहित बजाज ने जानकारी दी कि कार्यक्रम की शुरुआत शाम 6:30 बजे से रेहरास साहिब के पाठ से होगी, जो करीब 8:30 बजे तक चलेगा. इसके बाद भक्ति भाव से ओत-प्रोत शबद कीर्तन और आरती का आयोजन किया जाएगा, जिसमें साध संगत को आध्यात्मिक भक्ति रस की अनुभूति होगी. कार्यक्रम के उपरांत संगत के लिए गुरु का अटूट लंगर वितरित किया जाएगा. लंगर सेवा में प्रेम, श्रद्धा और सेवा भाव का विशेष ध्यान रखा जाएगा, जिसमें सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया जाएगा.

भद्रकाली मंदिर में पूजा- अर्चना के बाद चतरा पहुंचे आजसू नेता लंबोदर महतो, योजनाओं को लेकर बैठक की

इटखोरी (चतरा)। आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव, उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल संयोजक एवं पूर्व विधायक लंबोदर महतो ने शनिवार को मां भद्रकाली मंदिर में पूजा-अर्चना की. उन्होंने कहा कि वे नियमित रूप से मंदिर में आकर माता का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं. चतरा में पार्टी की जिला स्तरीय बैठक में शामिल होने से पहले वे मंदिर पहुंचे और धार्मिक अनुष्ठान में भाग लिया. पूजा के बाद वे चतरा के लिए रवाना हुए, जहां पार्टी की बैठक में वंचित योजनाओं के क्रियान्वयन और आगामी रणनीति पर चर्चा की गई. बैठक में आजसू नेता लंबोदर महतो ने कहा कि जनता के हक की योजनाएं अगर उन तक नहीं पहुंच रही हैं, तो पार्टी को इसका समाधान खोजना होगा. बैठक में पार्टी को मजबूत करने और जमीनी मुद्दों पर संघर्ष करने पर बल दिया गया. इस मौके पर केंद्रीय संयोजक उमेश सिंह भोगता, पारसनाथ सिंह, संदीप सिंह, राजेश राणा, जिला अध्यक्ष शिवलाल दांगी, उपाध्यक्ष संजय मेहता, सचिव मंटू दांगी, प्रखंड अध्यक्ष बिरजू राणा, मयूरहंड प्रखंड अध्यक्ष सिकंदर मेहता समेत कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे.

बुढ़करमा महोत्सव उत्साह के साथ मनाया गया, सांसद प्रतिनिधि राजीव जायसवाल ने निभाई झारखंडी परंपरा

रामगढ़। चितरपुर प्रखंड के केवट टोला में झारखंड की सांस्कृतिक धरोहर बुढ़करमा महोत्सव पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया गया. इस मौके पर रामगढ़ सांसद प्रतिनिधि सह भाजपा नेता राजीव जायसवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए. उन्होंने करम गीतों की थाप पर महिलाओं और युवाओं संग झूमर नृत्य कर सभी का दिल जीत लिया. राजीव जायसवाल ने कहा कि बुढ़करमा पर्व केवल त्योहार नहीं, बल्कि प्रकृति प्रेम और भाई-बहन के रिश्तों का प्रतीक है. यह झारखंड की समृद्ध संस्कृति का प्रतिनिधित्व करता है. उन्होंने कहा कि "झारखंडी परंपरा का निर्वहन करना हम सभी का दायित्व है." कार्यक्रम स्थल पर राजीव जायसवाल का पारंपरिक रूप से जोरदार स्वागत किया गया. आयोजन में समाजसेवी किशोरी केवट, उमेश प्रजापति, डब्लू साव, नेपाली केवट, अरुण मिर्धा, मिक्की चौधरी, रवि प्रजापति, बच्चन प्रजापति सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे. सभी ने मिलकर सौहार्द्र के साथ इस पर्व को सफल बनाया.

उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय फसियारीटांड से सोलर पैनल चोरी, एचएम ने थाने में दर्ज कराई शिकायत

हंटरगंज (चतरा)। गेरुआ पंचायत स्थित उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय फसियारीटांड में शुक्रवार रात अज्ञात चोरों ने छत पर लगे तीन सोलर पैनल चुरा लिए. चोर बाउंड्री वॉल फांदकर विद्यालय परिसर में घुसे और छत पर चढ़कर सोलर पैनल खोल ले गए. शनिवार सुबह जब विद्यालय प्रधानाध्यापक रणजीत दास स्कूल पहुंचे तो चोरी का पता चला. उन्होंने हंटरगंज थाना में अज्ञात चोरों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है. उन्होंने बताया कि आसपास काफी खोजबीन की गई, पर कोई सुराग नहीं मिला.

कोडरमा रेलवे स्टेशन पर बड़ा हादसा टला, फुट ओवरब्रिज गिरा मालगाड़ी पर

शुभम संदेश। कोडरमा

झारखंड के कोडरमा रेलवे स्टेशन पर शनिवार को एक बड़ा हादसा टल गया जब पुराने फुट ओवरब्रिज को हटाने के दौरान उसका एक हिस्सा पटरी पर खड़ी मालगाड़ी पर जा गिरा. यह हादसा शाम करीब चार बजे प्लेटफॉर्म नंबर सात पर हुआ, जिससे स्टेशन परिसर में अफरा-तफरी मच गई.

दरअसल, कोडरमा रेलवे स्टेशन का अपग्रेडेशन कार्य अमृत भारत योजना के तहत किया जा रहा है. इसी क्रम में पुराने पैदल पुल को हटाया जा रहा था। पुल को हटाने के लिए क्रेन का उपयोग किया जा रहा था, तभी अचानक क्रेन की केबल टूट गई. नतीजतन, पुल का एक हिस्सा संतुलन खो बैठा और सीधे नीचे खड़ी मालगाड़ी पर जा गिरा.

गनीमत रही कि इस दौरान किसी पैसेंजर ट्रेन की आवाजाही नहीं हो रही थी और न ही कोई यात्री पुल या पटरी के आसपास मौजूद था, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई. यदि यह पुल किसी यात्री ट्रेन पर गिरता, तो बड़ा हादसा हो सकता था. रेलवे प्रशासन की ओर से घटनास्थल पर तत्काल जांच टीम भेजी गई और क्षतिग्रस्त पुल के हिस्से को हटाने का कार्य शुरू किया गया. स्टेशन पर मौजूद यात्रियों और रेलवे कर्मियों में इस घटना को लेकर दहशत का माहौल रहा. रेलवे विभाग ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं और सुरक्षा मानकों की समीक्षा की जा रही है.

आम्रपाली परियोजना में बिना अनापत्ति 33 केवीए लाइन के कार्य पर ग्रामीणों का विरोध, उपायुक्त को पत्र सौंपा

चतरा। टंडवा प्रखंड क्षेत्र में आम्रपाली-चंद्रगुप्त परियोजना के तहत बिना विभागीय अनापत्ति के 33 केवीए हाईटेंशन लाइन का टेंडर निकालने से ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया है. टेंडर धारक पीआइजीएल जीईपीएल/गणेश इलेक्ट्रिकल्स प्राइवेट लिमिटेड पर सरदु के भू-रैयतों ने डरा-धमकाकर काम करने का आरोप लगाते हुए उपायुक्त चतरा को आवेदन सौंपा है. आवेदन की प्रतिलिपि चतरा एसी, सिमरिया एसडीओ और टंडवा थाना प्रभारी को भी दी गई है.ग्रामीणों का कहना है कि बिना विभागीय अनापत्ति और मुआवजा दिए टेंडर जारी किया गया है, जिसे तत्काल रद्द किया जाना चाहिए. वहीं, वन विभाग ने 304/2023 के तहत अम्रपाली जीएम, संवेदक और कर्मियों पर वन अतिक्रमण के आरोप में मुकदमा दर्ज कर सामान जब्त कर लिया है, जिसकी न्यायिक प्रक्रिया जारी है.

जीएसटी स्लैब में कटौती आमजन के प्रति केंद्र सरकार की संवेदनशीलता का परिचायक : बाबूलाल

शुभम संदेश। हजारीबाग

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सह नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने शनिवार को हजारीबाग परिसदन भवन में प्रेस वार्ता की. इस दौरान उन्होंने हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा जीएसटी स्लैब में की गई कटौती को गरीब और मध्यमवर्गीय जनता के लिए राहत भरा कदम बताया.

श्री मरांडी ने कहा कि भारत सरकार हमेशा आम जनता, महिलाओं और बच्चों के हित में फैसले लेती रही है, और इसी सोच के तहत जीएसटी में कमी कर जीवन से जुड़ी आवश्यक वस्तुओं को सस्ता बनाया गया है. उन्होंने कहा कि इंश्योरेंस को भी अब पूरी तरह जीएसटी के दायरे से बाहर कर दिया गया है, जिससे आम लोगों को बड़ी राहत मिलेगी.

पत्रकारों द्वारा सूर्या हांसदा प्रकरण पर सवाल पूछे जाने पर उन्होंने कहा, "दो दिन बाद सब साफ हो जाएगा." हालांकि उन्होंने इस पर ज्यादा टिप्पणी करने से परहेज किया. वहीं, रिम्स टु मामले पर पूछे गए सवाल को उन्होंने टालते हुए जवाब नहीं दिया.

घाटशिला उपचुनाव पर बोलते हुए बाबूलाल मरांडी ने कहा कि भाजपा पूरी तरह से चुनाव की तैयारी में जुटी हुई है. चंपई सोरेन के बेटे के चुनाव लड़ने के सवाल पर उन्होंने तंज कसते हुए कहा, "बेटा तो सबका होता है, देखते हैं आगे क्या होता है." प्रेस वार्ता के दौरान श्री मरांडी का रुख आत्मविश्वास से भरा रहा. उन्होंने झारखंड सरकार पर भी निशाना साधा, हालांकि उन्होंने सीधे तौर पर किसी का नाम नहीं लिया. उन्होंने कहा कि जनता अब समझ चुकी है कि कौन उनके हित में काम कर रहा है और कौन नहीं. इस दौरान भाजपा के कई वरिष्ठ नेता, जिला पदाधिकारी व स्थानीय कार्यकर्ता भी मौजूद थे.

राज्य के नवनिर्माण के लिए झारखंडवासियों को एकजुट होना होगा: राजीव जायसवाल

शुभम संदेश । रामगढ़

गोला प्रखंड के टोनागातू टोला में परंपरागत उल्लास के साथ बुढ़करमा महोत्सव मनाया गया. इस अवसर पर रामगढ़ जिला सांसद प्रतिनिधि व युवा नेता राजीव जायसवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए. कार्यक्रम स्थल पर उनका ढोल-नगाड़ों के साथ पारंपरिक स्वागत किया गया. राजीव जायसवाल ने करम गीतों की थाप पर झूमर नृत्य कर स्थानीय महिलाओं और युवाओं के साथ उत्सव का आनंद लिया. संबोधन में उन्होंने कहा कि बुढ़करमा झारखंड की सांस्कृतिक विरासत है, जो भाई-बहन के रिश्ते और प्रकृति

संरक्षण का संदेश देता है.

उन्होंने कहा कि "राज्य के नवनिर्माण के लिए हमें एकजुट होकर कार्य करना होगा. पर्व और त्योहार सामाजिक सौहार्द्र का संदेश देते हैं." महोत्सव में सुनील राज चक्रवर्ती, प्रीतम झा, सूरज वर्मा, सुमित मुंडा, लालबहादुर महतो समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे.

रेलवे के नोटिस से बरकाकाना बाजार में मचा हड़कंप, विरोध में सभी दुकानें बंद रहीं

रामगढ़। बरकाकाना रेलवे स्टेशन के सौंदर्यीकरण योजना के तहत रेलवे प्रबंधन द्वारा फुटबॉल मैदान से बजरंगबली मंदिर तक रेल भूमि पर बने अवैध दुकानों, मकानों व खटालों को 72 घंटे में खाली करने का नोटिस चिपकाए जाने से बाजार में हड़कंप मच गया. विरोध में सोमवार को दुकानदार संघ के आह्वान पर बरकाकाना की सभी दुकानें बंद रहीं. दुकानदारों का कहना है कि वे पिछले 40 वर्षों से दुकान लगाकर जीवन यापन कर रहे हैं. उनका आरोप है कि रेलवे ने अनावश्यक रूप से अधिक लोगों को नोटिस भेजा है. दुकानदारों की मांग है कि रेलवे बाहरी क्षेत्र में स्थायी दुकानें बनाकर उन्हें पुनः आवंटित करे ताकि आजीविका प्रभावित न हो. कांग्रेस जिला अध्यक्ष मुन्ना पासवान ने आंदोलन का नेतृत्व करते हुए कहा कि पर्व-त्योहार के इस समय में रेलवे का यह फैसला अन्यायपूर्ण है और यदि जबरन हटाया गया तो सड़क से सदन तक आंदोलन होगा। आजसू नेता हरेश राय ने भी रेलवे की कार्रवाई को प्रताड़ना बताया.

बैठक

संगठन सृजन 2025 कांग्रेस के लिए मील का पत्थर साबित होगा : सुदीप राय बर्मन

कार्यकर्ता ही संगठन की रीढ़, इन्हीं के बल पर जीतते हैं चुनाव : जयप्रकाश

शुभम संदेश। चरही

चुरचू प्रखंड कांग्रेस कमिटी के तत्वावधान में शनिवार को सीसीएल ऑफिसर क्लब परिसर में ₹संगठन सृजन 2025₹ को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया. बैठक की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष मोहम्मद नौशाद आलम ने की. मुख्य अतिथि के रूप में एआईसीसी द्वारा नियुक्त हजारीबाग जिला पर्यवेक्षक और त्रिपुरा के अगरतल्ला विधायक सुदीप राय बर्मन मौजूद रहे.

अपने संबोधन में बर्मन ने कहा कि संगठन सृजन 2025 कांग्रेस के लिए मील का पत्थर साबित होगा. पार्टी का उद्देश्य जिला, प्रखंड, पंचायत और बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करना है. उन्होंने कहा कि इस बार संगठन में युवा, अल्पसंख्यक, ओबीसी, एसटी, एससी और महिलाओं को समुचित प्रतिनिधित्व दिया जाएगा, जिससे पार्टी में नई ऊर्जा का संचार हो.

पूर्व मंत्री जयप्रकाश भाई पटेल ने कहा कि कार्यकर्ता ही संगठन की रीढ़ होते हैं. जब संगठन मजबूत होता है, तब चुनाव में विजय का परचम लहराना आसान होता है. वहीं पूर्व मंत्री जलेश्वर महतो ने कहा कि देश के मौजूदा हालात में कांग्रेस की भूमिका बेहद अहम है. राहुल गांधी संविधान बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं जबकि भाजपा संविधान को कमजोर करने में जुटी है.

कार्यक्रम में झारखंड प्रदेश कांग्रेस के पर्यवेक्षक सुधीर कुमार चंद्रवंशी, वरिष्ठ नेता आलोक कुमार दुबे, प्रदेश उपाध्यक्ष भीम कुमार समेत कई नेताओं ने अपने विचार रखे. संचालन मीडिया अध्यक्ष निसार खान ने किया और धन्यवाद ज्ञापन प्रखंड उपाध्यक्ष चोलेश्वर महतो ने किया. इस मौके पर चुरचू प्रखंड प्रमुख निरंजन प्रसाद नायक, मुखिया देवकी महतो, जिला उपाध्यक्ष लेखराज सिंह, महासचिव जयप्रकाश यादव, मंडल अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह, विष्णुगढ़ प्रखंड अध्यक्ष अब्बास अंसारी, गुलचंद महतो, राजकिशोर महतो, फिरोज अंसारी, शाद अंसारी, रामेश्वर महतो, साद करीम, कौसर अंसारी समेत सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे.

बालू घाट की ई-नीलामी 23 सितंबर को होगी

हजारीबाग। उपायुक्त के निर्देश पर समाहरणालय सभागार में बालू घाट की ई-नीलामी प्रक्रिया से संबंधित प्री-बीड बैठक आयोजित की गई. बैठक की अध्यक्षता अपर समाहर्ता ने की, जबकि संचालन जिला खनन पदाधिकारी द्वारा किया गया. बैठक में ई-टेंडरिंग प्रक्रिया के तहत भाग लेने वाले इच्छुक उद्यमियों को निविदा भरने की ऑनलाइन प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेज अपलोड करने, अग्रिम धनराशि जमा करने और सभी शर्तों का पालन करने की जानकारी दी गई. बताया गया कि नीलामी प्रक्रिया की शुरुआत 07 सितंबर 2025 सुबह 11 बजे से होगी और अंतिम तिथि 18 सितंबर 2025 शाम 5:00 बजे निर्धारित की गई है. इसके बाद तकनीकी प्रस्तावों की जांच के उपरांत 20 सितंबर को वित्तीय प्रस्ताव का मूल्यांकन किया जाएगा। अंततः 23 सितंबर 2025 को ई-नीलामी आयोजित की जाएगी.

उपायुक्त ने टाटीझरिया प्रखंड का किया व्यापक निरीक्षण

शिक्षा, स्वास्थ्य, मनरेगा और बागवानी योजनाओं पर दिया विशेष जोर

हजारीबाग। उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह ने टाटीझरिया प्रखंड का आज विस्तृत भ्रमण कर विभिन्न विभागों की योजनाओं का निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने मनरेगा योजनाओं की प्रगति, शैक्षणिक संस्थानों, पंचायत सचिवालय, स्वास्थ्य केंद्र और बागवानी योजना की स्थिति का गहन मूल्यांकन किया.

पंचायत सचिवालय का निरीक्षण : उपायुक्त ने टाटीझरिया पंचायत सचिवालय का दौरा किया, जहां खराब हालत में पड़े जेनरेटर को तुरंत ठीक करने का आदेश दिया. उन्होंने जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र पंजीकरण, पेयजल एवं शौचालय की स्थिति भी जाँची. जांच के दौरान पता चला कि पंचायत सचिव अपने कार्यालय का यूजर आईडी अन्य व्यक्ति को देकर काम करवा रहे हैं, जिस पर उपायुक्त ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए स्पष्टीकरण नोटिस जारी करने का निर्देश दिया.

स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण : टाटीझरिया स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टरों की उपस्थिति, जीवन रक्षक दवाओं की उपलब्धता, ओपीडी संचालन और मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं का मूल्यांकन किया गया. उपायुक्त ने मरीजों से संवाद कर सेवा की गुणवत्ता का जायजा लिया. साथ ही, स्वास्थ्य केंद्र की साफ-सफाई और चिकित्सकों के लिए बन रहे क्वार्टर की स्थिति का भी निरीक्षण किया.

विद्यालयों एवं आंगनवाड़ी केंद्रों का निरीक्षण : राजकीयकृत मध्य विद्यालय, उत्क्रमित उच्च विद्यालय और आंगनवाड़ी केंद्रों का निरीक्षण करते हुए उपायुक्त ने मिड-डे-मिल की गुणवत्ता जांची, बच्चों के ड्रॉपआउट को पुनः नामांकन के प्रयासों की जानकारी ली. उन्होंने शिक्षकों को सिलेबस के अनुसार पढ़ाई पूर्ण कराने के निर्देश दिए.

गुमला के जिला खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी ने तीन बाल गृहों का औचक निरीक्षण किया

खाद्य सामग्री के सैंपल जांच के लिए भेजे गए, गुणवत्ता में कमी पर होगी कार्रवाई

शुभम संदेश । गुमला

बच्चों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए शनिवार को जिला खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी प्रकाश चंद्र गुग्गी द्वारा गुमला जिले के तीन प्रमुख बाल देखभाल संस्थानों, बालिका गृह शिलम, खुशमारना बालगृह (लोहरदगा रोड) और नारी निकेतन तिर्रा का औचक निरीक्षण किया गया.

इस दौरान इन संस्थानों में उपयोग की जा रही खाद्य सामग्री की गुणवत्ता की गहनता से जांच की गई. निरीक्षण के दौरान बालिका गृह शिलम से सूजी, सत्तू और दलिया तथा खुशमारना बालगृह से सोयाबीन और मसूर दाल के सैंपल लिए गए, जिन्हें लैब भेजा गया है.

पदाधिकारी ने स्पष्ट किया कि जांच में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी पाए जाने पर संबंधित खाद्य आपूर्तिकर्ता (वेंडर) के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी. उन्होंने निर्देश दिया कि बच्चों को जो भी खाद्य सामग्री दी जाती है, वह पौष्टिक, गुणवत्तापूर्ण और शुद्ध होनी चाहिए. खाद्य पैकेट पर

लाइसेंस नंबर, निर्माण और समाप्ति तिथि का उल्लेख स्पष्ट रूप से होना आवश्यक है. इसके साथ ही पेयजल की समय-समय पर जांच कराने, रसोईघर और भोजन परोसने के स्थानों को स्वच्छ रखने तथा नियमित पेस्ट कंट्रोल कराने का सख्त निर्देश भी दिया गया. कर्मचारियों को एप्रन, ग्लव्स और हेडगियर पहनकर ही भोजन तैयार और परोसने की बात कही गई. यह सुनिश्चित करना कि बच्चों को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण मिले, संस्थान की जिम्मेदारी है.

पदाधिकारी ने कहा कि यह निरीक्षण महज औपचारिकता नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करने की एक गंभीर पहल है कि बालगृहों में रह रही बच्चियों और बच्चों को किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनदेखी का सामना न करना पड़े. उन्होंने दोहराया कि यदि भविष्य में कोई भी संस्था गुणवत्ता या स्वच्छता मानकों में कोताही बरतती है, तो उस पर सख्त कार्रवाई की जाएगी. निरीक्षण का उद्देश्य बच्चों के समुचित पोषण, सुरक्षा और स्वास्थ्य की रक्षा सुनिश्चित करना है, ताकि उन्हें एक सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर मिल सके.

अंचल दिवस पर जन समस्याओं का त्वरित समाधान और लाभुकों के बीच परिसंपत्ति का वितरण

शुभम संदेश । रायडीह (गुमला)

शनिवार को रायडीह प्रखंड में आयोजित अंचल दिवस कार्यक्रम में उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित की अध्यक्षता में जन समस्याओं की सुनवाई एवं परिसंपत्ति वितरण का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में जिले के कई वरीय पदाधिकारी जैसे अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी गुमला, भू-अर्जन पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी सहित अन्य विभागीय कर्मी उपस्थित रहे.

उपायुक्त ने कार्यक्रम के दौरान आम जनता से सीधे संवाद स्थापित किया और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना. मौके पर ही अधिकतर समस्याओं का समाधान करने के लिए संबंधित अधिकारियों को दिशा-निर्देश भी दिए गए. कार्यक्रम में कुल 27 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 14 आवेदनों का त्वरित समाधान मौके पर ही कर दिया गया, जबकि शेष 13 आवेदनों को विस्तृत जांच हेतु संबंधित विभागों को अग्रसारित किया गया. इसके अतिरिक्त, जिला स्तरीय जनशिकायत निवारण दिवस से प्राप्त 5 आवेदनों में से 2 का समाधान भी इस अवसर पर किया गया. प्रमाण पत्र वितरण भी रहा मुख्य आकर्षण नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम स्थल पर ही ऑन द स्पॉट प्रमाण पत्र निर्गत किए गए. इनमें 5 जाति प्रमाण पत्र, 3 आय प्रमाण पत्र और 3 आवासीय प्रमाण पत्र शामिल रहे. भूमि विवाद के 4 मामलों पर विस्तृत जांच के निर्देश दिए गए, वहीं पंजी-II सुधार के एक मामले का त्वरित निष्पादन किया गया. लाभुकों को परिसंपत्तियां और प्रशस्ति पत्र वितरित कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित द्वारा विभिन्न सरकारी योजनाओं से लाभान्वित 16 लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों और प्रशस्ति पत्रों का वितरण भी किया गया. उपायुक्त ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिया कि जन समस्याओं के समाधान में किसी प्रकार की ढिलाई न हो और सभी आवेदनों की त्वरित एवं पारदर्शी जांच कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए.

जन भावना और पुराने रिकॉर्ड पर होगा जिला अध्यक्ष का चुनाव : शर्मा

शुभम संदेश । गुमला

कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान के राष्ट्रीय पर्यवेक्षक और राजस्थान के पूर्व मंत्री डा. रघु शर्मा ने कहा है कि इस बार कांग्रेस के जिला अध्यक्ष के चुनाव में जन भावना और पुराने रिकॉर्ड को प्राथमिकता दी जाएगी. उन्होंने बताया कि संगठन विस्तार के लिए कांग्रेस नेतृत्व संवेदनशीलता के साथ काम कर रहा है. अहमदाबाद अधिवेशन के बाद प्रत्येक जिले की जिम्मेदारी वरिष्ठ नेताओं को सौंपी गई है ताकि वे जिला, प्रखंड और पंचायत स्तर के कार्यकर्ताओं की राय लेकर छह नामों की सूची केंद्र को भेज सकें. डा. रघु शर्मा ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि प्रभाव या पैरवी के आधार पर नहीं बल्कि आम जनता के फीडबैक के आधार पर ही जिला अध्यक्ष का चयन होगा.

उन्होंने यह भी बताया कि सभी संभावित उम्मीदवारों के सामाजिक, राजनीतिक और व्यक्तिगत रिकॉर्ड की गहन जांच की जाएगी. इसमें आदिवासी, गैर आदिवासी, अल्पसंख्यक, एसटी, एससी, महिला सभी वर्गों के उम्मीदवारों के रिकॉर्ड का समुचित मूल्यांकन होगा. जिन्हें

पार्टी के लिए बेहतर माना जाएगा, उन्हीं को जिला अध्यक्ष बनाया जाएगा. उन्होंने कहा कि आगामी तीन माह में जिला कमेटी का विस्तार करने की चुनौती भी पूरी करनी होगी. इस दौरान प्रेस कॉन्फ्रेंस में हाउसिंग बोर्ड के चेयरमैन संजय लाल पासवान, पूर्व मंत्री बंधु तिर्की, अजय नाथ शाहदेव और जिला अध्यक्ष चैतु उरांव भी उपस्थित थे.

प्रखंड स्तर पर बैठक की समय-सारणी जारी : संगठन पुनर्गठन के तहत पर्यवेक्षक दल गुमला के विभिन्न प्रखंडों का दौरा करेगा. प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने बताया कि 7 सितंबर को कामडारा व बसिया, 8 सितंबर को डुमरी, चैनपुर व जारी, 9 सितंबर को बिशुनपुर व घाघरा, 10 सितंबर को सिसई व भरनो, तथा 11 सितंबर को रायडीह व पालकोट में बैठकें होंगी. इन बैठकों में स्थानीय कार्यकर्ताओं की भावनाएं और फीडबैक लिया जाएगा.

अधिकारों के लिए कई दावेदारों में चुनावी माहौल : गुमला सर्किट हाउस में शनिवार को जिला अध्यक्ष पद को लेकर गहमागहमी देखी गई. कई कांग्रेस कार्यकर्ता अपने-अपने पक्ष में सक्रिय दिखे. वर्तमान अध्यक्ष चैतु उरांव, पूर्व अध्यक्ष रोशन बरवा, रमेश कुमार चीनी, अकिल रहमान, बॉबी भगत, मुख्तार आलम, राजनील तिग्गा सहित अन्य नेताओं ने इस पद के लिए अपनी दावेदारी जताई है. कांग्रेस के गौरवशाली इतिहास को याद करते हुए पार्टी में गैर आदिवासी नेतृत्व की भी चर्चा जोरशोर से हो रही है. इस बार कांग्रेस संगठन में पारदर्शिता और जनप्रतिनिधित्व को बढ़ावा देने के प्रयासों के तहत जिला अध्यक्ष के चुनाव में जनभावना को सर्वोपरि रखा जाएगा.

एक नजर

मां दुधेश्वरी धाम दुर्गापूजा समिति का पुनर्गठन

गुमला । आश्विन शुक्ल पक्ष प्रतिपदा से 22 सितंबर 2025 से शुरू हो रहे शारदीय नवरात्र के मद्देनजर मां दुधेश्वरी धाम परिसर में दुर्गा पूजा समिति की बैठक आयोजित की गई. बैठक में पुरानी कमेटी को भंग कर नया कार्यकारिणी गठन किया गया. डॉ. राजकुमार सिंह को अध्यक्ष और राकेश सिंह को सचिव नियुक्त किया गया. साथ ही उपाध्यक्ष के रूप में मृत्युंजय कुमार, कोषाध्यक्ष अशोक कुमार साहू और कई अन्य सदस्यों को महत्वपूर्ण पद दिए गए. पूजा प्रभारी यशराज सिंह और मनीष कच्छप, पंडाल प्रभारी रमेश गोप, राज गोप सहित कई अन्य सदस्य भी चयनित हुए. मुर्तिकार व सज्जाकार के रूप में राजकुमार प्रजापति और आचार्य भोला दास को नामित किया गया. बैठक में सभी सदस्यों ने भव्य और सफल दुर्गा पूजा आयोजन का संकल्प लिया और मिल-जुलकर काम करने का विश्वास जताया. यह समिति शहर के सोसो मोड़ स्थित मां दुधेश्वरी धाम की प्रतिष्ठा और परंपराओं को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी.

- डॉ. राजकुमार सिंह बने अध्यक्ष

रातू में न्याय आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन

रातू । प्रखंड के रातू पश्चिमी पंचायत अंतर्गत आमटांड़ पंचायत भवन में शनिवार को झालसा के निर्देश एवं डालसा के तत्वावधान में ₹न्याय आपके द्वार₹ कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस अवसर पर ग्रामीणों को जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा) द्वारा दी जाने वाली निःशुल्क विधिक सेवाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में नशा मुक्ति, निःशुल्क सरकारी वकील, लोक अदालत, घरेलू हिंसा, डायन प्रथा, बाल विवाह, बाल मजदूरी, पास्को एक्ट, विकलांग व वृद्धा पेंशन, एवं प्रमाण पत्र बनाने से संबंधित विषयों पर विस्तारपूर्वक जागरूकता फैलाई गई. कार्यक्रम को सफल बनाने में पीएलवी सुनीता देवी, अफरोज अंसारी, पूनम देवी, सुजीता देवी, बेबी देवी, पुष्पलता देवी और प्रीतम सक्सेना का विशेष योगदान रहा। ग्रामीणों ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए ऐसे आयोजन को उपयोगी बताया.

सोनाहातू में दो बाइकों की भीषण टक्कर, दो युवक घायल

सोनाहातू । प्रखंड क्षेत्र के मुरूतडीह गांव के समीप शनिवार को दो बाइकों की सामने से जोरदार टक्कर हो गई. इस हादसे में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए. घायलों की पहचान राजकुमार लोहरा (17 वर्ष), पिता मधुसूदन लोहरा, निवासी मुरूतडीह एवं मनीष कुमार महतो (22 वर्ष), पिता राजेश्वर महतो, निवासी दोकाद, राहे के रूप में हुई है. हादसे में मनीष को सिर, हाथ व कमर में गंभीर चोटें आईं, जबकि राजकुमार के पैर में गंभीर चोट लगी है. घायलों का प्रारंभिक इलाज सीएचसी सोनाहातु में डॉ. अरुण कुमार की देखरेख में किया गया, इसके बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए दोनों को रिम्स रांची रेफर कर दिया गया. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों बाइकों के परखच्चे उड़ गए. सूचना मिलते ही सोनाहातु पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों क्षतिग्रस्त बाइकों को जब्त कर थाना ले गई.

करम ईंद जतरा महोत्सव का भव्य आयोजन : मंत्री

रातू । रातू के होचर पतराटोली ग्राम में ऐतिहासिक करम इंद जतरा महोत्सव का भव्य आयोजन हुआ. इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मंत्री चमरा लिंडा उपस्थित रहे. उन्होंने इस महोत्सव को सरना रत्न दादा स्व वीरेंद्र भगत को श्रद्धांजलि बताते हुए कहा कि यह महोत्सव उनकी सोच और लोगों से उनके गहरे जुड़ाव का प्रमाण है. मंत्री ने इस जतरा को और भव्य बनाने के लिए सरकार की ओर से बड़े कदम उठाने की घोषणा भी की. महोत्सव का विधिवत उद्घाटन सरना रत्न दादा वीरेंद्र भगत के पिता विश्वंभर भगत ने दीप प्रज्वलित कर किया.

शिक्षक प्रशिक्षण संस्थाएं समझें अपनी जिम्मेदारी : भारती

लोहरदगा । अविराम कॉलेज ऑफ एजुकेशन, टिको, कुरु में शिक्षक दिवस के अवसर पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का शुभारंभ सचिव इन्द्रजीत भारती ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया. इसके बाद प्रशिक्षुओं ने सभी शिक्षकों को बैच और पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया और केक काटकर उनका आशीर्वाद लिया. इस अवसर पर सुप्रिया, ईशा, विक्रम आदि ने मनमोहक प्रस्तुतियां दीं.सचिव इन्द्रजीत भारती ने अपने उद्बोधन में कहा कि वर्तमान समय में शिक्षकों का निर्माण करना एक बड़ी जिम्मेदारी है. शिक्षण संस्थानों को समाज को योग्य शिक्षक प्रदान करने का दायित्व निभाना चाहिए. उन्होंने प्रशिक्षुओं को भी यह याद दिलाया कि एक शिक्षक की लापरवाही से सैकड़ों बच्चों और राष्ट्र का भविष्य प्रभावित हो सकता है. उन्होंने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के बहुआयामी व्यक्तित्व और शिक्षक से राष्ट्रपति बनने की प्रेरणादायक यात्रा का उल्लेख किया, जिन्हें उनके अतुलनीय योगदान के लिए भारत रत्न से सम्मानित किया गया. इन्द्रजीत भारती ने कहा कि अविराम कॉलेज सदैव अपने प्रशिक्षुओं में मूल्य, नैतिकता और अनुशासन का संवर्धन करता है.

सुगांव को मॉडल आर्ट विलेज बनाने की घोषणा : सुदेश महतो

शुभम संदेश । तमाड़

शनिवार को आजसू पार्टी सुप्रीमो एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो तमाड़ प्रखंड के चिरूडीह गांव पहुंचे. उन्होंने गांव के होनहार सहराई कलाकार मनीष कुमार महतो के प्रयासों की सराहना की और स्थानीय कला को बढ़ावा देने का भरोसा दिलाया. इस मौके पर उन्होंने मनीष के दिवंगत पिता एवं आजसू पार्टी के पूर्व प्रखंड अध्यक्ष अश्विनी कुमार महतो को श्रद्धांजलि दी। श्री महतो ने गांव का भ्रमण कर घरों की दीवारों पर बनी सहराई चित्रकला का अवलोकन किया और ग्रामीणों से संवाद करते हुए चिरूडीह को मॉडल आर्ट विलेज के रूप में विकसित करने की बात कही. उन्होंने कहा कि मनीष के प्रयास से गांव के कई युवक एवं महिलाएं सहराई कलाकृति से जुड़कर रोजगार के नए अवसर पा रहे हैं. उन्होंने एक ट्रस्ट के माध्यम से कला को संस्थागत रूप देने और इसे रोजगार से जोड़ने की बात कही. इस अवसर पर आजसू पार्टी के केंद्रीय प्रवक्ता संजय मेहता, प्रखंड प्रभारी हीरालाल दास, महिला अध्यक्ष सुनीता देवी समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं कलाकार उपस्थित थे.

सोनाहातू बैठक में संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने का आह्वान

सोनाहातू । प्रखंड के माही वेंकट हॉल में शनिवार को आजसू पार्टी की बैठक आजसू बुद्धिजीवी मंच के प्रखंड अध्यक्ष लखिन्द्र महतो की अध्यक्षता में आयोजित हुई. बैठक में पार्टी सुप्रीमो व पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए झामुमो-कांग्रेस गठबंधन सरकार पर जमकर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार जनता की अपेक्षाओं पर विफल रही है और अब लोगों की उम्मीदें आजसू पार्टी से जुड़ी हैं. सुदेश महतो ने पंचायत एवं ग्राम स्तर तक संगठन को मजबूत करने पर बल देते हुए कहा कि झारखंड में नई राजनीतिक चेतना जगाने की जरूरत है. उन्होंने मौजूदा सरकार को नियोजन, विस्थापन, पुनर्वास और मुआवजा जैसे मुद्दों पर पूरी तरह असफल बताया और कहा कि झारखंड निर्माण का उद्देश्य अब भी अधूरा है.

भ्रष्टाचार के विरोध में 16 सितंबर से आंदोलन शुरू करने का फैसला : विजय सिंह

शुभम संदेश । गुमला

भ्रष्टाचार विरोधी मंच घाघरा के बैनर तले आयोजित बैठक में भ्रष्टाचार के खिलाफ जोरदार आंदोलन की घोषणा की गई. बैठक की अध्यक्षता बसंत उरांव ने की, जिसमें ऑल इंडिया पीपुल्स फ्रंट के प्रभारी और झारखंड नवनिर्माण दल के केंद्रीय संयोजक विजय सिंह मुख्य अतिथि थे. उन्होंने केंद्र एवं राज्य सरकारों की भ्रष्ट नीतियों को कठोर शब्दों में निंदा करते हुए कहा कि ब्लॉक स्तर सहित सरकारी दफ्तर अब खरीद-फरोख्त की दुकान बन चुके हैं. गरीब और वंचित वर्ग को अबुआ आवास जैसे योजना को भी खरीदना पड़ रहा है, जो कतई स्वीकार्य नहीं है. विजय सिंह ने बताया कि भ्रष्टाचार को रोकने के लिए प्रखंड के गांव-गांव में इस लूटखसोट के खिलाफ जागरूकता बढ़ाना जरूरी है. आगामी आंदोलन में आम जनता से हजारों की संख्या में

भागीदारी की उम्मीद है. उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी के खिलाफ उठ खड़े होने का यही सही वक्त है.

बैठक में निर्णय लिया गया कि 8 सितंबर 2025 को घाघरा प्रखंड विकास पदाधिकारी को भ्रष्टाचार से जुड़ी समस्याओं, विशेषकर बैंक ऑफ इंडिया के खाता धारकों को हो रही समस्याओं का ज्ञापन सौंपा जाएगा. इसके साथ ही ब्लॉक में व्याप्त भ्रष्टाचार, लंबित सरकारी कार्यों में हो रही अनियमितताओं तथा मनरेगा एवं 15वीं वित्त आयोग की योजनाओं में भ्रष्टाचार संबंधी शिकायतों की समीक्षा कर उचित कार्रवाई की मांग की जाएगी. 16 सितंबर 2025 को घाघरा ब्लॉक कार्यालय के समक्ष धरना प्रदर्शन कर इस आंदोलन की औपचारिक शुरुआत की जाएगी. इसके बाद पूरे सितंबर माह में भ्रष्टाचार विरोधी मंच का विस्तार कर प्रखंड स्तर पर टीम का गठन किया जाएगा ताकि आंदोलन को मजबूती मिले. बैठक में शिव प्रसाद साहू, संतु मिश्रा, बसंत बड़ाईक, धर्मपाल उरांव, शंकर उरांव, राजू सिंह और जीवन भगत प्रमुख रूप से उपस्थित थे. इस आंदोलन से भ्रष्टाचार मुक्त समाज की दिशा में बड़ा कदम उठाने की उम्मीद जताई जा रही है.

ईद मिलादुन्नबी पर शीरतुन्नबी जलसे का आयोजन, इंसानियत और अमन का दिया पैगाम

इटकी (रांची) । ईद मिलादुन्नबी के मौके पर इटकी के त्रिविंधा चौक में शुक्रवार की रात शीरतुन्नबी जलसे का भव्य आयोजन किया गया. इस जलसे में आसपास के गांवों से सैकड़ों मुस्लिम धर्मावलंबियों ने हिस्सा लिया. कार्यक्रम की शुरुआत कारी इजहार द्वारा तिलावते कलाम पाक से हुई, जिसके बाद नात ख्वान कारी इरफान नय्यर और मोहम्मद कैसर ने अपने नातिया कलाम से लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया. मुख्य अतिथि मौलाना तलहा नदवी ने कहा कि पैगंबर ए इस्लाम हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम का जीवन कुरआन के सिद्धांतों का जीवंत उदाहरण है. उन्होंने पूरी मानव जाति को इंसानियत, भाईचारा और अल्लाह की इबादत का पैगाम दिया. पैगंबर ने जीवन भर गरीबों, लाचारों और जरूरतमंदों की मदद की और कभी किसी के साथ भेदभाव नहीं किया. मौलाना अबु जफर ने मोहम्मद साहब को संपूर्ण मानवता के लिए रहमत बताते हुए कहा कि उन्होंने दुश्मनों से भी नरमी और सच्चाई का व्यवहार किया, जिसके चलते उन्हें ₹अमीन₹ और ₹सादिक₹ जैसे सम्मानजनक खिताब मिले.

रांची में वनभूमि की पहचान को लेकर हुई बैठक

रांची। जिले के उपायुक्त मंजुनाथ भजन्त्री की अध्यक्षता में आज जिला स्तरीय विशेषज्ञ समिति की बैठक हुई. इस बैठक में जिले की वनभूमि की पहचान करने और उसकी सूची बनाने पर चर्चा की गई. समिति को बताया गया कि इसके लिए जरूरी फॉर्म-I, II और V भरकर डाटा तैयार कर लिया गया है. बाकी फॉर्म अलग-अलग राजस्व अंचलों से मिलते ही भेज दिए जाएंगे. यह काम सुप्रीम कोर्ट के आदेश और वन संरक्षण कानून के तहत किया जा रहा है. यह मामला पुराने टी.एन. गोदावरमन केस (1996) और हाल के अशोक कुमार शर्मा केस (मार्च 2025) से जुड़ा है. बैठक में वन विभाग के अधिकारी ने बताया कि यह डाटा जरूरी है, ताकि सुप्रीम कोर्ट और कानून के नियमों का पालन हो सके.

पेज एक का शेष

गिग वर्कर्स यानी पतंग-सी जिंदगी ...

सरकार का कहना है कि यह कदम श्रमिकों को सुरक्षा कवच देने में मददगार साबित होगा. अनुमान है कि पूरे झारखंड के विभिन्न जिलों में लगभग 12 लाख लोग ऐसे कामों में लगे हैं. अधिनियम में प्रावधान किया गया है कि ऐसे श्रमिकों का पंजीकरण करने के लिए एक प्लेटफॉर्म विकसित किया जाएगा और प्रत्येक को एक यूनिक आईडी जारी की जाएगी. गिग वर्कर्स के मामलों की सुनवाई के लिए झारखंड प्लेटफॉर्म बेस्ड गिग वर्कर्स वेलफेयर बोर्ड का गठन किया जाएगा. राज्य में जितने भी गिग वर्कर्स हैं, उनका ऑनलाइन/ऑफलाइन पंजीकरण होगा. इससे राज्य सरकार के पास सटीक आँकड़े होंगे और गिग वर्कर्स की पहचान तय होगी.

पंजीकृत गिग वर्कर्स को स्वास्थ्य बीमा, दुर्घटना बीमा, पेंशन जैसी योजनाओं से जोड़ने का प्रावधान है. अगर किसी वर्कर का आईडी निलंबित होता है या अन्याय होता है तो वह शिकायत कर सकेगा. एक शिकायत निवारण कोषांग बनाया गए है. कामगारों को कमाई का एक न्यूनतम सुरक्षा गारंटी सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया है. कंपनियों को अपने टर्न ओवर का कम से कम 1.5 से 2 फीसदी राशि को लेकर राज्य सरकार कल्याण कोष बनाएगी, जिससे गिग वर्कर्स की सुविधाओं पर खर्च होगा. यह आदिनीयां अभी शुरुआती स्तर पर है, लेकिन इससे उम्मीद बंधी है कि गिग वर्कर्स को पहचान, अधिकार और सुरक्षा मिलेगी.

गिग वर्कर्स की ज़िंदगी पतंग जैसी है-अस्थिर, असुरक्षित. लेकिन अगर सरकार का यह नया कानून सही ढंग से लागू हो गया, तो यह पतंग बार-बार कटेगी नहीं, बल्कि मजबूती से आसमान में उड़ान भरेगी.

गांव से शहर तक-सपनों की उड़ान : गिग वर्कर्स में ज्यादातर ऐसे युवा हैं जो सुनहरे सपने लेकर गांवों से रांची, जमशेदपुर, धनबाद जैसे बड़े शहरों या अपने ही जिले के शहरी इलाकों में पढ़ने, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी या कोचिंग करने आते हैं. इनकी कोशिश रहती है कि घर पर बिना अतिरिक्त बोझ दिए वो अपने सपनों को उड़ान दे सकें. वह सोचता है कि शहर जाकर कुछ मेहनत करेगा, मोबाइल एप से जुड़ जाएगा, बाइक चलाएगा और जल्दी पैसे कमा लेगा. घर की टूटी हुई दीवारों को पक्का करेगा, बहन की पढ़ाई आगे बढ़ाएगा, मां को ढंग की दवा दिलाएगा.

लेकिन यह सपना, पतंग की तरह है. कसकर पकड़ने की कोशिश करते ही हवा का झोंका डोर काट देता है, और जीवन फिर से ज़मीन पर गिर पड़ता है. क्विक कॉमर्स और गिग इकोनॉमी ने युवाओं को चमक दिखाई, पर गारंटी नहीं दी. एक मोबाइल स्क्रीन पर "डिरेजिस्टर" क्लिक भर से उनकी रोज़ी-रोटी खत्म हो जाती है. यह सबसे कठोर सच्चाई है.

श्रमिक संगठन क्या कहते हैं : श्रमिक संगठनों का कहना है-गिग वर्क ने पारंपरिक नौकरी की स्थिरता खत्म कर दी है. पहले नौकरी में कुछ सुरक्षा होती थी-छुट्टियां, स्वास्थ्य बीमा, पेंशन. अब कंपनी कहती है, हमारे कर्मचारी नहीं हो, बस पार्टनर हो. आल इंडिया गिग वर्कर्स यूनियन के प्रतीक मिश्रा कहते हैं कि यह पार्टनरशिप असल में शोषण का नया तरीका है-जहां कंपनी मुनाफा लेती है और गिग वर्कर जोखिम उठाता है. आंदोलन करना किसी क्षेत्र के कामगारों के लिए एक मुश्किल प्रक्रिया है. ऐप आधारित कंपनियों की होम डिलीवरी करने वाले के लिए समस्या और जटिल हो जाती है. ना ही प्रबंधन का कोई तय ऑफिस है, ना कोई फैक्ट्री. ऐसे कामगारों के लिए सड़क ही कार्यस्थल है.

क्विक कॉमर्स के नाम पर बनी यह नई अर्थव्यवस्था श्रमिक को केवल 'एप पर मौजूद आईडी' में बदल रही है. यह आईडी किसी भी सामाजिक सुरक्षा से रहित है. लेकिन झारखंड सरकार का 2025 का अधिनियम इस खेल का जवाब है. यह कहता है कि गिग वर्कर कोई अदृश्य डेटा पॉइंट नहीं, बल्कि इंसान है—जिसके भी सपने हैं, परिवार है और अधिकार भी. यदि यह पहल सफल होती है, तो आने वाले समय में गिग इकोनॉमी केवल मुनाफे का मॉडल नहीं होगी, बल्कि उसमें सम्मान और सुरक्षा भी जुड़ जाएगी.

बैठक

लोहरदगा में मोमिन कॉन्फ्रेंस के महासम्मेलन की तैयारियों जोरशोर से

सम्मेलन को ऐतिहासिक बनाने की रणनीति तय

शुभम संदेश । लोहरदगा

आगामी 14 सितंबर को लोहरदगा नया नगर भवन में आयोजित होने वाले मोमिन कॉन्फ्रेंस महासम्मेलन की तैयारी को लेकर होटल गैलैक्सी में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई. बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष हाजी सिकंदर अंसारी ने की. कार्यक्रम को भव्य और ऐतिहासिक बनाने को लेकर सभी पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गईं.

बैठक में मुख्य रूप से प्रदेश अध्यक्ष जनाब आबिद अली, संयोजक हाजी अब्दुल जब्बार अंसारी, प्रदेश महासचिव मोजम्मिल अंसारी, युवा जिलाध्यक्ष ऐनुल अंसारी, प्रदेश सचिव रौनक इकबाल, सवारत हुसैन अंसारी

समेत अन्य कई वरिष्ठ पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे.

बैठक को संबोधित करते हुए हाजी अब्दुल जब्बार अंसारी ने कहा कि यह सम्मेलन लोहरदगा की सरजमीं पर एक नया इतिहास रचेगा. उन्होंने बताया कि सम्मेलन में राष्ट्रीय अध्यक्ष फिरोज अंसारी, स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी, पूर्व सांसद धीरज प्रसाद साहू, राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष मंजूर अंसारी सहित कई महत्वपूर्ण हस्तियां शामिल होंगी. इस दौरान मोमिन समाज की समस्याओं को लेकर 13 सूत्री मांग पत्र भी सौंपा जाएगा. प्रदेश अध्यक्ष आबिद अली ने कहा कि सम्मेलन में मोमिन समाज की एकता और अधिकारों की गूंज होगी. उन्होंने सभी पदाधिकारियों से कहा कि वे जिम्मेदारी के साथ तैयारी में जुटें ताकि कार्यक्रम ऐतिहासिक और सफल साबित हो.

जिलाध्यक्ष हाजी सिकंदर अंसारी ने कहा कि आजादी के बाद भी मोमिन समाज को उसका हक नहीं मिला है. अब समय आ गया है कि एकजुट होकर अपने हक और अधिकारों की लड़ाई लड़ी जाए. महासम्मेलन के माध्यम से समाज की ताकत को प्रदर्शित किया जाएगा. युवा जिलाध्यक्ष ऐनुल अंसारी ने बताया कि सम्मेलन की तैयारियां अंतिम चरण में हैं. सभी युवा कार्यकर्ता डोर-टू-डोर जनसंपर्क अभियान चला रहे हैं ताकि समाज के हर वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित हो. बैठक का संचालन जिला उपाध्यक्ष रूस्तम अंसारी ने किया. कार्यक्रम में नगर अध्यक्ष, महासचिव, उपाध्यक्ष, और सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे. मोमिन समाज का यह महासम्मेलन निश्चित रूप से ऐतिहासिक और यादगार बनकर उभरेगा.

रांची में जमीन विवाद ने लिया हिंसक रूप, गाड़ी फूंकी

रांची । विधानसभा थाना क्षेत्र के होटवासी इलाके में शनिवार को जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर बवाल हो गया. वर्षों से चला आ रहा यह विवाद अचानक हिंसक झड़प में बदल गया, जिससे पूरे इलाके में तनाव फैल गया. जानकारी के अनुसार, दोपहर बाद दोनों गुट विवादित जमीन पर कब्जा जमाने के प्रयास में आमने-सामने आ गए. पहले तो कहासुनी हुई, लेकिन धीरे-धीरे मामला हाथापाई और मारपीट तक पहुंच गया. इसी दौरान एक पक्ष के लोगों ने दूसरे पक्ष से जुड़े सत्यम श्रीवास्तव की गाड़ी को निशाना बनाया और उसमें आग लगा दी. देखते ही देखते वाहन पूरी तरह जलकर खाक हो गया. घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी और दहशत का माहौल बन गया. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश की. पुलिस ने दोनों पक्षों से बातचीत कर मामले को शांत करने का प्रयास किया.

मंथन

अब ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देता पीएमएफएमई

झारखंड में प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम (पीएमएफएमई) योजना ने जिस तरह से ग्रामीण अर्थव्यवस्था में नई जान फूंकी है, वह न केवल आत्मनिर्भर भारत की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि रोजगार और स्वरोजगार का मजबूत आधार भी बन रहा है. राज्य कैबिनेट द्वारा इस योजना को मार्च 2026 तक बढ़ाना इसका प्रमाण है कि इसका असर दिख रहा है. उद्योग विभाग के आंकड़े गवाह हैं कि अब तक 3954 इकाइयां इस योजना से लाभान्वित हुई हैं और 14,500 लोगों को रोजगार मिला है. खास बात यह है कि लाभार्थियों में 78% एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग से हैं तथा 36% महिलाएं हैं. महिला उद्यमियों का बढ़ता योगदान ग्रामीण समाज में आत्मनिर्भरता और सम्मान का नया अध्याय लिख रहा है. इस योजना का मूल उद्देश्य सूक्ष्म खाद्य इकाइयों का आधुनिकीकरण और नए उद्यमों को बढ़ावा देना है. व्यक्तिगत उद्यमियों के लिए 10 लाख तक की ऋण आधारित सहायता और सामूहिक संगठनों के लिए तीन करोड़ रुपये तक सहयोग, छोटे उद्यमों को स्थायित्व देने की दिशा में बड़ा कदम है. साथ ही, 35% क्रेडिट लिंक्ड सब्सिडी, प्रशिक्षण, ब्रांडिंग और विपणन में मदद से उत्पादों को राष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त हो रहा है. यह कहना गलत नहीं होगा कि पीएमएफएमई योजना ग्रामीण झारखंड में आर्थिक आत्मनिर्भरता की रीढ़ बन रही है. राज्य सरकार को चाहिए कि इसके क्रियान्वयन की निगरानी और तेज हो, ताकि अधिक से अधिक उद्यमी इससे जुड़ें और स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय पहचान मिले. यही रास्ता झारखंड की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई उड़ान देगा.

नजरिया

भारत और अमेरिकी रिश्तों पर भ्रामक बयानबाजी अनुचित

भारत ने फिर स्पष्ट कर दिया है कि वह भ्रामक दावों से विचलित होने वाला नहीं है. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी पीटर नवारो के बयानों को विदेश मंत्रालय ने जिस दृढ़ता से खारिज किया, वह कूटनीतिक आत्मविश्वास को दर्शाता है. प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साफ कहा कि भारत-अमेरिका रिश्ते इतने मजबूत और गहरे हैं कि किसी भी तरह की गलतबयानी से प्रभावित नहीं हो सकते. आज की दुनिया में भारत और अमेरिका का रिश्ता केवल द्विपक्षीय सहयोग तक सीमित नहीं है, बल्कि वैश्विक रणनीतिक साझेदारी का रूप ले चुका है. साझा मूल्यों, व्यापारिक संबंधों, तकनीकी सहयोग और लोगों के बीच जीवंत रिश्तों ने इसे और मजबूती दी है. यही कारण है कि चीन से जुड़ी गुप्त पत्राचार वाली खबर को भी भारत ने तथ्यहीन ठहराया है. भारत का रुख यह स्पष्ट संदेश देता है कि वह अब किसी भी अंतरराष्ट्रीय रिश्ते में आत्मसम्मान और समानता को सर्वोच्च मानता है. चाहे एच-1बी वीजा के मुद्दे हों या व्यापारिक विवाद, भारत यह मानकर चलता है कि समाधान आपसी हित और सम्मान के आधार पर ही निकल सकता है. कूटनीति में स्पष्टता और आत्मविश्वास किसी भी राष्ट्र की असली ताकत है. भारत ने दिखा दिया है कि गलत और भ्रामक बयानों से उसकी दिशा तय नहीं होगी. भारत-अमेरिका संबंध भविष्य में भी वैश्विक शांति, प्रगति और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा में अहम भूमिका निभाते रहेंगे.

आज के दौर में युद्ध लड़ा नहीं, थोपा जाता है

निशिकांत ठाकुर

अमेरिका भारत को लेकर कूटनीति की बजाय दादागीरी पर उतर आया है.

अमेरिका चाहता है कि भारत, रूस-यूक्रेन युद्ध की विभीषिका में कूद कर शामिल हो जाए. अमेरिका किसी न किसी रूप में भारत पर दबाव बना रहा है कि भारत डरे और सस्ते तेल की खरीद बंद करके सिर्फ उससे महंगा तेल खरीदे.

भारत ही नहीं, पूरी दुनिया में हमेशा युद्ध थोपा ही गया है. इतिहास गवाह है कि विश्व के कई बलशाली देशों द्वारा कमजोर देशों पर आज तक युद्ध थोपा ही गया. आदिकाल का युद्ध तलवारों और तीर-कमानों से आमने-सामने लड़ा जाता था, लेकिन अब ऐसी बात नहीं है. इसके लिए यह उदाहरण उचित नहीं लगता कि आज विश्व इतना विकसित हो गया है कि अपने ही देश के किसी स्थान पर बैठकर एक दूसरे देश को खत्म कर सकता है. जो बलशाली है जय-जयकार उसी की होती है. वियतनाम एक छोटा देश है, लकिन बीस वर्षों तक अमेरिका से युद्ध करता रहा. जापान के कई जीवंत शहरों (हिरोशिमा और नागासाकी) को अमेरिका ने ही खत्म किया था. इजराइल-फिलिपीन, इजराइल-ईरान के युद्ध में भी अमेरिका परोक्ष रूप से जुड़ा रहा है. अब वही काम रूस-यूक्रेन यद्ध के दौरान कर रहा है. वर्षों से जारी इस युद्ध में उसी की जीत होगी, जो शक्तिशाली साबित होगा और जो विश्व को अपनी शक्ति प्रदर्शन से अपना लोहा मनवाएगा. वियतनाम और जापान ने अपनी एकता और मजबूत कर्मठता से विकसित कर लिया.

अभी की स्थिति को देखें, तो अमेरिका भारत को अस्थिर करने में लग गया है. चूंकि, मामला भारत को आर्थिक रूप से कमजोर करने का है, इसलिए भारत को गंभीरता से इस पर विचार करना पड़ेगा. ऐसा इसलिए कि भारत अपना निर्यात करोड़ों नहीं अरबों में करता है, जिसका असर अब देश के उन उद्योगों पर पड़ना शुरू हो गया है, जो अपना व्यापार अमेरिका के साथ कर रहे थे और जिनमें लाखों लोगों को रोजगार मिला हुआ है. लेकिन आज वे उद्योग धीरे-धीरे बंद होने लगे हैं. विदेशी व्यापार पर अध्ययन करने वाले कहते हैं कि इसका असर भारत पर ही नहीं, बल्कि वहां उनसे जुड़े भारतीयों पर भी पड़ेगा और जो लाखों लोग ऐसी संस्थाओं से जुड़े हैं, उनकी वापसी होने जा रही है. यह किस तरह का कानून है? वैसे सच यह भी है कि जहां भारत अपने निर्यात की जानेवाली वस्तुओं पर 3% का निर्यात शुल्क अमेरिका को देकर कारोबार करता रहा है, लेकिन अब उसे 50% निर्यात शुल्क देना पड़ेगा. इस भारी-भरकम निर्यात शुल्क पर राष्ट्रीय स्तर पर घमासान मचा हुआ है, वहीं दोनों तरफ से लाखों बेरोजगार होने जा रहे हैं. दूसरी ओर जो दुखद है, वह यह कि रूस-यूक्रेन युद्ध को कैसे रोका जाए. इसके लिए विश्व तो चिंतित है ही, लेकिन भारत पर यह दबाव भी डाला जा रहा है कि वह अपने कच्चे तेल का आयात रूस से करना बंद कर दे. यह भी भारत की आर्थिक स्थिति को कमजोर करने की अमेरिकी कूटनीति है. ध्यान रखने की बात यह है कि भारत का रूस के साथ यह समझौता वर्ष 1969 में तत्कालीन विदेश मंत्री डॉ. सरदार स्वर्ण सिंह ने किया था. उस समझौते में तय किया गया था कि भारत हर तरह से रूस की सहायता करेगा और रूस भी भारत के साथ मित्रता बनाए रखेगा, सदा एक दूसरे का साथ देगा.

ज्ञात हो कि इसी समझौते के तहत जब वर्ष 1971 में बांग्ला देश पश्चिमी पाकिस्तान की तानाशाही से युद्ध कर रहा था, वहीं बांग्लादेश (तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान) की क्रांति लिए वहां के नेताओं ने भारत से मदद की गुहार लगाई जिसकी मदद के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री ने अपनी सेनाओं को बांग्लादेश की मदद के उद्देश्य से भेजा. उस घनघोर युद्ध में पाकिस्तान की ओर से अमेरिका ने अपना युद्ध पोत का बेड़ा सात भेजा. वहीं, रूस भारत का पक्ष लेते हुए अपना युद्ध पोत आठ भेजा, जिसके कारण अमेरिकी युद्ध पोत को वापस लौटना पड़ा. यह रूस की भारत के प्रति मित्रता का उदाहरण है. अब अमेरिका उसी रूस से अपना संबंध तोड़ने के लिए दबाव डाल रहा है. यह कैसी तानाशाही? क्या भारत अमेरिकी दबाव में अपने वर्षों के संबंध खत्म कर ले? एक पर हमला सभी पर हमला है के सिद्धांत पर आधारित एक गठबंधन है जिसे नाटो (उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन) कहा जाता है. इस संगठन में अमेरिका सहित 32 देश शामिल हैं. इसका गठन 1949 में वॉशिंगटन में हुआ था. महासचिव नाटो का सर्वोच्च प्रतिनिधि होता है. अक्टूबर 2024 तक नीदरलैंड के पूर्व प्रधानमंत्री मार्क रूटे इस संगठन के महासचिव हैं. उन्हें नाटो सदस्यों द्वारा चार साल के लिए नियुक्त किया गया है जिनके कार्यकाल को बढ़ाया भी जा सकता है.नाटो का उल्लेख यहां इसलिए कि रूस-यूक्रेन के बीच युद्ध खत्म हो.

अतः नाटो सहित विश्व के कई देशों ने दोनों देशों से समझौते की पेशकश की थी, लेकिन रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने युद्ध को रोकने से साफ इनकार कर दियाऔर कहा कि यदि विश्व का कोई देश या संगठन, जो यूक्रेन का साथ देता है, उसका पक्षधर है, वह रूस से युद्ध के लिए तैयार रहे. अब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के व्यापार एवं विनिर्माण के सलाहकार पीटर नवारो ने रूस-यूक्रेन युद्ध को मोदी का युद्ध करार दिया है और कहा है कि शांति का मार्ग आंशिक रूप से दिल्ली से होकर जाता है. नवारो का कहना है कि भारत छूट पर रूसी तेल खरीदता है और फिर भारतीय रिफाइनर, रूसी रिफाइनरों के साथ साझेदारी में इसे बाकी दुनिया को लाभ पर बेचते हैं. रूस इस पैसे का इस्तेमाल अपनी युद्ध मशीन को चलाने में और यूक्रेनियन को मारने में करता है. ऐसी स्थिति में प्रश्न यह है कि भारत आखिर क्या करे? अब तक जो जानकारी मिल रही है, वह यह है कि इस युद्ध में यूक्रेन बुरी तरह तबाह हो चुका है, लेकिन यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की और पुतिन किसी समझौते को स्वीकार नहीं कर रहे हैं. अमेरिका किसी न किसी रूप में चाहता है कि भारत युद्ध की विभीषिका में कूद कर शामिल हो जाए. इसलिए कहा गया है कि विश्व में कहीं युद्ध लड़ा नहीं थोपा जाता है. अतः अमेरिका किसी न किसी रूप में भारत पर दबाव बना रहा है कि भारत डरे और सस्ते तेल की खरीद बंद करके महंगाई बढ़ाकर उसे कोई कठोर निर्णय लेने के लिए मजबूर कर दे. **(लेखक वरिष्ठ पत्रकार और स्तंभकार हैं)**

आज का इतिहास

1812: नेपोलियन ने रूसी सेना को हराया.
1822: ब्राजील ने पुर्तगाल से अपनी स्वतंत्रता की घोषणा की.
1906: बैंक ऑफ इंडिया की स्थापना.
1923 : विएना में इंटरपोल की स्थापना.
1927: फिलियो टेलर ने पूर्णतः इलेक्ट्रॉनिक टीवी बनाने में सफलता हासिल की.
1931: लंदन में गोलमेज सम्मेलन का दूसरा सत्र.
1940: दूसरे विश्व युद्ध में जर्मनी ने ब्रिटेन के कई शहरों पर बमबारी शुरू की.
1986 : बिशप डेसमंड टूटू केपटाउन के पहले अश्वेत आर्कबिशप बने.
2008 : भारत-अमेरिका परमाणु करार के तहत एनएसजी के 45 सदस्यों ने भारत को परमाणु व्यापार की छूट दी.
2009 : भारत के पंकज आडवाणी ने विश्व पेशेवर बिलियडर्स का ख़िताब जीता.
2011 : दिल्ली हाईकोर्ट के बाहर बम विस्फोट में 17 लोगों की मौत, 76 अन्य घायल.

चिंतन

कुएं का मेंढक मत बनिए, मेहनत का विकल्प नहीं

दो टैडपोल कुएं में मस्ती से खेल दिखाते. उनकी शैतानियां देख कर वयस्क मेंढक बोला, जितनी पूंछ हिलानी है हिला लो, कुछ दिन में ये गायब हो जाएगी.

दोनों टैडपोल अपनी मां के पास गए और बोले, मां, क्या हमारी पूंछ गायब हो जाएगी? हां!, मां बोली, यही प्रकृति का नियम है, जब हम पैदा होते हैं तो हमारी पूंछ होती है पर बाद में ये पूंछ गायब हो जाती है और पैर निकल आते हैं, तब हम कुएं के बाहर भी जा सकते हैं, छलांगे मार सकते हैं. टैडपोल ने सोचा, इससे पहले की पूंछ गायब हो मैं और मस्ती कर लेता हूं. वहीं दूसरे टैडपोल ने सोचा, जब ये पूंछ गायब ही होनी है तो इससे मस्ती का क्या फायदा, पैर निकलेंगे तब मौज करेंगे. फिर एक दिन दोनों टैडपोल मेंढक बन गए. दोनों खुश थे और फैसला किया कि वे कुएं से निकल कर सैर करेंगे. पहला मेंढक से छलांग लगा कर बाहर निकल गया. वहीं दूसरा छलांग नहीं लगा पाया. वह मां से बोला, मेरे पैर काम क्यों नहीं कर रहे. मेरा भाई तो आराम से छलांग लगा कर बाहर निकल गया पर मैं ऐसा क्यों नहीं कर पा रहा? मां बोली, बेटे, तुमने ये सोचकर की पूंछ चली ही जानी है, तो उसका इस्तेमाल ही बंद कर दिया. इससे तुम्हारा शरीर कमजोर हो गया, जिन अंगो का विकास ठीक से होना था वो नहीं हो पाया. मुझे अफसोस है पर अब तुम्हें कुएं का मेंढक बन कर ही रहना होगा.

दोस्तों, कई बार इस वक्त जो हमारी जिंदगी में हो रहा वो हमें बेकार लगता है. उदाहरण के लिए हमें लगता है कि पढ़ाई का क्या मतलब है, इसे क्यों करें? और हो सकता है आगे चल कर वाकई में इसका कोई डायरेक्ट इस्तेमाल न हो पर पढ़ाई करने में हम जो मेहनत की आदत डालते हैं, समस्या हल करने की स्किल डेवलप करते हैं, वो आगे हमारी लाइफ को बेहतर बनाती है. इसी तरह अपने करियर की शुरुआत में हो सकता है हमारा बॉस हमें ऐसे काम दे जिसे करना हम तौहीन समझें पर बाद में जब हम खुद बॉस बनते हैं या अपना कोई बिजनेस शुरू करते हैं तो समझ आता है कि उस काम को करने से हमें कितना फायदा मिला. इसलिए आज के काम से इसलिए बचने की कोशिश मत करिए कि बाद में आपके ये काम नहीं करना.बल्कि उस काम का आनंद लीजिए, उसे और अच्छे ढंग से करने का प्रयास करिए.

इंडिया पर ट्रेंडिंग

1. #AnantChaturdashi
2. #अनंत_चतुर्दशी
3. #OneDayToGo
4. Shraddh Mahima
5. Pitru Paksha
6. #28YearsOfSuriyaism
7. भगवान श्री गणेश
8. #GaneshVisarjan
9. चीन युद्ध
10. शनि देव

बहुरंग

'बागी 4' का दर्शकों पर चला जादू, 'बंगाल फाइल्स' को पीछे छोड़ा

टाइगर श्रॉफ की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'बागी 4' का दर्शक लंबे समय से इंतज़ार कर रहे थे. भले ही उनकी पिछली कुछ फिल्मों का प्रदर्शन खास नहीं रहा, लेकिन हिट फ्रेंचाइज़ी बागी की चौथी किस्त से दर्शकों को काफी उम्मीदें थीं. आखिरकार 5 सितंबर को यह फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज़ हो गई. इसी दिन विवेक अग्निहोत्री की द बंगाल फाइल्स भी बड़े पर्दे पर पहुंची. हालांकि, पहले ही दिन बॉक्स ऑफिस पर 'बागी 4' ने शानदार शुरुआत करते हुए द बंगाल फाइल्स को कड़ी टक्कर देकर पीछे छोड़ दिया.

'बागी 4' की बॉक्स ऑफिस रिपोर्ट : सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार, 'बागी 4' ने रिलीज़ के पहले ही दिन लगभग 12 करोड़ रुपये का शानदार कारोबार किया. फिल्म की एडवांस बुकिंग जबरदस्त रही थी और बॉक्स ऑफिस पर आते ही इसने डबल डिजिट में कमाई दर्ज कराई. सिर्फ 'द बंगाल फाइल्स' ही नहीं, बल्कि इसने साल 2025 की कई बड़ी फिल्मों जैसे अजय देवगन की 'रेड 2', 'जाट', 'सितारे ज़मीन पर', 'केसरी 2' और 'भूल चूक माफ' को भी जोरदार टक्कर देते हुए पीछे छोड़ दिया. फिल्म की कहानी में दिखाया गया है कि टाइगर श्रॉफ का किरदार रॉनी सात महीने कोमा में रहने के बाद होश में आता है. होश में आते ही वह अपनी प्रेमिका (हरनाज संधू) को उस हादसे में खो देने के गम से टूट जाता है.

लेकिन उसके आस-पास हर कोई उसे यही समझाने की कोशिश करता है कि उसकी कोई गर्लफ्रेंड थी ही नहीं और यह सब महज़ उसका वहम है. फिल्म के दूसरे हिस्से में चाको (संजय दत्त) की प्रेम कहानी पर फोकस किया गया है. हालांकि, समीक्षकों की नज़र में यह फिल्म ज़्यादा प्रभावित करने में सफल नहीं रही है.

'द बंगाल फाइल्स' की बॉक्स ऑफिस रिपोर्ट

'द बंगाल फाइल्स' की शुरुआत बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक नहीं रही. फिल्म ने पहले दिन भारत में लगभग 1.75 करोड़ रुपये का कारोबार किया. शुरुआत से ही यह फिल्म विवादों से घिरी रही, खासकर पश्चिम बंगाल में. बताया जा रहा है कि कोलकाता में लॉन्च के दौरान इसका ट्रेलर प्रदर्शित नहीं किया गया और राज्य के किसी भी सिनेमाघर में फिल्म को जगह नहीं मिली. इस पूरे मामले पर अभिनेत्री पल्लवी जोशी ने भी आपत्ति जताई और भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखकर अपनी चिंता व्यक्त की. 'द बंगाल फाइल्स' भारतीय इतिहास और राजनीति से जुड़ी सच्ची घटनाओं पर आधारित एक फिक्शनल ड्रामा फिल्म है. कहानी 1940 के दशक के पश्चिम बंगाल में फैली सांप्रदायिक हिंसा पर केंद्रित है, जिसमें नोआखली दंगों के भयावह परिणामों को बड़े पर्दे पर दिखाया गया है. फिल्म में मिथुन चक्रवर्ती, अनुपम खेर और पल्लवी जोशी जैसे दिग्गज कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आते हैं, जबकि दर्शन कुमार और सिमरत कौर मुख्य किरदार निभा रहे हैं.

आशुतोष राणा ने किए महाकाल के दर्शन, नंदी हॉल में बैठकर लगाया ध्यान

उज्जैन । प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता आशुतोष राणा ने शुक्रवार देर शाम मध्य प्रदेश के उज्जैन पहुंचकर विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग भगवान श्री महाकालेश्वर मंदिर में दर्शन किए. उन्होंने नंदी हॉल में बैठकर भगवान महाकाल का ध्यान लगाया. पंडित जितेंद्र शर्मा और पंडित दिनेश त्रिवेदी ने मंदिर में पूजन कराया. दर्शन के बाद आशुतोष राणा ने मीडिया से बातचीत में कहा कि बाबा महाकाल के आंगन में आने से मन आनंद से भर जाता है. उन्होंने शिव तांडव स्त्रोत की एक पंक्ति भी सुनाई. राणा ने कहा कि यहां तीनों काल एक साथ उपस्थित होने के कारण इन्हें महाकाल कहा जाता है. मंदिर प्रबंध समिति की ओर से सहायक प्रशासक मूलचंद जूनवाल और आशीष फलवाड़िया ने अभिनेता आशुतोष राणा को महाकाल का प्रसाद भेंट किया. साथ ही उन्हें दुपट्टा ओढ़ाकर सम्मानित किया. महाकाल के अनन्य भक्त आशुतोष राणा पहले भी कई बार मंदिर में दर्शन कर चुके हैं.

तुषार कपूर ने लालबाग के राजा के दर्शन किए

मुंबई में गणेशोत्सव का रंग निराला होता है. हर साल की तरह इस बार भी शहर के सबसे प्रसिद्ध और आस्था के केंद्र माने जाने वाले लालबागचा राजा के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है. आम भक्तों के साथ-साथ फिल्मी जगत की नामी हस्तियां भी बप्पा के दरबार में आकर अपनी श्रद्धा अर्पित कर रही हैं. इसी कड़ी में अभिनेता तुषार कपूर भी बप्पा के चरणों में मत्था टेकने पहुंचे. तुषार कपूर ने लालबागचा राजा के दर्शन करने के बाद अपने अनुभव को सोशल मीडिया पर शेयर किया. उन्होंने पंडाल से कुछ खूबसूरत तस्वीरें पोस्ट कीं, जिनमें वे गणपति बप्पा के दर्शन करते हुए नज़र आ रहे हैं. अपने पोस्ट में तुषार ने भावुक अंदाज़ में लिखा, इस बार हमने भारी भीड़ से होकर लालबागचा राजा तक पहुंचने का साहस किया. बप्पा ने दर्शन दे दिए और हमेशा की तरह इस सफर को सार्थक बना दिया.₹ उनके इस संदेश ने न सिर्फ उनकी आस्था को बयां किया, बल्कि भक्तों की भावनाओं को भी छू लिया. तुषार की इस पोस्ट पर फैन्स ने जमकर प्यार लुटाया.

फिल्म 'किंग' से लीक हुआ शाहरुख खान का लुक

शाहरुख खान, जिन्हें दुनिया भर में किंग ऑफ बॉलीवुड कहा जाता है, पिछले साल से लगातार सिल्वर स्क्रीन पर अपनी वापसी से फैंस को रोमांचित कर रहे हैं. उनकी पिछली फिल्म 'डंकी' बॉक्स ऑफिस पर हिट रही थी, वहीं उससे पहले आईं 'पठान' और 'जवान' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों ने साबित कर दिया कि शाहरुख का चार्म और स्टारडम अब भी बरकरार है. तीनों फिल्मों ने शानदार कलेक्शन किया और शाहरुख को दोबारा इंडस्ट्री के टॉप पर ला खड़ा किया. अब इन सफलताओं के बाद किंग खान अपनी अगली फिल्म 'किंग' को लेकर चर्चा में हैं. यह फिल्म लंबे समय से सुर्खियों में है और इसके हर छोटे-बड़े अपडेट का प्रशंसक बेसब्री से इंतज़ार करते हैं. फिल्म की शूटिंग पहले ही शुरू हो चुकी है और अब इसके सेट से शाहरुख का नया लुक लीक होने के बाद उत्साह और भी बढ़ गया है. सोशल मीडिया पर 'किंग' के सेट से शाहरुख का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है. इस वीडियो में शाहरुख पहले से अलग नज़र आ रहे हैं. उन्होंने काले रंग की हुडी पहन रखी है, जिससे वह अपने नए हेयरस्टाइल और लुक को छिपाने की कोशिश कर रहे हैं. लेकिन एक धुंधली तस्वीर में उनके बालों का ग्रे शेड साफ दिख रहा है. माना जा रहा है कि यह फिल्म में उनके किरदार का लुक है. फिल्म 'किंग' को और खास बनाने वाली बात यह है कि इसके जरिए शाहरुख खान पहली बार अपनी बेटी सुहाना खान के साथ बड़े पर्दे पर नज़र आएंगे. सुहाना ने हाल ही में ओटीटी डेब्यू किया था और अब वह अपने पिता के साथ इस बड़े प्रोजेक्ट में काम करती दिखाई देंगी. दोनों की ऑन-स्क्रीन बॉन्डिंग देखना दर्शकों के लिए बेहद खास अनुभव होगा. इसके अलावा फिल्म में अभिषेक बच्चन भी एक अहम भूमिका निभा रहे हैं. उनकी मौजूदगी से फिल्म की स्टारकास्ट और मजबूत हो गई है.

आचार्य प्रणव मिश्रा
मोबाइल नंबर
8210075897

मेष : कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे. सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी. आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी. यात्रा शुभ रहेगी. माता पक्ष से विशेष लाभ. कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी. चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी. शुभांक-2-4-5

वृष : विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे. स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा. लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं. मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा. समय पक्ष का बना रहेगा. कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी. लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे. शुभांक-2-3-7

मिथुन : पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे. कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी. अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे. अपने हित के काम सुबह-सवेरे निपटा लें. व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी. आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी. शुभांक-2-3-5

कर्क : अपने काम को प्राथमिकता से करें. आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी. आगे बढने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे. कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं. कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे. पुराने मित्र से मिलन होगा. स्वविवेक से कार्य करें. आत्मविश्वास बढ़ेगा. शुभांक-3-4-6

सिंह : धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी. निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते हैं. कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा. धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी. मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी. श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी. अपने काम पर ध्यान दीजिए. शुभांक-1-3-4

कन्या : परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा. समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है. कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा. जीवन साथी अथवा यार दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा. इच्छित कार्य सफल होंगे. शुभांक-2-5-7

तुला : पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे. जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी. ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं. दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे. महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा. आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी. पुराने मित्र मिलेंगे. शुभांक-3-6-8

वृश्चिक : शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे. भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है. समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी. स्वास्थ्य उत्तम रहेगा. व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी. मेलजोल से काम बनाने की कोशिश सफल होगी. शुभांक-3-6-7

धनु : कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा. स्वास्थ्य उत्तम रहेगा. कर भला तो हो भला वाली कहावत याद रखें. किसी को हानि पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है. धार्मिक कार्यों में समय और धन व्यय होगा. कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है. इच्छित कार्य सफल होंगे. शुभांक-2-4-6

मकर : यात्रा शुभ रहेगी. अपने काम पर पैनी नजर रखिए. विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे. अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे. अपने काम को प्राथमिकता से करें. आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी. अपने काम पर ध्यान दीजिए. शुभांक-4-5-6

कुंभ : शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी. मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा. आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी. सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी. लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी. इच्छित कार्य सफल होंगें. शुभांक-3-6-7

मीन : मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी. महत्वपूर्ण कार्यों को आज ही निपटा लें, उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा. भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है. व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी. इच्छित कार्य सफल होंगे. आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी. कोई रुका काम पूरा होने की खुशी होगी. शुभांक-1-3-5

अनंत चतुर्दशी

क्यों मनाते हैं ये शुभ दिन

भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की 14वीं तिथि को प्रतिवर्ष मनाई जाने वाली अनंत चतुर्दशी, भगवान गणेश की मूर्ति के विसर्जन के साथ ही गणेश विसर्जन के साथ ही मनाई जाती है.

शास्त्रों के अनुसार अनंत चतुर्दशी को एक शुभ दिन माना जाता है. इस दिन जो लोग व्रत रखते हैं और भगवान विष्णु की पूजा करते हैं, उन्हें अनंत पुण्य की प्राप्ति होती है. भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की 14वीं तिथि को प्रतिवर्ष मनाई जाने वाली अनंत चतुर्दशी, भगवान गणेश की मूर्ति के विसर्जन के साथ ही गणेश विसर्जन के साथ ही मनाई जाती है.

अनंत चतुर्दशी तिथि

अनंत चतुर्दशी तिथि का आरंभ 6 सितंबर को सुबह 3 बजकर 14 मिनट पर आरंभ होगी और 7 सितंबर को मध्यरात्रि 1 बजकर 41 मिनट पर समाप्त होगी। शास्त्रों के अनुसार, उदय तिथि के हिसाब से 6 सितंबर को ही अनंत चतुर्दशी का पर्व मनाया जाएगा।

अनंत चतुर्दशी का महत्व

अनंत चतुर्दशी आध्यात्मिक साधना के लिए एक महत्वपूर्ण दिन है. शास्त्रों के अनुसार, इस दिन अपनी पढ़ाई शुरू करने वाले छात्रों को अपने विषयों का गहन ज्ञान प्राप्त होता है. धन की चाह रखने वालों को समृद्धि प्राप्त होगी और ईश्वरीय निकटता की इच्छा रखने वाले भक्तों को अनंत ईश्वरीय उपस्थिति का आशीर्वाद मिलेगा.

व्रत रखने के लाभ

प्राचीन किंवदंतियों के अनुसार, अपने वनवास के दौरान, पांडवों ने द्रौपदी के साथ, अपने कष्टों को दूर करने और अपने खोए हुए राज्य और समृद्धि को पुनः प्राप्त करने के लिए अनंत व्रत (व्रत) का पालन करने की सलाह दी थी. माना जाता है कि इस व्रत का पालन करने से व्यक्ति की इच्छाओं के अनुसार स्थायी फल मिलता है. अनंत चतुर्दशी पर, भक्त अनंत सूत्र बांधते हैं, जिसे भगवान विष्णु की उपस्थिति का प्रतीक माना जाता है. अनंत सूत्र में 14 गांठें होनी चाहिए, जो 14 लोकों का प्रतीक हैं. यह व्रत भौतिक सफलता और आध्यात्मिक मुक्ति दोनों प्राप्त करने का एक उत्कृष्ट साधन माना जाता है. विशेष लाभों के लिए, चौदह वर्षों तक लगातार व्रत रखने का सुझाव दिया जाता है.

विधिवत रूप से करें गणेश प्रतिमा का विसर्जन

अनंत चतुर्दशी के दिन बप्पा की मूर्ति का विसर्जन बहुत ही प्रचलित व लोकप्रिय है. इस दिन लोग बड़ी धूमधाम और गाजे-बाजे के साथ बप्पा की मूर्ति का विसर्जन करते हैं और फिर से बप्पा के घर आने की प्रार्थना करते हैं. भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को गणेश उत्सव की शुरुआत होती है. यह उत्सव भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि तक चलता है. इस दौरान बप्पा 10 दिनों के लिए सभी के घरों में विराजते हैं.

प्रकृति को लौटाना पड़ेगा

गणेश जी को मूर्त रूप में आने के लिए मिट्टी का सहारा लेना पड़ता है. मिट्टी प्रकृति की देन है लेकिन जब गणेश जी पानी में विलीन होते हैं तो मिट्टी फिर प्रकृति में ही मिल जाती है। मतलब ये कि जो लिया है उसे लौटाना ही पड़ेगा. खाली हाथ आये थे और खाली हाथ ही जाना पड़ेगा।

ईश्वर को आकार देते हैं

ये धर्म और विश्वास की बात है कि हम गणेश जी को आकार देते हैं लेकिन ऊपर वाला तो निराकार है और सब जगह व्याप्त है लेकिन आकार को समाप्त होना पड़ता है इसलिए 'विसर्जन' होता है। 'विसर्जन' ये सिखाता है कि इंसान को अगला जन्म पाने के लिए इस जन्म का त्याग करना पड़ेगा। गणेश जी की मूर्ति बनती है, उसकी पूजा होती है लेकिन फिर उन्हें अगले साल आने के लिए इस साल विसर्जित होना पड़ता है। जीवन भी यही है, अपनी जिम्मेदारियों को पूरा कीजिये और समय समाप्त होने पर अगले जन्म के लिए इस जन्म को छोड़ दीजिये।

मोह-माया को त्यागो

'विसर्जन' ये सिखाता है कि सांसारिक वस्तुओं से इंसान को मोह नहीं होना चाहिए क्योंकि इसे एक दिन छोड़ना पड़ेगा। गणेश जी घर में आते हैं, उनकी पूजा होती है और उसके बाद मोह-माया बिखेरकर वो हमसे विदा हो जाते हैं ठीक उसी तरह जीवन भी है, इसे एक दिन छोड़कर जाना होगा इसलिए इसके मोह-पाश में इंसान को नहीं फंसना चाहिए।

गणेश विसर्जन की पूजा विधि

गणपति जी के विसर्जन से पहले गणेश जी की विधि-विधान से पूजा करनी चाहिए। पूजा के दौरान गणेश जी को लाल चन्दन, लाल फूल, दूर्वा, मोदक, पान, सुपारी, धूप-दीप आदि अर्पित करें। परिवार सहित गणपति की आरती करें। इस दिन हवन करना भी बहुत शुभ माना जाता है। विसर्जन से पहले गणेश जी के हाथ में लड्डू की पोटली दे सकते हैं। अंत में अपनी गलतियों के लिए गणेश जी से क्षमा याचना करें और उनके जल्दी वापस आने की कामना करें। इसके बाद बप्पा की मूर्ति को धूमधाम से विसर्जित करें।

कैसे करें विसर्जन

श्री गणेश विसर्जन से पूर्व स्थापित श्री गणेश प्रतिमा का संकल्प मंत्र के बाद षोड़शोपचार पूजन-आरती करना चाहिए। गणेश जी की मूर्ति पर सिंदूर चढ़ाएं। मंत्र बोलते हुए 21 दूर्वा-दल चढ़ाएं। 21 लड्डुओं का भोग लगाएं। इनमें से 5 लड्डू मूर्ति के पास चढ़ाएं और 5 ब्राह्मण को प्रदान कर दें। शेष लड्डू प्रसाद के रूप में बांट दें। पूजन के समय यह मंत्र बोलें- ॐ गं गणपतये नमः

दूर्वा-दल चढ़ाते समय यह मंत्र बोलें- श्री गणेश को 21 दूर्वा-दल चढ़ाई जाती है। दो दूर्वा-दल नीचे लिखे नाम मंत्रों के साथ चढ़ाएं।

- ॐ गणाधिपाय नमः
- ॐ उमापुत्राय नमः
- ॐ विघ्ननाशनाय नमः
- ॐ विनायकाय नमः
- ॐ ईशपुत्राय नमः
- ॐ सर्वसिद्धिप्रदाय नमः
- ॐ एकदन्ताय नमः
- ॐ इभवक्त्राय नमः
- ॐ मूषकवाहनाय नमः
- ॐ कुमारगुरवे नमः

इसके बाद श्री गणेश की आरती करें और विसर्जन स्थल पर ले जाकर पुनः एक बार आरती करें एवं श्री गणेश की प्रतिमा जल में विसर्जित कर दें और यह मंत्र बोलें-

यान्तु देवगणाः सर्वे पूजामादाय मामकीम।
इष्टकामसमृद्ध्यर्थं पुनर्अपि पुनरागमनाय च।।

अनंत चतुर्दशी पर करें ये अचूक उपाय, हर समस्या से मिलेगा छुटकारा

भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि इस वर्ष अनंत चतुर्दशी की तिथि 6 सितंबर 2025 को सुबह 3.12 बजे से आरंभ होगी और इसका समापन 7 सितंबर 2025 को रात 1.41 बजे होगा. इसी अवधि में व्रत और पूजा का आयोजन करना शुभ माना जाएगा.

इस दिन जरूर करें ये काम

अनंत चतुर्दशी पर अनंत सूत्र बांधना काफी शुभ होता है। इस दिन विधिवत पूजा-अर्चना करने के बाद इस सूत्र को कलाई पर जरूर बांधना चाहिए। इस सूत्र में 14 गांठ होती है। ऐसा करने से व्यक्ति को कई प्रकार के कष्टों से मुक्ति मिल जाती है। माना जाता है कि इस सूत्र को बांधने से व्यक्ति के आत्मविश्वास में वृद्धि आती है और कई तरह की समस्याओं से छुटकारा मिल जाता है।

बुरी नजर से मिलता है छुटकारा

अगर आपके घर किसी को बुरी नजर लग गई है, तो इसके लिए आप अनंत चतुर्दशी पर ये उपाय जरूर करें। इसके लिए अनंत चतुर्दशी के दिन आपको एक कलश में 14 लौंग और कपूर को जलाना है। इसके बाद इस कलश को एक चौराहे पर रख दें। घर से नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने के लिए को इस दिन 14 जायफल लेकर किसी पवित्र नदी में प्रवाहित करें। ऐसा करने से आपको बुरी नजर से राहत मिल जाती है।

मुसीबतों से मुक्ति

अनंत चतुर्दशी के दिन सत्यनारायण भगवान की पूजा करने से समस्त दुखों से मुक्ति मिल जाती है। इस दिन पूजा के दौरान एक लड्डू में 14 लौंग लगाकर सत्यनारायण भगवान को अर्पित करना चाहिए और पूजा के बाद इसे किसी चौराहे पर रख देना चाहिए। ऐसा करने से आपको तमाम मुसीबतों से छुटकारा मिल सकता है।

क्या है चतुर्दशी के अनंत धागे में बंधी 14 गांठ का राज

भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी को अनंत चतुर्दशी का व्रत रखा जाता है। यह भगवान गणेश के विसर्जन का दिन भी होता है जिसका हिंदू धर्म में बड़ा महत्व है। इसे अनंत चौदस के नाम से भी जाना जाता है। भाद्रपद के शुक्ल पक्ष की इस चतुर्दशी को अनंत चतुर्दशी का व्रत किया जाता है। इस दिन अनंत के रूप में हरि की पूजा होती है। पुरुष बाएं तथा स्त्रियां बाएं हाथ में अनंत धारण करती हैं। अनंत राखी के समान रूई या रेशम के कुंकू रंग में रंगे धागे होते हैं और उनमें चौदह गांठ होती हैं। इन्हीं धागों से अनंत का निर्माण होता है। यह व्यक्तिगत पूजा है, इसका कोई सामाजिक धार्मिक उत्सव नहीं होता। हरि की पूजा करके तथा अपने हाथ के ऊपरी भाग में या गले में धागा बांध कर या लटका कर (जिस पर कोई भी पवित्र विष्णु मंत्र पढ़ा गया हो) व्रती अनंत व्रत को पूर्ण करता है। यदि हरि अनंत हैं तो 14 गांठ हरि द्वारा उत्पन्न 14 लोकों की प्रतीक हैं। अनंत चतुर्दशी पर कृष्ण द्वारा युधिष्ठिर से कही गई कौण्डिन्य एवं उसकी स्त्री शीला की गाथा भी सुनाई जाती है। कृष्ण का कथन है कि 'अनंत' उनके रूपों का एक रूप है और ये फाल हैं जिसे अनंत कहा जाता है। अनंत व्रत चंदन, धूप, पुष्प, नैवेद्य के उपचारों के साथ किया जाता है। इस व्रत के विषय में कहा जाता है कि यह व्रत 14 वर्षों तक किया जाए, तो व्रती विष्णु लोक की प्राप्ति कर सकता है। इस दिन भगवान विष्णु की कथा होती है। इसमें उदय तिथि ली जाती है। पूर्णिमा का सहयोग होने से इसका बल बढ़ जाता है। यदि मध्याह्न तक चतुर्दशी हो तो ज्यादा बेहतर है। जैसा इस व्रत के नाम से प्रतीत होता है कि यह दिन उस अंत न होने वाले सृष्टि के कर्ता ब्रह्मा की भक्ति का दिन है। इस व्रत की पूजा दोपहर में की जाती है।

राशिनुसार बांधें अनंत की डोरी

हर कामना होगी पूरी

अनंत चतुर्दशी का दिन भगवान विष्णु के अनंत रूप की पूजा के लिए खास माना गया है। इस शुभ अवसर पर अगर आप उन्हें अपनी राशि के रंग की डोरी बांधेंगे तो निश्चित ही आपको जीवन में यश, सुख, आरोग्य और सफलता मिलेगी तथा आपके सारे सपने पूरे होंगे।

मेष एवं वृश्चिक राशि- सफेद रंग की अनंत (डोरी) बांधें।
वृषभ, कर्क एवं तुला राशि- सफेद रंग की अनंत (डोरी) बांधें।
मिथुन एवं कन्या राशि- हरे रंग की अनंत (डोरी) बांधें।
सिंह राशि- गुलाबी रंग की अनंत (डोरी) बांधें।
मकर एवं कुंभ राशि- काले रंग का अनंत बांधें।
धनु एवं मीन राशि- पीले रंग की अनंत (डोरी) बांधें।

कब से होगी पितृ पक्ष की शुरुआत?

तिथि, पितृ तर्पण और श्राद्ध के नियम

पितृ पक्ष का समय बेहद खास माना गया है। यह पितरों को समर्पित है। ऐसा कहते हैं कि इस दौरान पितरों का तर्पण करने से उनकी आत्मा को शांति मिलती है और उनका आशीर्वाद परिवार पर बना रहता है।

हिंदू धर्म में पितृ पक्ष का समय बेहद महत्वपूर्ण होता है। यह 15-16 दिन की अवधि होती है, जब पितरों यानी पूर्वजों की आत्मा की शांति और मुक्ति के लिए श्राद्ध और तर्पण किया जाता है। इस दौरान लोग अपने पितरों को याद कर उनका आशीर्वाद लेते हैं। माना जाता है कि इस अवधि में पितृ धरती लोक पर आते हैं और सभी के कष्टों को दूर करते हैं।

वैदिक पंचांग के अनुसार, इस साल भाद्रपद माह की पूर्णिमा तिथि 07 सितंबर को देर रात 01 बजकर 41 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, इसका समापन 07 सितंबर को ही रात 11 बजकर 38 मिनट पर होगा। ऐसे में दिन रविवार, 07 सितंबर 2025 के दिन से ही पितृ पक्ष की शुरुआत होने जा रही है। इसके साथ ही इसकी समाप्ति सर्व पितृ अमावस्या यानी 21 सितंबर 2025 को होगी।

पितृ तर्पण और श्राद्ध के नियम

सही तिथि - श्राद्ध हमेशा पितरों की मृत्यु तिथि पर ही किया जाता है। अगर आपको अपने पितरों की मृत्यु की तिथि याद न हो तो सर्व पितृ अमावस्या पर श्राद्ध कर्म कर सकते हैं।

ब्राह्मण भोजन - श्राद्ध के दिन ब्राह्मणों को भोजन कराना और दान-दक्षिणा देना बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। इससे पितरों की आत्मा को शांति मिलती है।

तर्पण - पितृ पक्ष में प्रतिदिन जल, तिल और कुशा से पितरों का तर्पण किया जाता है। तर्पण करते समय उनका नाम लेकर जल अर्पित किया जाता है।

पवित्रता - इस दौरान घर में सात्विक भोजन ही बनाना चाहिए और मांस, मदिरा, व किसी भी तरह के तामसिक भोजन से बचना चाहिए।

दान - पितृ पक्ष में जरूरतमंदों को अन्न, वस्त्र और अन्य आवश्यक चीजों का दान करना चाहिए। इससे पितरों की आत्मा को तृप्ति मिलती है।

पवित्र स्थान - श्राद्ध कर्म किसी पवित्र स्थान, जैसे गंगा घाट आदि पर करना अधिक फलदायी माना जाता है।

अभ्यास सत्र में बिना प्रायोजक की जर्सी पहने नजर आए भारतीय खिलाड़ी

एजेंसियां। दुबई

भारतीय टीम ने दुबई पहुंचने के साथ ही एशिया कप के लिए तैयारियां शुरू कर दी है. भारत ने शनिवार को आईसीसी अकादमी ओवल में पहले नेट सत्र में हिस्सा लिया. इस दौरान भारतीय खिलाड़ी बिना किसी प्रायोजक की जर्सी पहने नजर आए जिससे यह संकेत मिल रहे हैं कि टीम एशिया कप में बिना प्रायोजक वाली जर्सी पहन कर खेलने उतरेगी. ड्रीम-11 से हाल ही में मुख्य प्रायोजक का करार टूटने के कारण खिलाड़ी बिना प्रायोजक वाली जर्सी पहनकर उतरे.

सैमसन ने जितेश पर दिया ध्यान : अभ्यास सत्र के दौरान गिल ने नेट पर लंबा समय बिताया और इस दौरान उन्होंने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की गेंदों का भी सामना किया. वहीं, संजू सैमसन ने उमस भरी गर्मी में 30 मिनट तक बल्लेबाजी अभ्यास किया. सैमसन प्लेइंग-11 में शामिल होंगे या

नहीं इसे लेकर फैसला दिलचस्प रहने वाला है. विकेटकीपर के तौर पर उनकी प्रतिस्पर्धा जितेश शर्मा से है. जितेश ने अभ्यास सत्र के दौरान विकेटकीपिंग अभ्यास किया और इस दौरान सैमसन की नजर उन पर रही.

ड्रीम-11 ने बीसीसीआई के साथ तोड़ा था करार

ड्रीम-11 हाल ही में स्पॉन्सरशिप से पीछे हट गया था और उसने बीसीसीआई के साथ अपने करार को तोड़ लिया था. इंग्लैंड दौरे तक टीम इंडिया की जर्सी पर ड्रीम-11 का लोगो दिखाई देता था, लेकिन हाल ही में पारित 'ऑनलाइन गेमिंग बिल 2025' के कारण कंपनी को अपने संचालन में मुश्किलों का सामना करना पड़ा और उसने अनुबंध से बाहर निकलने का फैसला किया.

अर्शदीप-राणा ने फिटनेस ड्रिल पर बिताया समय

बुमराह और हार्दिक पांड्या के अलावा तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा ने भी गेंदबाजी के अलावा फिटनेस ड्रिल पर अधिक समय बिताया. भारत को एशिया कप में अपना पहला मैच 10 सितंबर को मेजबान यूएई के खिलाफ खेलना है. 14 सितंबर को टीम पाकिस्तान से भिड़ेगी, जबकि 19 सितंबर को मुकाबला ओमान के साथ होगा. 20 सितंबर से प्लेऑफ खेले जाने हैं. भारत इस टूर्नामेंट में खिताब बचाने के इरादे से उतरेगा.

अभिषेक-तिलक ने भी किया अभ्यास : नेट सत्र से पहले भारतीय खिलाड़ियों ने वार्मअप किया. गिल और बुमराह के बीच नेट्स पर प्रतिस्पर्धा देखने लायक थी। गिल के साथ कप्तान सूर्यकुमार यादव ने भी बल्लेबाजी अभ्यास किया. सूर्यकुमार हर्निया की सर्जरी के बाद मैदान पर वापसी कर रहे हैं. इन दोनों बल्लेबाजों से पहले जितेश, अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा ने भी बल्लेबाजी की. अभिषेक ने गेंदबाजी अभ्यास भी किया. वहीं, टीम के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने शिवम दुबे के रन अप और एक्शन पर करीब से निगरानी रखी.

शुभमन ने अभ्यास में दिखाए आतिशी तेवर, बुमराह समेत भारतीय टीम ने कोच गंभीर की अगुआई में बहाया पसीना

एशिया कप की तैयारियों के बीच टेस्ट टीम के कप्तान और टी20 टीम में एक साल बाद वापसी कर रहे शुभमन गिल पर निगाहें रहीं. दुबई के आईसीसी अकादमी में उन्होंने लंबे नेट सत्र में आतिशी तेवर अपनाए. भारतीय टीम इस टूर्नामेंट में खिताब बचाने के इरादे से उतरेगी. भारत ने 2023 में वनडे प्रारूप में खेले गए एशिया कप के फाइनल में श्रीलंका को हराया था. भारत को एशिया कप में अपना पहला मैच 10 सितंबर को मेजबान यूएई के खिलाफ खेलना है. 14 सितंबर को टीम पाकिस्तान से भिड़ेगी, जबकि 19 सितंबर को मुकाबला ओमान के साथ होगा. 20 सितंबर से प्लेऑफ खेले जाने हैं. मुख्य कोच गौतम गंभीर और सूर्यकुमार यादव की अगुआई में गिल, संजू सैमसन, जितेश शर्मा, तिलक वर्मा और अभिषेक शर्मा ने नेट पर लंबे समय तक बल्लेबाजी की. नए हेयर स्टाइल के कारण ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या आकर्षण का केंद्र रहे. उन्होंने प्रशंसकों को बालों के नए अंदाज के कारण हार्दिक पंड्या ऑटोग्राफ भी दिए. एशिया कप के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से सेंटर ऑफ एक्सिलेंस में कोई आधिकारिक शिविर नहीं लगाया गया. गिल, बुमराह, कुलदीप, अर्शदीप को एक महीने का आराम दिया गया. सभी खिलाड़ी निजी तौर पर गुरुवार को दुबई पहुंचे थे. दुबई के मौसम से अभ्यस्त होने के लिए भारतीय टीम पहले ही दुबई पहुंच गई. 40 दिन के आराम के बाद मैदान पर उतरे बुमराह अभ्यास के दौरान अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन के साथ हंसी-मजाक करते नजर आए. सैमसन ने कोच गौतम गंभीर और फील्डिंग कोच के साथ लंबी मंत्रणा की.

लीग्स कप विवाद

लुइस सुवारेज़ पर छह मैच का बैन

न्यूयॉर्क। इंटर मियामी के स्टार खिलाड़ी लुइस सुवारेज़ पर लीग्स कप की अनुशासन समिति ने छह मैचों का प्रतिबंध लगाया है. यह सज़ा उन्हें पिछले सप्ताहांत सिएटल साउंडर्स के खिलाफ हुए फाइनल मैच में विवादित घटनाक्रम के चलते दी गई है. 38 वर्षीय उरुग्वे, लिवरपूल और बार्सिलोना के पूर्व स्टार सुवारेज़ पर आरोप है कि उन्होंने मियामी की 0-3 की हार के बाद मैदान पर हुई झड़प में साउंडर्स के एक अधिकारी पर थूक दिया. समिति ने साफ किया कि यह प्रतिबंध अगले साल होने वाले लीग्स कप पर लागू होगा, जबकि मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) चाहे तो इस पर अतिरिक्त कार्रवाई भी कर सकती है.षसुवारेज़ ने गुरुवार को इंस्टाग्राम पर बयान जारी करते हुए माफी मांगी.

श्रेयस अय्यर बने भारत ए के कप्तान, टीम घोषित

एजेंसियां। नयी दिल्ली

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने शनिवार को भारतीय ए टीम का ऐलान कर दिया. टीम की कमान स्टार बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को सौंपी गई है जबकि विकेट कीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल को उपकप्तान बनाया गया है. बता दें कि, ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ भारतीय ए टीम दो चार दिनी मुकाबले खेलेगी. पहला मैच 16 सितंबर से खेला जाएगा जबकि दूसरा मैच 23 सितंबर से शुरू होगा. दोनों मुकाबले सुबह 9:30 बजे से लखनऊ में खेले जाएंगे.

भारत ए ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ लखनऊ में खेलेगा दो चार दिवसीय मैच

केएल राहुल और सिराज भी जुड़ेंगे: पहला मुकाबला समाप्त होने के बाद दूसरे चार दिवसीय मैच से पहले भारतीय ए स्क्वॉड में केएल राहुल और मोहम्मद भी शामिल होंगे. दोनों पूर्व में चुने गए स्क्वॉड में किन्हीं दो खिलाड़ियों की जगह टीम का हिस्सा बनेंगे. बता दें कि, केएल और सिराज नौ सितंबर से शुरू हो रहे एशिया कप 2025 के लिए चुने गए स्क्वॉड का हिस्सा नहीं हैं.

एशिया कप टीम में हुई थी श्रेयस की अनदेखी: श्रेयस भी एशिया कप टीम का हिस्सा नहीं हैं. दाएं हाथ के बल्लेबाज को ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ शुरू हो रही दो चार दिवसीय मैचों की सीरीज में भारतीय ए टीम का नेतृत्व करते देखा जाएगा.

तीन वनडे मैचों की सीरीज भी खेली जाएगी: दो चार दिवसीय मुकाबलों के बाद भारतीय ए और ऑस्ट्रेलिया ए की टीमों के बीच कानपुर में तीन वनडे मैचों की सीरीज खेली जाएगी. पहला मुकाबला 30 सितंबर को होगा जबकि दूसरा मैच 3 अक्तूबर को खेला जाएगा. वहीं, पांच अक्तूबर को दोनों टीमें सीरीज के आखिरी मुकाबले के लिए आमने-सामने होंगी. इसके लिए बीसीसीआई अलग टीम घोषित करेगी. माना जा रहा है कि वनड की टीम में रोहित शर्मा और विराट कोहली को भी शामिल किया जाएगा.

दो चार दिवसीय मैचों के लिए भारतीय ए टीम: श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिमन्यु ईश्वरन, एन जगदीसन (विकेटकीपर), साई सुदर्शन, ध्रुव जुरेल (उपकप्तान और विकेटकीपर), देवदत्त पडिक्कल, हर्ष दुबे, आयुष बडोनी, नीतीश कुमार रेड्डी, तनुष कोटियन, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बराड़, खलील अहमद, मानव सुथार, यश ठाकुर.

सीरीज का कार्यक्रम

मैच	तारीख	समय	जगह
पहला	16 -19	09:30	लखनऊ
दूसरा	23 -26	09:30	लखनऊ

अब समोआ के लिए क्रिकेट खेलेंगे रॉस टेलर

न्यूजीलैंड के लिए खेले 112 टेस्ट, 236 वनडे और 102 टी20

एजेंसियां। नयी दिल्ली

न्यूजीलैंड के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट में 450 मैच खेलने के बाद संन्यास लेने वाले रॉस टेलर अब एक बार फिर इंटरनेशनल क्रिकेट खेलते दिखेंगे. जी हां, 41 साल के रॉस टेलर ने संन्यास से यूटर्न लेते हुए अब समोआ के लिए खेलने का फैसला किया है. टेलर इंटरनेशनल क्रिकेट में न्यूजीलैंड के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज हैं. उनके नाम 40 शतक और 93 फिफ्टी के साथ 18199 रन हैं. रॉस टेलर एशिया-ईस्ट एशिया-पैसिफिक टी20 वर्ल्ड कप 2026 क्वालीफायर में समोआ के लिए खेलते दिखेंगे. यह टूर्नामेंट 8 अक्टूबर से ओमान में खेला जाना है. रॉस टेलर ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'मुझे यह घोषणा करते हुए गर्व महसूस हो रहा है कि मैं नीली जर्सी पहनकर क्रिकेट में समोआ का प्रतिनिधित्व करूंगा. यह फैसला क्रिकेट में वापसी से कहीं बढ़कर है. अपनी विरासत, संस्कृति, गांवों और परिवार का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान है. मैं खेल को कुछ वापस देने, टीम में शामिल होने और मैदान के अंदर और बाहर अपने अनुभव साझा

करने के लिए उत्साहित हूं.

रॉस टेलर ने 2022 में लिया था संन्यास : आपकी जानकारी के लिए बता दें कि रॉस टेलर ने 2006 में इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू किया था. वहीं उन्होंने 2022 में इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कह दिया था. टेलर ने न्यूजीलैंड के लिए 112 टेस्ट, 236 वनडे और 102 टी20 मैच खेले. टेलर (18,199 रन) न्यूजीलैंड के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज हैं. रॉस टेलर ने न्यूजीलैंड के लिए अपना आखिरी मैच अप्रैल 2022 में खेला था, जिसके बाद तीन साल का स्टैंड-आउट पीरियड पूरा करने पर अब वह दूसरी नेशनल टीम के लिए खेलने के पात्र हो गए हैं. उन्हें अपनी मां की विरासत के चलते समोआ का पासपोर्ट मिला हुआ है. कालेब जस्मत की कप्तानी वाली सामोआ ने सब-रीजनल क्वालीफाइंग में सभी को चौंकाया है. इस टीम ने वानुअतु, कुक आइलैंड्स और फिजी जैसी टीमों को हराकर नए हाइब्रिड एशिया/ईस्ट एशिया-पैसिफिक क्वालीफायर में जगह बनाई है.

9 टीमों वाले इस टूर्नामेंट की शुरुआत 8 अक्टूबर से होने जा रही है. सामोआ ने पापुआ न्यू गिनी और जापान के साथ मिलकर ईस्ट एशिया-पैसिफिक का प्रतिनिधित्व किया है. यह टीमें तीन टी20 वर्ल्ड कप स्थानों के लिए भिड़ेंगी. टूर्नामेंट में ओमान, नेपाल, कुवैत, मलेशिया, कतर और यूएई भी हिस्सा ले रहे हैं. समोआ की टी20 टीम- कालेब जस्मत (कप्तान), रॉस टेलर, डेरियस विसर, सीन सोलिया, डैनियल बर्गेस, डगलस फिनाउ, सैम फ्रेंच, कुर्टिस ह्यनम-न्यबर्ग, बेन मैलाटा, नोआ मीड, सोलोमन नैश, सैमसन सोला, फेरेटी सुलुलोटो, सौमानी तिआई और इली तुगागा.

अल्कराज ने जोकोविच को हराकर यूएस ओपन-2025 फाइनल में बनाई जगह

एजेंसियां। न्यूयॉर्क

दूसरी वरीयता प्राप्त कार्लोस अल्कराज ने 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच को शुक्रवार को सीधे सेटों में 6-4, 7-6(4), 6-2 से हराकर यू.एस. ओपन के फाइनल में प्रवेश कर लिया. आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए इस बहुप्रतीक्षित मुकाबले में दर्शकों की भारी भीड़ जुटी और मैच ने पूरी तरह उम्मीदों पर खरा उतरते हुए रोमांचक अंदाज़ पेश किया. 2022 के चैंपियन अल्कराज ने मैच प्वॉइंट पर गूंजती तालियों और नारों के बीच जीत पक्की की. उन्होंने अपने से 16 साल बड़े प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ दोगुने विनर शॉट लगाए.

मैच के बाद अल्कराज ने कहा, "एक बार फिर यू.एस. ओपन के फाइनल में पहुंचना शानदार एहसास है और मेरे लिए बहुत मायने रखता है. यह बेहद शारीरिक मुकाबला था." पहले सेट में जोकोविच शुरुआत में ही सर्व गंवा बैठे और उन्हें कोई भी ब्रेक प्वॉइंट बनाने का मौका नहीं मिला. अल्कराज ने दमदार सर्व के साथ पहला सेट अपने नाम किया. दूसरे सेट में सातवीं वरीयता प्राप्त जोकोविच ने

वापसी की कोशिश की और दूसरे गेम में शानदार बैकहैंड से ब्रेक हासिल किया. लेकिन अल्कराज ने पांचवें गेम में लंबी रैली जीतकर ब्रेक प्वॉइंट बनाया और बढ़त वापस ले ली.

टाईब्रेक में 0-2 से पिछड़ने के बाद जोकोविच ने शानदार नेट प्ले दिखाकर भीड़ को खुश किया, मगर अल्कराज ने लगातार दो दमदार सर्विस से बढ़त बनाए रखी और दूसरा सेट भी जीत लिया.तीसरे सेट में जोकोविच की डबल फॉल्ट ने अल्कराज को शुरुआती बढ़त दी.

वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2025

सुमित, नीरज प्री-क्वार्टर फाइनल में; जैस्मिन ने भी किया शानदार आगाज

लिवरपूल। भारत ने वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप के दूसरे दिन दमदार प्रदर्शन किया. पुरुषों के 75 किग्रा वर्ग में सुमित कुंडू और महिलाओं के 65 किग्रा वर्ग में नीरज फोगाट ने जीत दर्ज कर प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई. वहीं, महिला बॉक्सर जैस्मिन ने भी 57 किग्रा वर्ग में शानदार जीत से अंतिम-16 दौर में प्रवेश किया. सुमित ने जॉर्डन के मोहम्मद अलहुसैन को 5-0 से मात दी. दो साल बाद किसी बड़े टूर्नामेंट में वापसी कर रहे सुमित ने आक्रामक अंदाज़ में मुकाबला खेला और लगातार दबाव बनाते हुए शानदार पावर-पैक पंच लगाए. अब सुमित का अगला मुकाबला पेरिस ओलंपियन बुल्गारिया के रामी किवान से होगा.

पाकिस्तान से मैच पर बीसीसीआई का बड़ा अपडेट

सरकार की नीति का ही होगा पालन

एजेंसियां। नयी दिल्ली

एशिया कप 2025 की शुरुआत 9 सितंबर से यूएई में होने जा रही है. इस बार भी भारत और पाकिस्तान की टीमें आमने-सामने होंगी. दोनों के बीच यह हाई-वोल्टेज मुकाबला 14 सितंबर को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा. पहलगाम आतंकी हमले के बाद इस मैच को लेकर कई सवाल उठ रहे थे, लेकिन बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने अब स्थिति साफ कर दी है. उन्होंने कहा कि भारत-पाक मैच पर बीसीसीआई पूरी तरह से केंद्र सरकार की नीति का पालन करता है और इसमें बोर्ड को कोई दिक्कत नहीं है.

गिल की कप्तानी पर टाली बात

इंटरव्यू के दौरान जब उनसे शुभमन गिल को तीनों फॉर्मेट में कप्तानी दिए जाने की संभावना पर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने इस मामले में कोई टिप्पणी करने से खुद को बचा लिया. सैकिया ने कहा कि यह अभी सही समय नहीं है. किसी भी खिलाड़ी के

भविष्य को लेकर जल्दबाजी में बयान नहीं देना चाहिए.

टिकट का दाम घटाकर 100 रुपये कर दिए

महिला विश्व कप को लेकर बीसीसीआई ने एक खास कदम उठाया है. टूर्नामेंट के लिए टिकट की कीमत केवल 100 रुपये रखी गई है ताकि अधिक से अधिक दर्शक स्टेडियम पहुंचें और महिला क्रिकेट का समर्थन करें. सैकिया ने कहा कि इसका मकसद है कि महिला क्रिकेट को ज्यादा लोकप्रिय बनाया जा सके और भरे हुए स्टेडियम में खिलाड़ी खेल सकें.

सैकिया ने साफ किया बोर्ड का रुख

पीटीआई वीडियो को दिए एक विशेष इंटरव्यू में सैकिया ने कहा, पाकिस्तान के खिलाफ मैच को लेकर बीसीसीआई का रुख बिल्कुल साफ है. हम केंद्र सरकार के फैसले का समर्थन करते हैं. भारत सरकार ने एक नीति बनाई है और हमें उस नीति को मानना होगा. हमारे लिए सरकार की बनाई नीति का पालन करने में कोई दिक्कत नही है.

महिला विश्व कप पर जताई उम्मीद

30 सितंबर से भारत और श्रीलंका में महिला वनडे विश्व कप की शुरुआत होगी. इस बड़े टूर्नामेंट से पहले भी सैकिया ने मेजबान भारतीय महिला टीम पर भरोसा जताया. उन्होंने कहा कि टीम इंडिया पिछले दो साल से शानदार खेल रही है. हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में भी महिला टीम का प्रदर्शन मजबूत रहा था. सैकिया ने बताया कि खिलाड़ी विशाखापत्तनम में लगातार अभ्यास कर रही हैं और पिछले 6-7 महीनों से तैयारी पर पूरा फोकस है.

फिडे ग्रां प्री स्विस 2025

गुकेश ने ड्रॉ खेला, प्रज्ञानानंद ने हासिल की जीत; महिला वर्ग में वैशाली संयुक्त बढ़त पर

एजेंसियां। समरकंद (उज़्बेकिस्तान)

विश्व चैम्पियन डी. गुकेश को मात्र 14 वर्षीय तुर्की ग्रैंडमास्टर यागिज़ खान एर्दोगमुस ने दूसरे दौर में ड्रॉ पर रोक दिया. वहीं, महिला वर्ग की मौजूदा चैंपियन आर. वैशाली ने शानदार प्रदर्शन करते हुए हॉलैंड की एलाइन रोएबर्स को पराजित कर संयुक्त बढ़त हासिल की. ओपन सेक्शन में गुकेश जीत की स्थिति में होने के बावजूद समय की कमी से जूझते हुए एर्दोगमुस से अंक बांटने पर मजबूर हुए. दूसरी ओर, शीर्ष वरीय आर. प्रज्ञानानंद ने शानदार वापसी करते हुए अपने पहले मुकाबले में जीत दर्ज की. उन्होंने रूस पर प्रतिबंध के कारण फिडे ध्वज तले खेल रहे इवान ज़ेनल्यांस्की को पराजित किया. 8,55,000 अमेरिकी डॉलर इनामी राशि वाले इस टूर्नामेंट के ओपन वर्ग में फ्रांस के अलीरेज़ा फिरौजा, ईरान के परहम मागसूदलू और स्लोवेनिया के एंटोन डेमचेंको दो-दो अंक के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं. महिला वर्ग में वैशाली लगातार दूसरी जीत के साथ दो अंकों पर पहुंच गई हैं और अब वह ऑस्ट्रिया की ओल्गा बेदेलका के साथ संयुक्त शीर्ष पर हैं. वैशाली की रेटिंग और वर्तमान फॉर्म को देखते हुए उम्मीद है कि वह जल्द ही अकेली बढ़त बना सकती हैं. यह फिडे ग्रां प्री स्विस का चौथा संस्करण है. ओपन और महिला दोनों वर्गों में शीर्ष दो खिलाड़ी 2026 के फिडे कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करेंगे, जो अगली विश्व चैम्पियनशिप के दावेदार तय करेगा.

डब्ल्यूडब्ल्यूई : ब्रॉक लेसनर ने तो सब बर्बाद कर दिया

फैंस के 10 साल के इंतजार को किया खराब

एजेंसियां। नयी दिल्ली

डब्ल्यूडब्ल्यूई में 10 साल बाद एक बार फिर यूनाइटेड स्टेट्स ओपन चैलेंज की शुरुआत हुई है, लेकिन इसका आगाज धमाकेदार नहीं बल्कि विवादित रहा. स्मैकडाउन में नए अमेरिका चैंपियन सामी जेन ने इस परंपरा को फिर से शुरू करने का फैसला किया, जिसे रेसलमेनिया 31 के बाद जॉन सीना ने शुरू किया था. इसका मकसद नए और युवा रेसलर्स को मौका देना था, लेकिन सामी जेन और जॉन सीना के बीच हुए पहले ओपन चैलेंज मैच में ब्रॉक लेसनर के दखल ने सब कुछ खराब कर दिया.

दरअसल, शिकागो में हुए स्मैकडाउन में सामी जेन ने ओपन चैलेंज के लिए जॉन सीना को चुना. यह मैच काफी रोमांचक रहा और फैंस भी दोनों के बीच मुकाबला देखकर उत्साहित थे. लेकिन मैच के बीच में ही ब्रॉक लेसनर ने वापसी की और रेफरी को बाहर फेंक दिया. इसके बाद उन्होंने सामी जेन को एफ5 मूव दिया और फिर जॉन सीना को भी कई एफ5 मूव देकर बुरी तरह पीटा. लेसनर के इस हमले के बाद दोनों ही रेसलर मुकाबले की स्थिति में नहीं रहे और मैच को बीच में ही रोकना पड़ा.

ब्रॉक लेसनर के इस कदम से सामी जेन के अमेरिका ओपन चैलेंज की शुरुआत भले ही खराब हुई हो, लेकिन जेन ने यह साफ कर दिया है कि वह अपने टाइटल को बचाने के लिए तैयार हैं, भले ही उन्हें यह पता न हो कि उनका अगला प्रतिद्वंद्वी कौन होगा. यह देखना दिलचस्प होगा कि ब्रॉक लेसनर के दखल के बाद सामी जेन को अब कौन चुनौती देता है.

वहीं, लेसनर के इस हमले का मकसद सामी जेन को हराना नहीं, बल्कि जॉन सीना को एक संदेश देना था. लेसनर ने पहले ही संकेत दिए हैं कि वह रेसलपालूजा में जॉन सीना से भिड़ेंगे. ऐसे में सामी जेन के लिए यह राहत की बात हो सकती है कि फिलहाल उनका सामना द बीस्ट से नहीं होगा. अब देखना यह है कि सामी जेन अपने यूएस टाइटल को कैसे बचाते हैं और जॉन सीना की तरह नए टैलेंट को आगे बढ़ने का मौका देते हैं.

महिला विश्व कप : भारत में टूर्नामेंट शुरू होने से पहले ही पाकिस्तान का नया बवाल

एजेंसियां। नयी दिल्ली

पाकिस्तान की महिला क्रिकेट टीम 30 सितंबर को गुवाहाटी में होने वाले आईसीसी महिला विश्व कप के उद्घाटन समारोह में भाग नहीं लेगी. एक पाकिस्तानी न्यूज़ आउटलेट, जियो सुपर की रिपोर्ट के अनुसार ऐसा फैसला लिया गया है. उद्घाटन समारोह में भारत की मशहूर गायिका श्रेया घोषाल अपनी प्रस्तुति देंगी. इसके बाद सह-मेजबान भारत और श्रीलंका के बीच पहला मैच होगा.

पाकिस्तान की टीम नहीं आएगी भारत : सूत्रों के अनुसार पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना या टीम का कोई भी सदस्य भारत में इस समारोह में शामिल नहीं होगा. यह फैसला पाकिस्तान और भारत के बीच हाल

ही में बनी एक नीति से जुड़ा हो सकता है. इस नीति के अनुसार दोनों देश अगले तीन सालों तक आईसीसी टूर्नामेंट के लिए एक-दूसरे की सीमा पार नहीं करेंगे. राजनीतिक तनाव के कारण दोनों देशों के बीच खेल संबंध प्रभावित हुए हैं. भारत ने 2008 से पाकिस्तान का दौरा नहीं किया है. इस साल की शुरुआत में भारत ने पाकिस्तान में आयोजित चैंपियंस ट्रॉफी में भाग लेने से इनकार कर दिया था.

श्रीलंका में मैच खेलेगी पाकिस्तान की टीम: पाकिस्तान की टीम अपने सभी मैच कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेलेगी. अगर पाकिस्तान सेमीफाइनल में पहुंचता है तो यह स्टेडियम 29 अक्टूबर को सेमीफाइनल और 2 नवंबर को फाइनल की मेजबानी भी करेगा. पाकिस्तान का पहला मैच 2 अक्टूबर को बांग्लादेश के खिलाफ है. पाकिस्तान और भारत का मैच 5 अक्टूबर को खेला जाना है.

ब्रीफ न्यूज

कटिहार में ठनका की चपेट में आने से तीन पशुपालकों की मौत

कटिहार । बिहार में कटिहार जिले के कुर्सेला थाना क्षेत्र अन्तर्गत कबीर मठ के पास शनिवार को आकाशीय बिजली गिरने से मवेशी चरा रहे तीन ग्रामीणों की मौत हो गई. स्थानीय ग्रामीणों के मुताबिक, दोपहर बाद मौसम बदलने के साथ ही तेज गरज-चमक शुरू हुई. उसी दौरान कबीर मठ के पास चरागाह में मौजूद ग्रामीण अचानक आकाशीय बिजली की चपेट में आ गए. घटना स्थल पर ही तीन लोगों की मौत हो गई. मृतकों की पहचान तीनघरिया गांव के निवासी अखिलेश मंडल, धीरेन्द्र मंडल और गोपी मंडल के रूप में हुई है. हादसे की सूचना मिलते ही कुर्सेला थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया. स्थानीय प्रशासन ने हादसे पर गहरा शोक जताते हुए लोगों से अपील की है कि बरसात और गरज-चमक के दौरान खुले मैदान, पेड़ या नदी-तालाब के किनारे जाने से बचें. सरकारी स्तर पर मृतकों के परिजनों को आपदा राहत मद से मुआवजा देने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है. मृतक अखिलेश मंडल, धीरेन्द्र मंडल और गोपी मंडल सभी 50 वर्ष के थे.

पोते को डूबने से बचाने में दादा की मौत

भागलपुर । जिले के अकबरनगर थाना क्षेत्र के दामोदरपुर गांव में शनिवार को पोते को बचाने के क्रम में दादा जमाल (60) की मौत हो गई. बताया जा रहा है कि जमाल डोम स्नान कर चुके थे. इसका बाद उनका पोता तालाब में नहा रहा था. अचानक पोता गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा. यह देख दादा ने बिना देर किए तालाब में छलांग लगा दी. उन्होंने अपने पोते को तो सुरक्षित बाहर निकाल लिया, लेकिन खुद गहरे पानी में फंसकर बाहर नहीं निकल पाए. गांव के लोगों ने आनन-फानन में खोजबीन शुरू की और करीब आधे घंटे बाद जमाल डोम का शव तालाब से निकाला गया. घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. मृतक जमाल डोम बांस से सूप, पंखा और डालिया बनाने का काम कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे.

ट्रंप टैरिफ से परेशान बुनकरों को मिला 5 करोड़ का ऑर्डर

शुभम संदेश। भागलपुर

भागलपुर सिल्क नगरी के नाम से जाना जाता है और यहां का सिल्क देश से लेकर विदेश तक फैला हुआ है. ऐसे में एक बार जहां ट्रंप टैरिफ की मार बुनकरों ने झेली लेकिन मां दुर्गा ने बुनकरों की झोली में खुशियली भी दी है. उल्लेखनीय है कि इस बार दुर्गा पूजा को लेकर शहर के बुनकरों को एक बड़ा ऑर्डर मिला है, जिससे इन लोगों को थोड़ा सा राहत जरूर हुआ है. दुर्गा पूजा को लेकर पूरे बुनकर क्षेत्र की बात कर ले तो करीब 5 करोड़ का आर्डर पूरे बुनकर क्षेत्र को मिला है. यह अलग-अलग महानगरों से बुनकर क्षेत्र में आर्डर मिला है. बुनकरों को कोलकाता, दिल्ली, मुंबई समेत अन्य शहरों से आर्डर मिला है, जिससे बुनकरों को थोड़ी राहत जरूर मिली है.

उल्लेखनीय है कि दुर्गा पूजा को लेकर यहां पर हर वर्ष स्पेशल साड़ियां तैयार की जाती है. जो अलग-अलग शहरों में भेजी जाती है. इस बार कोलकाता की बात करें तो यहां पर मस्राइज साड़ियां भेजे जाएंगे, जिस पर कट वर्क काम किया हुआ होगा, जो बिल्कुल ही देखने में खूबसूरत और अलग डिजाइन में होगी. दिखने में जितनी खूबसूरत होगी उतना ही पहनने में भी कंफर्ट होगा. मस्राइज कट वर्क की बात करें तो यह अलग-अलग डिजाइन में तैयार होती है. इस पर अलग-अलग वर्क किया होता है. कटवर्क यानी कि इसके बॉर्डर पर कई तरह के डिजाइन तैयार की जाती है, जो दिखने में काफी खूबसूरत होती है. वहीं मस्राइज साड़ी की बात करें तो यह काफी हल्की साड़ियां होती है और कम रेंज में अच्छी साड़ियां उपलब्ध हो जाती है.

बुनकर सह सिल्क कारोबारी संजीव कुमार बताते हैं कि बुनकर क्षेत्र को जहां विदेशी ऑर्डर पर रोक लगी है, वहीं दुर्गा पूजा में यह आर्डर बुनकरों को जरूर राहत देगी. यह कपड़ा तैयार करने में बुनकर लग गए हैं. 5 से 7 दिनों में यह आर्डर यहां से भेज दिया जाएगा. कोलकाता की बात कर लें तो वहां पर दुर्गा पूजा में सबसे अधिक बिकने वाली साड़ी बाटिक प्रिंट होती है, जो प्रिंट हाथ और मशीन दोनों से तैयार की जाती है. मोम के माध्यम से उस प्रिंट को तैयार किया जाता है, जो देखने में काफी खूबसूरत लगती है. इस साड़ी की कीमत 800 रुपया से शुरू हो जाती है और 3000 रुपया तक जाती है.

वहीं मस्राइज कटवर्क की बात करें तो 1300 रुपया से साड़ी शुरू होती है और इसकी कीमत 4000 तक जाती है. खासकर मस्राइज कर्टवर्क की बात करें तो साउथ में इसका अच्छा खासा डिमांड है और कोलकाता से भी इस बार अच्छा खासा आर्डर मिला है. अगर एक बुनकर की बात कर लें तो 300 से अधिक साड़ियों के आर्डर एक बुनकरों के पास आए हुए है. वहीं दिल्ली और अन्य शहरों से भी अच्छे खासे आर्डर मिले हैं.

नहाने के दौरान तीन बच्चे डूबे,दो की हो गई मौत

शुभम संदेश। भागलपुर

जिले के नाथनगर थाना क्षेत्र के अजमेरीपुर दियारा में दो बच्चों की मौत डूबने हो गई. एक बच्चे की हालत गंभीर बनी हुई है. बताया जा रहा है कि तीनों बच्चे गांव स्थित रसीदपुर घाट में नहाने गए थे और उसी दौरान तीनों डूब गए,जिसमें दो बच्चों की मौत घटनास्थल पर ही हो गई. तीनों अजमेरीपुर के रहने वाले थे. बच्चे की पहचान प्रवीण मंडल के 13 वर्षीय पुत्र रबला कुमार, लक्ष्मी मंडल के 14 वर्षीय पुत्र राजा कुमार और गोपी मंडल के 12 वर्षीय पुत्र रामू कुमार के रूप में हुई है. ग्रामीणों ने तत्काल घटना की सूचना नाथनगर पुलिस को दी.

सूचना मिलते ही थाना अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जांच के बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. थाना प्रभारी राजीव रंजन सिंह ने बताया कि नदी में में डूबने से दो बच्चों की मौत हो गई. एक बच्चे का उपचार किया जा रहा है.

अररिया में अनियंत्रित बाइक पेड़ से टकराई, तीन लोगों की मौत

शुभम संदेश। अररिया

अररिया जिले के जोगबनी थाना क्षेत्र अन्तर्गत किसान चौक पर शुक्रवार की देर एक एक बाइक अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गयी, जिससे बाइक पर सवार तीन युवक की मौत हो गई. एक की मौके पर ही मौत हो गई,जबकि दो युवक को लेकर ग्रामीण फारबिसगंज अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचे,जहां चिकित्सक ने उन दोनों को भी मृत घोषित कर दिया. मृतकों में 25 वर्षीय इंजार पिता मो. मुस्तकीम, 24 वर्षीय जासीम पिता मो. मुख्तार एवं 26 वर्षीय साहिल पिता मुबारक है.तीनों निवासी मधुरा वार्ड संख्या 12 थाना जोगबनी थाना क्षेत्र के मधुरा वार्ड संख्या 12 के रहने वाले थे. मृतक तीनों युवक गैरेज मिस्त्री बताया जाता है. घटना के संदर्भ में बताया जाता है कि मृतक तीनों युवक एक हीं बाइक पर सवार होकर अपने घर मधुरा से गढ़हा चौक स्थित गैरेज जा रहे थे. अचानक किसान चौक के समीप बाइक अनियंत्रित हो गया. जिसके कारण बाइक सड़क के किनारे एक पेड़ से टकरा गया. बाइक पर सवार तीनों युवक सड़क के किनारे एक पानी के गड्ढे में जा गिरे. बताया जाता है कि एक युवक शाहिद की घटनास्थल पर ही मौत हो गई. घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने इंजार एवं जासिम को इलाज के लिए फारबिसगंज अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया लेकिन अस्पताल पहुंचते हीं चिकित्सक ने दोनों युवक को मृत घोषित कर दिया. सूचना के बाद फारबिसगंज एसडीपीओ मुकेश कुमार साहा सहित पुलिस फारबिसगंज अनुमंडल अस्पताल पहुंचे. एसडीपीओ मुकेश कुमार साहा ने बताया कि सड़क दुर्घटना में तीन युवक के मौत होने की जानकारी है. उन्होंने बताया कि मृतक के स्वजनों ने शव का पोस्टमार्टम कराने से मना किया है. उन्होंने मामले में अग्रतर कार्रवाई किए जाने की बात कही है.

अमृतसर मंदिर ग्रेनेड हमले का मास्टरमाइंड सरणजीत गिरफ्तार

पटना। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की टीम ने अमृतसर मंदिर ग्रेनेड हमले के मास्टरमाइंड खालिस्तानी सरणजीत उर्फ सनी को देर रात बिहार के गयाजी से गिरफ्तार किया है. लंबे समय से फरार चल रहा सरणजीत अपनी पहचान छिपा कर इन दिनों बिहार में रह रहा था. एनआईए की टीम को इनपुट मिलने के बाद देर रात छापेमारी कर उसे गिरफ्तार किया गया.

एनआईए की टीम को पिछले दिनों सरणजीत के बिहार में सक्रिय होने की सूचना मिली थी. जिसके बाद से टीम लगातार उसकी गतिविधियों पर नजर रख रही थी. शुक्रवार देर रात जिले के शेरघाटी थाना क्षेत्र के गोपालपुर गांव के पास नेशनल हाईवे पर एनआईए की टीम ने छापेमारी कर सरणजीत को गिरफ्तार कर लिया. छापेमारी के समय शेरघाटी पुलिस भी मौके पर मौजूद रही. गिरफ्तारी के बाद एनआईए की टीम सरणजीत को लेकर शनिवार सुबह गयाजी से चंडीगढ़ के लिए रवाना हो गई. शेरघाटी थानाध्यक्ष अजीत कुमार ने बताया कि सरणजीत को गिरफ्तार कर एनआईए की टीम उसे लेकर शनिवार सुबह चंडीगढ़ के लिए रवाना हो गई. चंडीगढ़ में एनआईए उससे पूछताछ करेगी.

जमीन विवाद का मामला

सगे भाई ने छोटे भाई की हत्या की,एक हिरासत में

- पूर्व से चले आ रहे जमीन विवाद को लेकर शुक्रवार की देर शाम पहले चाचा और भतीजा में विवाद हुआ.
- दिल दहलानेवाला मामला जिले के नरपतगंज थाना क्षेत्र के फरही पंचायत के जोगीपुर में वार्ड संख्या 12 का है.

शुभम संदेश । अररिया

अररिया से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है.,जहां सगे भाई ने अपने परिवार के सदस्यों के साथ मिलकर छोटे भाई की तेज धारदार हथियार फरसा से जानलेवा प्रहार कर हत्या कर दी. हत्या का कारण दोनों भाइयों के बीच जमीन के चंद टुकड़े को लेकर हुआ विवाद बताया जा रहा है. मामला जिले के नरपतगंज थाना क्षेत्र के फरही पंचायत के जोगीपुर वार्ड संख्या 12 की है. शुक्रवार की देर शाम पूर्व से चला आ रहा जमीन विवाद को लेकर पहले चाचा और भतीजा में विवाद हुआ. बाद में भतीजा के साथ हुए विवाद में परिजन भी कूद पड़े और छोटे भाई की बड़े भाई ने बेटा और अन्य सदस्यों के साथ मिलकर जमकर पिटाई की और फिर भाला घोंपने के साथ तेज धारदार फरसा से प्रहार कर हत्या कर दिया. मृतक का नाम विशेंदर मंडल पिता स्व.महावीर मंडल बताया जाता है. घटना के बाद परिजन ने उसे गंभीर स्थिति में अनुमंडलीय अस्पताल फारबिसगंज लाया, जहां ऑन ड्यूटी चिकित्सकों ने प्राथमिक इलाज के दौरान मृत घोषित कर दिया. वहीं डीएसपी मुकेश कुमार साहा, नरपतगंज थानाध्यक्ष संजय कुमार सदल बल फारबिसगंज अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचे और घटना की जानकारी प्राप्त कर जांच प्रक्रिया शुरू कर दिया. मृतक की घायल पुत्री ज्योति कुमारी ने बताया कि पापा और चाचा के बीच पूर्व से जमीन को लेकर विवाद चल रहा है. इस दौरान शुक्रवार को साइकिल लगाने को लेकर विवाद हो गया. तू-तू मैं-मैं के दौरान विवाद हिंसक रूप ले लिया. जहां मृतक के बड़े भाई मुन्ना उर्फ मुनेश्वर मंडल,छोटा भाई उपेन मंडल, ललन मंडल, कबीर मंडल, शंकर मंडल, रणजीत मंडल, नीरू मंडल सहित अन्य लोगों के द्वारा लाठी, डंडा से प्रहार करना शुरू कर दिया.

हटिया-पटना एक्स. से अगवा हुए कोच अटेंडेंट को पुलिस ने छुड़ाया

पटना । पटना में हटिया-पटना एक्सप्रेस से एक कोच अटेंडेंट का अपहरण का अपहरण कर लिया गया था. इस खबर से रेल प्रशासन में हड़कंप मचा दिया. फौरन पुलिस टीम एक्टिव हुए. इसके बाद ताबड़तोड़ छापेमारी कर कड़ी मशक्कत के बाद कोच अटेंडेंट को हाथीदह स्टेशन के पास से बरामद कर लिया. घटना बाढ़ रेल खंड के पास की बताई जा रही है. शनिवार को शराब माफियाओं ने हटिया-पटना एक्सप्रेस ट्रेन की एसी बी5 कोच में तैनात राकेश कुमार (पश्चिम बंगाल) को पिस्टल के बल पर अगवा कर लिया गया. बताया जा रहा है कि ट्रेन के बाढ़ खंड से गुजरने के दौरान कुछ अज्ञात लोगों ने कोच अटेंडेंट राकेश कुमार को ट्रेन से बाहर खींच लिया और पिस्टल दिखाकर अगवा कर लिया. घटना की जानकारी मिलते ही जीआरपी, आरपीएफ और स्थानीय थाने की टीमें हरकत में आ गईं. रेल पुलिस की त्वरित कार्रवाई के चलते महज कुछ ही घंटों में मामले का पर्दाफाश कर दिया गया. अपहृत को सुरक्षित बाहर निकाला गया और एक आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया. पूछताछ में कई अहम सुराग हाथ लगे हैं, जिनके आधार पर अन्य आरोपियों की तलाश जारी है.

कारोबार

अमेरिका ने 45 कैटेगरी में टैरिफ छूट का किया ऐलान, ट्रंप के तेवर हुए नरम

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को एक एग्जिक्यूटिव ऑर्डर पर हस्ताक्षर कर 45 से अधिक कैटेगरी में टैरिफ छूट की घोषणा की है. यह छूट सोमवार सुबह 12:01 बजे (ज़डीडे) से प्रभावी होगी. जिन देशों ने अमेरिका के साथ पारस्परिक (रेसिप्रोकल) व्यापार समझौता किया है, उन्हें इसका लाभ मिलेगा. इस छूट में वे वस्तुएं शामिल हैं जिन्हें अमेरिका में उगाया, खनन या पर्याप्त मात्रा में उत्पादित नहीं किया जा सकता. इनमें ग्रेफाइट, निकल, नेओडिमियम मैग्नेट्स, एलईडी, लिडोकैन जैसे फार्मा कंपाउंड और सोना शामिल हैं. स्विट्जरलैंड, जो अमेरिका को सोने का सबसे बड़ा निर्यातक है, फिलहाल 39% टैरिफ दे रहा है. व्हाइट हाउस के मुताबिक यह आदेश कृषि उत्पादों, विमानों के पुर्जों और कुछ नॉन-पेटेंटेड दवाओं पर भी लागू होगा. यह कदम जापान और यूरोपीय संघ जैसे सहयोगियों के साथ समझौतों के अनुरूप है. ट्रंप ने कहा, टैरिफ छूट देश की डील की गुणवत्ता पर निर्भर करेगी.

231 करोड़ के घपले में गेम्सक्राफ्ट के पूर्व सीएफओ पर केस

नई दिल्ली । ऑनलाइन गेमिंग कंपनी गेम्सक्राफ्ट टेक्नोलॉजीज लि. ने पूर्व मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है. सीएफओ ने 231 करोड़ से अधिक की राशि की हेराफेरी की.बंगलूरू स्थित कंपनी ने शुक्रवार को बताया कि यह हेराफेरी पिछले वित्त वर्ष के लाभ से तुलना करने पर सामने आया है. गेम्सक्राफ्ट टेक्नोलॉजीज ने अस्वीकृत लेनदेन की प्रकृति के बारे में विस्तार से नहीं बताया लेकिन मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने बताया कि यह राइट-ऑफ कंपनी के पूर्व सीएफओ के गबन करने से से संबंधित है. सीएफओ को मई में हटा दिया गया था अब केस दर्ज कराया गया है.

भारतीय कपड़ा उद्योग के सामने संकट या अवसर

अमेरिकी टैरिफ के बीच 40 नए बाजारों की तैयारी में जुटा भारत

एजेंसी ।नई दिल्ली

भारतीय कपड़ा उद्योग इन दिनों एक बड़े वैश्विक चुनौती का सामना कर रहा है. अमेरिका द्वारा हाल ही में भारतीय वस्त्र और परिधान उत्पादों पर 50% तक का टैरिफ लगाने के फैसले ने इस क्षेत्र को झटका जरूर दिया है, लेकिन साथ ही यह एक रणनीतिक मोड़ भी प्रदान कर रहा है. वर्षों से अमेरिका भारत के प्रमुख निर्यात बाजारों में रहा है, इसलिए यह बदलाव चिंता का विषय बना.हालांकि, सरकार और उद्योग जगत इस संकट को अवसर में बदलने की दिशा में सक्रिय हैं.

केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह के अनुसार, अमेरिका के निर्णय से बड़े निर्यातकों पर असर पड़ सकता है, लेकिन भारत का कपड़ा उद्योग पहले भी कोविड जैसी आपात स्थितियों में मजबूती से उभरा है और यह संकट भी स्थायी नहीं रहेगा.भारत का कुल कपड़ा निर्यात करीब 40-45 बिलियन डॉलर का है, जिसमें अमेरिका की हिस्सेदारी 8-10% है. इस हिस्से में भी अधिकांश कारोबार कुछ चुनिंदा बड़े निर्यातकों द्वारा होता है. ऐसे में छोटे और मध्यम स्तर के निर्यातकों पर इसका सीमित असर पड़ेगा.इस चुनौती के उत्तर में भारत सरकार ने 40 नए संभावित निर्यात बाजारों की पहचान की है. इनमें यूरोपीय देश जैसे जर्मनी, फ्रांस, इटली, स्पेन, साथ ही जापान, दक्षिण कोरिया, यूएई, रूस, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया जैसे देश शामिल हैं. खासतौर पर यूरोप भारत के लिए एक बड़ा अवसर बन सकता है, क्योंकि वहां का सालाना कपड़ा आयात अमेरिका से कहीं अधिक है.भारत और यूरोपीय संघ के बीच चल रही एफटीए (मुक्त व्यापार समझौता) की वार्ता, यदि सफल होती है, तो भारतीय उत्पादों को भारी शुल्क राहत मिल सकती है. इसके अलावा, भारत ने यूएई और ऑस्ट्रेलिया के साथ पहले ही व्यापार समझौते कर लिए हैं, जिससे भारतीय कपड़ा उद्योग को लाभ मिलने लगा है.

सरकार की ओर से गठित चार समितियां-मार्केट डाइवर्सिफिकेशन, लागत प्रतिस्पर्धा, नियमों में सरलता और संरचनात्मक सुधार-इस संकट का दीर्घकालिक समाधान तैयार कर रही हैं. इसके अलावा, पीएम मित्र मेगा टेक्सटाइल पार्क जैसी योजनाएं उत्पादन की पूरी प्रक्रिया को संगठित कर लागत और समय की बचत सुनिश्चित कर रही हैं. हालांकि भारत को लागत, गुणवत्ता, पर्यावरण मानकों और समय पर आपूर्ति जैसी चुनौतियों से निपटना होगा. बांग्लादेश और वियतनाम जैसे देशों के मुकाबले प्रतिस्पर्धा को देखते हुए सुधार जरूरी है. कुल मिलाकर, अमेरिकी टैरिफ भले ही तात्कालिक झटका हो, लेकिन सरकार और उद्योग के संयुक्त प्रयासों से यह संकट भारत के लिए एक मजबूत, स्थायी और विविधतापूर्ण निर्यात प्रणाली के निर्माण का अवसर बन सकता है.

शेयर रहेगा निवेशकों के फोकस में

भूटान में 6,000 करोड़ रुपये का वांगचू हाइड्रो प्रोजेक्ट लगाएगा अडानी पावर

एजेंसी ।नई दिल्ली

अदाणी पावर ने शनिवार को जानकारी दी कि उसने भूटान की सरकारी पावर यूटिलिटी ड्रुक ग्रीन पावर कॉर्पोरेशन (डीजीपीसी) के साथ साझेदारी की है. इस साझेदारी के तहत 570 मेगावॉट क्षमता वाला वांगचू हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट विकसित किया जाएगा, जिसमें करीब 6,000 करोड़ का निवेश होगा. यह प्रोजेक्ट बनाओ, अपने पास रखो, संचालित करो, और फिर हस्तांतरित कर दो मॉडल पर तैयार होगा। इस संबंध में पावर परचेज एग्रीमेंट (पीपीए) और कंसेशन एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इस अवसर पर भूटान के प्रधानमंत्री दशो त्शेरिंग टोबगे और अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी मौजूद थे.

डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट पहले ही तैयार की जा चुकी है और निर्माण कार्य 2026 की पहली छमाही में शुरू होने की संभावना है। इसे पांच साल के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है. अदाणी पावर के सीईओ एस.बी. ख्यालिया ने कहा कि यह प्रोजेक्ट भूटान को सर्दियों में बिजली की मांग पूरी करने में मदद करेगा, जबकि गर्मियों में भारत को अतिरिक्त बिजली निर्यात की जाएगी. अदाणी पावर भारत की सबसे बड़ी निजी थर्मल पावर कंपनी है। वहीं, डीजीपीसी भूटान की एकमात्र बिजली उत्पादक कंपनी है, जिसकी मौजूदा क्षमता 2,500 मेगावॉट है और 2040 तक इसे 25,000 मेगावॉट करने का लक्ष्य है. 5 सितंबर को अदाणी पावर के शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर 0.26% की बढ़त के साथ 610.30 पर बंद हुए. 2025 में अब तक कंपनी के स्टॉक्स में करीब 25% की तेजी आ चुकी है। सोमवार को यह स्टॉक निवेशकों के रडार पर रह सकता है.

इंडिगो की फ्लाइट में आई खराबी, बीच रास्ते से लौटी

एजेंसी ।नई दिल्ली

संयुक्त अरब अमीरात की राजधानी अबू धाबी जाने वाली इंडिगो की एक उड़ान को तकनीकी खराबी के कारण शुक्रवार देर रात केरल के कोच्चि स्थित कोचीन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर वापस लौटना पड़ा. विमान में सवार सभी 180 यात्री सुरक्षित हैं, जिन्हें दूसरे विमान से अबू धाबी ले जाया गया. हवाई अड्डे के प्रवक्ता ने बताया कि अबू धाबी जा रही इंडिगो एयरलाइंस की एक उड़ान संख्या 6ई-1403 (सीओके-एयूएच) को देर रात तकनीकी खराबी के कारण कोच्चि वापस लौटना पड़ा. खराबी का पता चलने से पहले दो घंटे से ज़्यादा समय से उड़ान भर रहा ये विमान 180 से ज्यादा यात्रियों और छह क्रू सदस्यों को लेकर जा रहा था. एयरलाइंस के प्रवक्ता ने बताया कि शुक्रवार रात करीब 11 बजे रवाना हुआ ये विमान दो घंटे से ज्यादा समय तक हवा में रहने के बाद कोच्चि एयरपोर्ट पर वापस लौट आया. इसके बाद वैकल्पिक विमान सुबह 3.33 बजे हवाई अड्डे से रवाना हुआ, जिससे यात्रियों को अबू धाबी ले जाया गया. इस विमान में 180 से अधिक यात्री और चालक दल के छह सदस्य सवार थे. इंडिगो के प्रवक्ता ने बताया कि 6 सितंबर को कोच्चि से अबू धाबी जा रही इंडिगो की उड़ान संख्या-6ई 1403 में एक तकनीकी समस्या का पता चला. एहतियातन पायलटों ने विमान को वापस मोड़ने का फैसला किया और विमान कोचीन एयरपोर्ट पर सुरक्षित रूप से उतार लिया. हालांकि, विमान का संचालन फिर से शुरू करने से पहले आवश्यक रखरखाव जांच चल रही है, लेकिन यात्रियों की यात्रा पूरी करने के लिए तुरंत एक वैकल्पिक विमान की व्यवस्था की गई.

कोच्चि के व्यापारी से 24.76 करोड़ रुपये की ऑनलाइन ठगी कर ली

नयी दिल्ली । कोच्चि में एक व्यापारी के साथ हुई 24.76 करोड़ रुपये की ऑनलाइन निवेश धोखाधड़ी मामले में पुलिस को साइप्रस-आधारित कॉल सेंटर की भूमिका पर शक है. पुलिस के अनुसार, मार्च 2023 से व्यापारी के पैसों को जिन बैंक खातों में ट्रांसफर किया गया था, उनकी जांच जारी है. इस संबंध में कोच्चि साइबर पुलिस ने 1 सितंबर को मामला दर्ज किया था. शिकायतकर्ता व्यापारी की पहचान निमेश के रूप में हुई है. उन्होंने बताया कि यह ठगी ऑनलाइन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म कैपिटलिक्स के जरिए हुई. पुलिस सूत्रों ने बताया कि कैपिटलिक्स, जो अमेरिका में पंजीकृत है, एक ऑनलाइन स्टॉक ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म संचालित करता है. व्यापारी से सबसे पहले एक मलयालम बोलने वाले शख्स ने संपर्क किया, जिसने खुद को डेनियल बताया.

रेनॉल्ट भी कार की कीमतों में करेगी 96,395 रु. की कटौती, नई दरें 22 सितंबर से होंगी लागू

एजेंसी ।नई दिल्ली

टाटा मोटर्स के बाद महिंद्रा एंड महिंद्रा और रेनॉल्ट इंडिया ने शनिवार को अपनी कारों की कीमतों में 96,395 रुपये तक की कटौती का ऐलान किया है. नई कीमतें नवरात्रि के पहले दिन 22 सितंबर से शुरू होने वाली सभी कारों की डिलीवरी पर लागू होंगी. हालांकि, देशभर के डीलरशिप पर संशोधित कीमतों पर बुकिंग पहले ही शुरू हो चुकी है. रेनॉल्ट इंडिया ने शनिवार को जारी बयान में बताया कि वह अपनी कारों की कीमतों में 96,395 रुपये तक की कटौती करेगी, जिससे हाल ही में जीएसटी की दरों में की गई कटौती का पूरा लाभ ग्राहकों को मिलेगा. कंपनी ने कहा कि नई कीमतें नवरात्रि के पहले दिन 22 सितंबर, 2025 से शुरू होने वाली सभी डिलीवरी पर लागू होंगी. रेनॉल्ट इंडिया के एमडी वेंकटराम मामिलपल्ले ने जारी बयान में कहा, जीएसटी 2.0 का पूरा लाभ ग्राहकों तक पहुंचाना ग्राहकों के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है. हमारा मानना है कि यह समय पर की गई पहल न केवल हमारी कारों को और अधिक सुलभ बनाएगी, बल्कि त्योहारी सीज़न के दौरान मांग को भी बढ़ावा देगी.

नई जीएसटी व्यवस्था के तहत छोटी कारों पर 18 फीसदी, जबकि बड़ी कारों पर 40 फीसदी जीएसटी लगेगा. कंपनी के नवीनतम संशोधनों के साथ रेनॉल्ट इंडिया के मॉडल अब पहले से कहीं अधिक सुलभ हैं. एंट्री-लेवल पर रेनॉल्ट क्विड की शुरुआती कीमत अब केवल 4.29 लाख रुपये है, जबकि रेनॉल्ट काइगर और रेनॉल्ट ट्राइबर की शुरुआती कीमत 5.76 लाख रुपये (एक्स-शोरूम, दिल्ली) है. वेरिएंट के आधार पर कीमतों में 40,095 रुपये से लेकर 96,395 रुपये तक की कटौती की गई है. 22 सितंबर से नई कर दरें लागू होने के साथ ऑटो कंपनियां ग्राहकों को जीएसटी का लाभ देने की तैयारी कर रही हैं.

इसी के तहत टाटा मोटर्स ने शुक्रवार देर रात अपनी कारों की कीमतों में 1.40 लाख रुपये की कटौती की घोषणा की थी. वहीं, महिंद्रा एंड महिंद्रा ने आज कहा कि वह कीमत में 1.56 लाख रुपये तक की कटौती करेगी और इसका पूरा लाभ ग्राहकों को देगी. वहीं, मारुति सुजुकी इंडिया से भी जल्द ही कीमतों में कटौती की घोषणा करने की उम्मीद है.

न्यूज अपडेट

मुंबई में बम ब्लास्ट की धमकी देने का आरोपी नोएडा से गिरफ्तार हुआ

नोएडा । मुंबई में अनंत चतुर्दशी के दिन 400 किग्रा आरडीएक्स से जगह-जगह बम धमाका करने की धमकी देने वाले अश्विनी नाम के एक व्यक्ति को उत्तर प्रदेश और मुंबई पुलिस ने एक संयुक्त कार्रवाई के तहत शनिवार को नोयडा से गिरफ्तार किया है. मुंबई पुलिस उसे लेकर महाराष्ट्र के लिए रवाना हो गई. 04 सितंबर को मुंबई पुलिस के व्हाट्सएप नंबर पर बम ब्लास्ट की धमकी वाला मैसेज भेजा गया था जिसमें धमकी देने वाले ने खुद को एक जिहादी संगठन का सदस्य बताया था. आरोपित को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम को आज पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह ने 25 हजार रुपए नगद इनाम देने की घोषणा की है.

प्रधानमंत्री मोदी ने जमैका लेबर पार्टी के नेता डॉ. एंड्रयू होलनेस को बधाई दी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जमैका लेबर पार्टी के नेता डॉ. एंड्रयू होलनेस को बधाई दी है. प्रधानमंत्री ने जमैका के संसदीय चुनाव में जमैका लेबर पार्टी की लगातार तीसरी बार जीत पर प्रसन्नता जताई है. प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर बधाई देते हुए लिखा,'मैं भारत-जमैका मैत्री संबंधों को और प्रगाढ़ बनाने तथा दोनों देशों के बीच सहयोग को और मजबूत करने की आशा करता हूं. उल्लेखनीय है जमैका के प्रधानमंत्री एंड्रयू होलनेस ने गुरुवार तड़के एक कड़े मुकाबले के बाद तीसरी बार चुनाव में जीत हासिल की. होलनेस की जमैका लेबर पार्टी ने 34 और मार्क गोल्डिंग की विपक्षी पीपुल्स नेशनल पार्टी ने 29 सीटों पर जीत हासिल की है.

ईडी ने की कर्नाटक के कांग्रेस विधायक केसी वीरेंद्र पप्पी के बैंक खातों की जांच

चित्रदुर्ग । कर्नाटक के चित्रदुर्ग विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के विधायक के.सी. वीरेंद्र 'पप्पी' को ईडी ने एक और झटका दिया है. ऑनलाइन सट्टेबाजी और अवैध धन शोधन के आरोपों के मद्देनजर ईडी ने शनिवार को चित्रदुर्ग के चल्लकेरे शहर में स्थित कई बैंकों पर छापेमारी की है, जिनमें वीरेंद्र के खाते हैं. प्रवर्तन निदेशालय के 10 से अधिक अधिकारी चल्लकेरे पहुंच कर विधायक के.सी. वीरेंद्र 'पप्पी' के बैंकों खातों की जांच कर रहे हैं. शहर में कोटक महिंद्रा, एक्सिस, फ़ेडरल और कर्नाटक बैंक समेत कई शाखाओं में उनके खातों की जांच की जा रही है. ईडी के अधिकारी विधायक वीरेंद्र से जुड़े 17 बैंक खातों से जुड़े दस्तावेज़ इकट्ठा कर रहे हैं. आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, विधायक के बैंक लॉकर भी खंगाले जा रहे हैं.

गुजरात में आज भारी बारिश की चेतावनी, विभिन्न जिलों में रेड अलर्ट

गांधीनगर । भारतीय मौसम विभाग ने रविवार को को गुजरात में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है. राज्य के विभिन्न जिलों में रेड अलर्ट घोषित किया गया है जबकि कुछ अन्य जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है. अत्यंत भारी वर्षा की चेतावनी को ध्यान में रखते हुए मुख्य सचिव पंकज जोशी की अध्यक्षता में शनिवार को गांधीनगर स्थित राज्य आपातकालीन ऑपरेशन सेंटर में समीक्षा बैठक आयोजित की गई. इस बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े विभिन्न जिला कलेक्टरों को मुख्य सचिव ने मौसम विभाग की चेतावनी को ध्यान में रखते हुए संभावित जोखिमों के प्रति सतर्क रहने के निर्देश दिए.

दिल्ली में यमुना के जलस्तर में दो दिन में एक मीटर से अधिक की गिरावट

नई दिल्ली । दिल्ली में खतरे के निशान से ऊपर बह रही यमुना के जलस्तर में पिछले दो दिनों में एक मीटर से अधिक की गिरावट दर्ज गई है. दिल्ली के सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग के मुताबिक यमुना का जलस्तर शनिवार सुबह 10 बजे 206.43 मीटर पर दर्ज किया गया, जबकि गुरुवार को इसका जलस्तर 207.46 मीटर पर था. दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे के नीचे सड़क पर बसे बाढ़ पीडितों को प्रशासन राहत शिविरों में ले जा रहा है. यमुना के जलस्तर में गिरावट के साथ-साथ प्रशासन राहत शिविरों में व्यवस्था को और दुरुस्त करने में जुटा है. हालांकि यमुना के किनारे बसे इलाकों में अभी भी कई फीट पानी भर हुआ है. ड्रोन से बनाए वीडियो में स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि यमुना का पानी कई किलोमीटर तक फैला हुआ है.

सीपीएन के आजीवन अध्यक्ष बने रहने की जुगत में केपी शर्मा ओली

काठमांडू । नेपाल के प्रधानमंत्री और नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के अध्यक्ष केपी शर्मा 'ओली' ने यहां चल रहे पार्टी के तीन दिवसीय अधिवेशन में संगठन के संविधान में संशोधन के लिए दो प्रस्ताव पेश किया. पहले प्रस्ताव में पार्टी का आजीवन अध्यक्ष बने रहने की बात कही गयी है, जबकि दूसरे में अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने के लिए उम्र सीमा हटाने का जिक्र है. पार्टी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष ईश्वर पोखरेल ने कहा कि दोनों प्रस्ताव के पारित होने के बाद ओली आजीवन इस पार्टी के अध्यक्ष बने रहेंगे. उन्होंने बताया कि सीपीएन मौजूदा संविधान में लगातार दो कार्यकाल तक ही पार्टी अध्यक्ष बने रहने का प्रावधान है. यह भी प्रावधान है कि कोई नेता अधिकतम 70 वर्ष की आयु तक ही पार्टी अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ सकता है.

हैदराबाद में गणेश चतुर्थी उत्सव के अवसर पर भगवान गणेश की 69 फीट ऊंची पर्यावरण अनुकूल मूर्ति के विसर्जन के लिए जुलूस में भाग लेते लोग.

जॉर्जिया में हुंडई के संयंत्र से 475 कर्मचारी गिरफ्तार

एजेंसी । वाशिंगटन

आव्रजन अधिकारियों ने दक्षिण पूर्वी संयुक्त राज्य अमेरिका के राज्य जॉर्जिया स्थित हुंडई के एक संयंत्र से 475 लोगों को गिरफ्तार किया है. यह सभी एक प्रमुख दक्षिण कोरियाई बैटरी निर्माता के कर्मचारी है. अमेरिकी अधिकारियों ने इसे एक ही स्थान पर सबसे बड़ा होमलैंड सुरक्षा प्रवर्तन अभियान बताया है. द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, जॉर्जिया में होमलैंड सुरक्षा जांच के प्रभारी विशेष एजेंट स्टीवन श्रैंक ने संवाददाता सम्मेलन में बताया कि एजेंटों ने गुरुवार को जॉर्जिया के एलाबेल में सवाना के पास हुंडई के इलेक्ट्रिक वाहन बैटरी संयंत्र के निर्माण स्थल से 475 लोगों को गिरफ्तार किया. इनमें से अधिकांश दक्षिण कोरियाई नागरिक हैं. उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई कई महीनों तक चली एक जांच का परिणाम है. विशेष एजेंट श्रैंक ने कहा कि गिरफ्तार किए गए कर्मचारी या तो अवैध रूप से अमेरिका में थे या गैरकानूनी तरीके से काम कर रहे थे. इस अभियान का उद्देश्य रकानून का पालन करने वाले व्यवसायों के लिए समान अवसररू सुनिश्चित करना है. यह कर्मचारी बैटरी निर्माता एलजी एनर्जी सॉल्यूशन के हैं. यह कंपनी हुंडई मोटर ग्रुप के साथ इस संयंत्र का सह-स्वामित्व रखती है. हुंडई ने स्वीकार किया है कि उसकी सहयोगी कंपनियों के कर्मचारियों को हिरासत में लिया गया है. मगर इनमें हुंडई का एक भी कर्मचारी नहीं है.

जेलेंस्की मॉस्को नहीं जाएंगे

राष्ट्रपति पुतिन के सुझाव को जेलेंस्की ने ठुकराया

वाशिंगटन । यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सुझाव को कठोरता के साथ ठुकरा दिया है. पुतिन ने उन्हें राजनयिक समझौते के लिए मॉस्को आने का सुझाव दिया था. जेलेंस्की ने एबीसी न्यूज को शुक्रवार को दिए गए एक साक्षात्कार में पुतिन के सुझाव पर खुलकर चर्चा की. ज़ेलेंस्की ने कहा, वह कीव आ सकते हैं. मैं मॉस्को नहीं जा सकता. मेरा देश हर दिन मिसाइलों और हमलों की चपेट में है. मैं आतंकवादी की राजधानी नहीं जा सकता. जेलेंस्की ने कहा कि पुतिन इसे समझते हैं. जेलेंस्की ने यह साक्षात्कार पश्चिमी यूक्रेन में एक अमेरिकी स्वामित्व वाले विनिर्माण संयंत्र में दिया. यहां हाल ही में रूस ने मिसाइलों से हमला किया था. जेलेंस्की ने बार-बार कहा कि पुतिन उनसे मुलाकात नहीं करना चाहते, क्योंकि वह यूक्रेन में युद्ध जारी रखे हुए हैं. जेलेंस्की ने कहा कि पुतिन अमेरिका के साथ खेल खेल रहे हैं.

जीएसटी में सुधार से देशवासियों को बड़ी राहतः अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली । केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधारों को 140 करोड़ देशवासियों के लिए बड़ी राहत पहुंचाने वाला बताया है. भाजपा मुख्यालय में शनिवार को पत्रकार वार्ता में वैष्णव ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मध्यम वर्ग के प्रति काफी निष्ठा है जो समय-समय पर हम सभी को दिखाई देती है. उन्होंने करों में बड़ा सुधार करके 12 लाख रुपये तक की आय वाले मध्यम वर्गीय परिवारों को छूट देकर और अब बड़े पैमाने पर जीएसटी में सुधार करके मध्यम वर्ग के परिवारों को बड़ी राहत और तोहफा दिया है. उन्होंने कहा कि जीएसटी में जिस तरह के सुधार हुए हैं उनसे देश के 140 करोड़ देशवासियों को बड़ी राहत मिली है.

ईद-ए-मिलादुन्नबी के जुलूस के दौरान हादसा

बांग्लादेश के नूरल पगला की दरगाह पर हमला,दो की मौत

तनाव के मद्देनजर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया

एजेंसी । ढाका

बांग्लादेश में ईद-ए-मिलादुन्नबी के उपलक्ष्य में जश्न-ए-जुलूस के दौरान आज हुए हादसे में दो लोगों की मौत हो गई. यह हादसा बंदरगाह शहर चटगांव में हुआ. इसके अलावा ईद-ए-मिलादुन्नबी की पूर्व संध्या पर शुक्रवार रात राजबाड़ी स्थित नूरल पगला की दरगाह पर हमले के बाद तनाव के मद्देनजर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है. इस संबंध 3500 अज्ञात लोगों के खिलाफ पुलिस मामला दर्ज किया है. पुलिस ने बताया कि शनिवार को बंदरगाह शहर चटगांव में ईद-ए-मिलादुन्नबी के उपलक्ष्य में निकाले गए जश्न-ए-जुलूस के दौरान अलग-अलग हादसों में दो लोगों की मौत हो गई और दस अन्य घायल हो गए. मृतकों में से एक की पहचान अगराबाद सीडीए क्षेत्र के शमसुल हक के 35 वर्षीय पुत्र महफूज के रूप में हुई है. चश्मदीदों के हवाले से चटगांव मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल पुलिस शिविर के प्रभारी नूरुल आलम आशिक ने बताया कि मुरादपुर इलाके में जश्न-ए-जुलूस के जुलूस मची भगदड़ में महफूज गिर पड़ा और उसकी मौत हो गई. मोहम्मदपुर शोलोशोहोर इलाके में एक छोटा पुल ढह जाने से एक अज्ञात व्यक्ति की मौत हो गई और दस अन्य घायल हो गए.

पुलिस के अनुसार, राजबाड़ी स्थित नूरल पगला की दरगाह पर शुक्रवार रात हुए हमले के सिलसिले में 3,500 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. ग्वालंदा घाट पुलिस स्टेशन के सब इंस्पेक्टर सलीम मोल्ला ने आधी रात को 3,500 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया. थाना प्रभारी रकीबुल इस्लाम ने बताया कि अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है. दरगाह के आसपास के इलाके में तनाव व्याप्त है. अशांति को रोकने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है. इस घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई और लगभग 50 अन्य घायल हो गए. मृतक की पहचान आजाद मुल्ला के बेटे रसेल मुल्ला के रूप में हुई है.

हमले में 10-12 पुलिस अधिकारी भी घायल हुए हैं. यूएनओ की कार के साथ-साथ दो पुलिस वाहनों में तोड़फोड़ की गई. बाद में कुछ उपद्रवी लोगों ने दरगाह पर धावा बोलकर कीमती सामान लूट लिया. यही नहीं हमलावरों ने ढाका-खुलना राजमार्ग पर गोलंदा घाट में नूरल पगला की कब्र खोदकर ताबूत में आग लगा दी. खुद को इमाम महदी घोषित करने वाले नूरुल हक उर्फ नूरल पगला का वृद्धावस्था संबंधी जटिलताओं के कारण निधन हो गया था. गोलंदो उप जिला ईमान-अकीदा संरक्षण समिति ने पुलिस और स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर नूरल पगला के परिवार के साथ उनकी कब्र को समतल करने के मुद्दे पर विचार-विमर्श किया है.

इसके अलावा, ईद-ए-मिलादुन्नबी के अवसर पर शनिवार सुबह जश्ने जुलूस के लिए ढाका में बड़ी भीड़ एकत्र हुई. देश के विभिन्न हिस्सों से हजारों लोग राजधानी स्थित सुहरावर्दी उद्यान और इंजीनियर्स इंस्टीट्यूशन ऑडिटोरियम के सामने एकत्रित हुए. विभिन्न दरगाहों और खानकाहों के प्रतिनिधियों के नेतृत्व में अलग-अलग जुलूस इन जश्ने-जुलूस में शामिल हुए. इस साल ढाका में सबसे बड़ा जुलूस चटगांव के फातिक्छारी से अंजुमन-ए-रहमानिया माइनिया मैजभंडारिया दरगाह शरीफ के श्रद्धालुओं ने आयोजित किया. सैयद मोइनुद्दीन अहमद के बड़े बेटे सैयद सैफुद्दीन अहमद के नेतृत्व में एक समूह सुहरावर्दी उद्यान में एकत्रित हुआ, जबकि छोटे बेटे सैयद शाहिदुद्दीन अहमद के अनुयायी इंजीनियर्स इंस्टीट्यूशन के सामने एकत्रित हुए.

बलूचिस्तान में पाक के दो सुरक्षाकर्मियों की गोली मारकर हत्या

क्वेटा । पाकिस्तान के प्रांत बलूचिस्तान में ईरान की सीमा के पास केच जिले के मांड इलाके में शुक्रवार को हुए एक सशस्त्र हमले में दो सुरक्षाकर्मी मारे गए. अधिकारियों के अनुसार, यह हमला कोह-पुशात बाजार में हुआ. सशस्त्र हमलावरों ने मोटरसाइकिल सवार सुरक्षाकर्मियों पर घात लगाकर गोलीबारी की. गोलीबारी में दोनों की मौके पर मौत हो गई. डान अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, लेवी बलों और अन्य सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत कार्रवाई कर इलाके को घेर लिया और शवों को पास के एक चिकित्सा केंद्र में पहुंचाया. मारे गए सुरक्षा कर्मचारियों की पहचान अब्दुल अजीज और जमील अहमद के रूप में हुई है. हमले के समय दोनों सादे कपड़ों में थे.

भारत के मुख्य न्यायाधीश गवई पहुंचे नेपाल

भगवान बुद्ध की जन्मस्थली लुंबिनी का दौरा किया

काठमांडू । भारत के मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई ने नेपाल में शनिवार को भगवान गौतम बुद्ध की पवित्र जन्मस्थली लुम्बिनी की यात्रा की. न्यायपालिका का सर्वोच्च दायित्व संभालने के बाद यह उनकी पहली नेपाल यात्रा है. उन्होंने लुम्बिनी आगमन को एक विशेष आध्यात्मिक अवसर बताया है. शनिवार सुबह लुम्बिनी में आने वाले गवई का लुम्बिनी विकास ट्रस्ट के उपाध्यक्ष डॉ. ल्हारकयाल लामा, सदस्य सचिव सनुराजा शाक्य, कार्यकारी सदस्य श्याम रोक्का, वरिष्ठ प्रशासन प्रमुख ज्ञानिन राय और ट्रस्ट के अधिकारियों और कर्मचारियों ने स्वागत किया. यात्रा के दौरान, गवई ने लुम्बिनी क्षेत्र के ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व के बारे में जाना. उन्होंने मायादेवी मंदिर परिसर का दौरा किया, बुद्ध की जन्मस्थली का अवलोकन किया और सूत्र का पाठ किया. उन्होंने विश्व शांति और भारत-नेपाल के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों को और मजबूत करने की कामना करते हुए दीप प्रज्वलित किया.

पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र के आग्रह को ठुकराया

कहा-नहीं रुकेगा अफगान शरणार्थियों का निर्वासन

काबुल । पाकिस्तान ने अफगान शरणार्थियों के मौजूदा निर्वासन को निलंबित करने के संयुक्त राष्ट्र के आह्वान को खारिज कर दिया है. पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने कठोर रुख अपनाते हुए कहा है कि संघीय सरकार के फैसले में किसी भी तरह का परिवर्तन नहीं होगा. खामा प्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता शफकत अली खान ने शुक्रवार को पत्रकारों को बताया कि निर्वासन नीति में कोई बदलाव नहीं किया गया है और इस प्रक्रिया को स्थगित नहीं किया जाएगा. इससे पहले, संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त फ़िलिपो ग्रांडी ने अफगानिस्तान के कुनार प्रांत में आए विनाशकारी भूकंप का हवाला देते हुए इस्लामाबाद से निर्वासन रोकने का आग्रह किया था. अफगानिस्तान में मानवाधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र के विशेष दूत रिचर्ड बेनेट ने भी पाकिस्तान से निष्कासन में देरी करने की अपील की. इसके जवाब में पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने जोर देकर कहा कि निर्वासन तो जारी रहेगा, लेकिन देश कानूनी रूप से प्रवेश करने के इच्छुक अफगानों के लिए उदार वीजा नीति बनाए रखेगा.

अमेरिका अगले साल जी-20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी ट्रंप के गोल्फ कोर्स में करेगा

वाशिंगटन (अमेरिका) । अमेरिका अगले साल 2026 में विश्व नेताओं के समूह-20 (जी-20) के शिखर सम्मेलन की मेजबानी राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप के फ्लोरिडा के डोरल स्थित गोल्फ कोर्स और स्पा में करेगा. ट्रंप ने शुक्रवार को व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में मियामी में जी-20 सम्मेलन आयोजित करने के अपने निर्णय की घोषणा की. सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रप ने शिखर सम्मेलन की तैयारियों का जिम्मा राष्ट्रीय आर्थिक परिषद के निदेशक केविन हैसेट को सौंपा है. राष्ट्रपति ने कहा कि वित्तमंत्री स्कॉट बेसेंट इस सम्मेलन का एजेंडा तैयार कर रहे हैं. इसके बाद व्हाइट हाउस ने एक बयान में कहा कि ट्रंप डोरल में इस शिखर सम्मेलन की मेजबानी रलागत परर करेंगे. विदेश विभाग या किसी विदेशी सरकार से कोई लाभ नहीं लेंगे. यह सम्मेलन 14-15 दिसंबर, 2026 को आयोजित किया जाएगा.

एनडीआरएफ के जवान हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले के अखाड़ा बाजार में भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र में खोज और बचाव अभियान चलाते हुए.

हरियाणा : ड्रेन टूटने से हालात बदतर, 150 गाड़ियां डूबीं, कॉलोनियां जलमग्न...

बहादुरगढ़ में अब सेना ने संभाला मोर्चा

एजेंसी । बहादुरगंज

हरियाणा के बहादुरगढ़ में मंगेशपुर ड्रेन टूटने के बाद हालात बेहद गंभीर बने हुए हैं. भारी बारिश और ड्रेन ओवरफ्लो होने से औद्योगिक क्षेत्र से लेकर आवासीय कॉलोनियां पानी में डूब चुकी हैं. हालात से निपटने के लिए सेना की टीम बुलानी पड़ी है. आर्मी की डोट डिवीजन हिसार से आए 80 से ज्यादा जवान एसडीआरएफ के 40 जवानों के साथ राहत और बचाव कार्य में जुटे हुए हैं. ड्रेन के टूटने से शहर के विवेकानंद नगर और छोटूराम नगर पूरी तरह जलमग्न हो चुके हैं. घरों

में चार से पांच फीट तक पानी घुस चुका है, जिससे लोगों का जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है. औद्योगिक क्षेत्र में भी पानी भर गया है. मारुति कंपनी के स्टॉकयार्ड में खड़ी 150 से ज्यादा गाड़ियां पानी में डूब चुकी हैं. इससे करोड़ों का नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है.

तेज बहाव के कारण काम में आ रही हैं भारी दिक्कत : सेना और एसडीआरएफ की टीमें आठ नावों और चार नावों के साथ मौके पर काम कर रही हैं. उनका मुख्य ध्यान मंगेशपुर ड्रेन के कटाव को रोकने और तटबंध को मजबूत करने पर है. तेज बहाव के कारण दिक्कतें आ रही हैं, लेकिन समाधान के लिए युद्धस्तर पर काम जारी है. सेना ने लोहे के जालीनुमा बड़े बॉक्स तैयार कर कटाव के पास लगाए हैं, जिनमें प्लास्टिक बैग्स में मिट्टी भरकर डाली जा रही है ताकि पानी के बहाव को रोका जा सके. सिंचाई विभाग और नगर परिषद के 100 से ज्यादा कर्मचारी भी मौके पर तैनात हैं. कर्मचारियों की सुरक्षा और सेहत को देखते हुए सेना ने मेडिकल कैंप लगाया है. वहीं, सिंचाई विभाग की ओर से चाय, बिस्कुट, फल और सूखे राशन जैसी सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है. सिंचाई विभाग के एक्सईएन ईशान सिवाच खुद मौके पर डटे हुए हैं और काम की निगरानी कर रहे हैं. ईशान सिवाच ने बताया कि औद्योगिक एरिया की कई फैक्ट्रियों में पानी भर गया है, जिससे उत्पादन ठप पड़ गया है. उन्होंने कहा कि ट्रैक्टरों की मदद से मिट्टी के बैग तटबंध कटाव से करीब 100 मीटर पहले तक पहुंचाए जा रहे हैं. वहां से सेना की नावों के जरिए ये बैग कटाव वाले हिस्से तक ले जाए जा रहे हैं.

वेनेजुएला ने 48 घंटे में दूसरी बार अमेरिकी विध्वंसक पोत के पास सैन्य विमान उड़ाए

एजेंसी । वाशिंगटन

वेनेजुएला ने दक्षिण अमेरिका के पास अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में 48 घंटे में दूसरी बार विध्वंसक पोत यूएसएस जेसन डनहम के आसपास सैन्य विमान उड़ाए हैं. रक्षा विभाग के कई अधिकारियों ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की. उन्होंने इस कार्रवाई को मुहावरे की भाषा में मुर्गी का खेल बताया.

सीबीएस न्यूज की खबर के अनुसार, रक्षा विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि यह एफ-16 लड़ाकू विमान था. यह गुरुवार रात किसी समय डनहम के ऊपर से उड़ा. यह अज्ञात है कि विमान हथियारों से लैस था या नहीं.अधिकारियों ने बताया कि

एजिस निर्देशित मिसाइल विध्वंसक डनहम ने कोई हमला नहीं किया. पेंटागन ने पहली घटना पर इसे बेहद भड़काऊ कदम बताया था. पेंटागन ने कहा था, हमारे मादक-आतंकवाद विरोधी अभियानों में हस्तक्षेप करने के लिए ऐसा किया गया. डनहम उन अमेरिकी युद्धपोतों में से एक है जिन्हें हाल के सप्ताहों में इस क्षेत्र में भेजा गया है. पेंटागन का कहना है कि इन्हें आपराधिक संगठनों और मादक पदार्थ-आतंकवाद को निशाना बनाने के लिए तैनात किया गया है. राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को टिप्पणी की, मैं कहूंगा कि वे मुश्किल में पड़ जाएंगे. राष्ट्रपति ट्रंप ने शुक्रवार को पत्रकारों से एक सवाल के जवाब में कहा कि अगर वेनेजुएला ने फिर से अमेरिकी नौसेना के जहाजों के ऊपर से जेट उड़ाए तो बहुत बुरा हो सकता है. ट्रंप ने रक्षा सचिव पीट हेगसेथ और ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष जनरल डैन केन से भी बात की है. व्हाइट हाउस ने मंगलवार को घोषणा की थी कि अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला से कथित तौर पर ड्रग तस्करी करने वाली एक नाव पर हमला किया. इस हमले में 11 लोग मारे गए. ट्रंप प्रशासन ने कहा कि नाव का संचालन ट्रेन डी अरागुआ गिरोह कर रहा था.

स्वत्वाधिकारी लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड की ओर से मुद्रक, प्रकाशक प्रदीप कुमार सिंह, क्वार्टर नंबर सी-90, पोस्ट-नावागढ़, थाना-बरोरा, हरिणा कॉलोनी, धनबाद-828306, झारखंड द्वारा फ्लैट नंबर 2ए, सेकेंड फ्लोर, सिंगारो मेनन अपार्टमेंट,चूना भट्ठा, एचबी रोड कोकर, नियर डिस्टिलरी पुल, बिरसा समाधि स्थल) रांची-834001, झारखंड से प्रकाशित और शिवसाईं पब्लिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड, रातू, काठीटांड़, टेंडर बगीचा रातू, रांची - 835222 झारखंड द्वारा मुद्रित. **संपादक : संजय कुमार सिंह.*** फोन नंबर 0651-2913385, 9142897989 (***पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार**).

आरएनआई नं : JHAHIN/2023/84487, ई-मेलः shubhamsandeshnews@gmail.com धनबाद ब्यूरो : ओजोन सेंटर,थर्ड फ्लोर, कमरा नं-306 अशोकनगर, बैंक मोड़, धनबाद-828106. फोन नं – 9431145133.ई मेल-sandeshsubham23@gmail.com.